

B  
8-8-83

# भारत का राजस्मान

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
No. 26 PUBLISHED BY AUTHORITY No. 26

सं० २३] नई दिल्ली, समिवार, जून ४, १९८३ (ज्येष्ठ १४, १९०५)

३. २३] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 4, 1983 (JYAISTA 14, 1905)

इस भाग में मिस्ट्री पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड १

#### [PART III—SECTION 1]

स्थायालयों, नियन्त्रक और महालेशापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और उधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं  
[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Indian Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली—११००११, दिनांक १६ अ० १९८३

सं० ए० ३१०१४/१/८३—प्रशा०—III—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा भेनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्यरत तथा उत्संवर्ग में अनुभाग अधिकारी ग्रेड की घटन सूची में सम्मिलितमन्तिमिक्षित अधिकारीकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के साथ निर्दिष्ट तारीख से संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में उक्त सेवक अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया जाता।

क्र०	नाम	प्रारंभिकरण की तारीख
१.	सं० श्री० जैन	२-५-१९८२
२.	पी० एस० राणा	२-५-१९८२
३.	कृष्ण कुमार	१-११-१९८२
४.	जय नारायण	१-१-१९८३

दिनांक २ इ८ १९८३।

सं० ए० १९०१४/८—प्रशा०—I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में ५० से० (सं० रा० क्षे०) के अधि-

कारी तथा संप्रति स्थानापन्न संयुक्त सचिव श्री एच० सी० जाटव को ३०-४-१९८३ के अपराह्न से आयोग के कार्यालय में उनको इन अनुदेशों के साथ कार्यभार मुक्त किया गया है कि वह अपनी अप्रैतर पदस्थापना हेतु भा० पु० से० (सं० रा० क्षे०) के संवर्ग नियन्त्रक प्राधिकारी, गृह मंत्रालय को रिपोर्ट करें।

सं० ए० १९०१४/१/८—प्रशा०—I—संघ लोक सेवा आयोग में उप सचिव के पद पर प्रतिनियुक्त प्रभू भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के अधिकारी श्री हरदयाल सिंह की सेवाएं ३०-४-१९८३ के अपराह्न से केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय को सौंपी गई है। संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से ३०-४-८३ (अपराह्न) से उनके कार्यभार मुक्त होने पर वह के० प्र० कर बोर्ड के आदेश सं० २२०१२/१/८२—प्रशा०—VI दिनांक २२-३-८३ के अनुसार कार्यभार ग्रहण करने का सामान्य समय लेने के पश्चात् सहायक आयुक्त, आई० ए० सी० (ए० सी० क्य०), अमृतसर के पद का कार्यभार ग्रहण करेंगे।

सं० ए०—प्रशा०—I—१९०१४/२/७९ प्रशा०—संघ लोक सेवा आयोग में उप सचिव के पद पर प्रतिनियुक्त पर भारतीय राजस्व सेवा (सी० एच० सी० ई०) के अधिकारी श्रीमती प्रेम वी० पी० सिंह की सेवाएं ३०-४-८३ के अपराह्न से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड, दिल्ली, वित्त मंत्रालय को सौंपी

गई है। उसके 30-4-83 (अपराह्न) से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में कार्यभार मुक्त होने पर वह वित्त मंत्रालय राजस्व विभाग के आदेश सं० ए० 22012/1/83 प्रशा० II दिनांक 28-3-83 के अनुसार उप समाहर्ता, सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क के पद को कार्यभार संभालेंगी।

सं० ए० 19014/3/29—प्रशा०—I—संघ लोक सेवा आयोग में उप सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति पर भा० रा० से० (आयकर) के अधिकारी श्री डी० के० दास की सेवाएं 30-4-83 के अपराह्न से बोर्ड के आदेश सं० 22012/1/83—प्रशा०—VI/ दिनांक 22-3-83 के अनुसार सहायक आयकर ए० ए० सी० दिल्ली के पद का कार्यभार संभालेंगी।

सं० ए० 38013/3/82—प्रशा०—III—संघ लोक सेवा आयोग में के० स० से० संवर्ग के स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री आर० पी० बहल को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 33/12/73—स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार 30 अप्रैल, 1983 के अपराह्न से निवर्तन आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

सं० पी०/1962 प्रशा०—I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय के० स्ट० से० के स्थायी स्टेनोग्राफर ग्रेड “B” तथा स्थानापन्न वार्ल्ड बैयक्टिक सहायक (के० स० स्ट० से० के ग्रेड “C”) श्री ओ० पी० देवरा को राष्ट्रपति द्वारा 30 अप्रैल, 1983 के अपराह्न से निवर्तन आयु हो जाने के पश्चात् सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

सं० ए० 19014/2/82—प्रशा०—I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी अनुभाग अधिकारी एवं स्थानापन्न अवर सचिव श्री आर० जी० पुरंग को राष्ट्रपति द्वारा 30 अप्रैल, 1983 के अपराह्न से निवर्तन आयु हो जाने के पश्चात् सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

य० रा० गा०  
अवर सचिव (प्रशा०)  
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग  
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1983।

सं० ए०—19020/3/77—प्रशासन—5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री सी० एल० रामकृष्णन, भा० पु० से०, (तमिलनाडु-1959), पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, मद्रास शाखा की सेवाएं दिनांक 30-4-

1983 के अपराह्न से तमिलनाडु सरकार को धापिस सौंपी जाती है।

सं० ए०—12025/1/82—प्रशा०—5—राष्ट्रपति अपने प्रशासन से श्री बी० एन० सहगल, प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी/उप-निवेशक, केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला को दिनांक 6 मई, 1983 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए 2000-125/2-2500 के वेतनमान में निवेशक, केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 मई 1983

सं० सी०—3/68—प्रशा०—5(खण्ड)—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री चिरंजीव साल, भारतीय पुलिस सेवा (हरियाणा-एस० पी० एस०), पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, सी० आई० पू० (ई०)—I शाखा की सेवाएं दिनांक 30-4-1983 के अपराह्न से हरियाणा सरकार को वापस सौंपी जाती है।

सं० पी० एफ०/भार०—12/72—प्रशा०—5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री आर० घेखर, भारतीय पुलिस सेवा (राजस्थान-1957) पुलिस उप-महानिरीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएं दिनांक 30-4-1983 के अपराह्न से राजस्थान सरकार को सौंपी जाती हैं।

शम स्वरूप नागपाल  
प्रशासनिक अधिकारी(स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

महिनदेशालय, के० रि० पु० बल

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1983

सं० ओ० दो०—1439/79—स्था०—श्री एस० के० पौदार भारतीय लेखार्थीका एवं लेखा सेवा अधिकारी अपने मूल विभाग भारतीय लेखार्थीका एवं लेखा सेवा महानिदेशालय से प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उप निवेशक (अकाउंट्स) के पद कार्यभार दिनांक 22-4-83 अपराह्न से त्याग दिया।

दिनांक 12 मई 1983

सं० ओ० दो०—4071—स्था०—श्री एस० एम० सन्धु ने सरकारी सेवा से निवृत्ति के फलस्वरूप, सहायक कमांडेंट 45 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के पद का कार्यभार दिनांक 30-4-83 अपराह्न त्याग दिया है।

सं० ओ० दो० 1774/प्रस्तावना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर सुरेन्द्रार परिमाल को 8 अप्रैल, 1983 के पूर्वाह्न से केवल तीन ले० लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में के० चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो० 1799/83-स्था०—राष्ट्रपति ले० कर्नल जे० के० बैरी (अवकाश प्राप्त) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कमांडेंट के पद पर आगामी आवेश जारी होने तक पुनः नियुक्त करते हैं।

2. सै० कर्नल जे० के० बैरी ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, दिल्ली सिगनल वाहिनी, नई दिल्ली में दिनांक 3-5-1983 (पूर्वाह्न) से कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाला।

दिनांक 16 मई 1983

सं० ओ० दो०-3/78-स्थापना—श्री एस० दत्ता औधीरी जो कि गृजरात संघर्ष के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में प्रतिनियुक्ति पर थे, ने सरकारी सेवा से नियुक्त होने के फलस्वरूप, महानिवेशक, के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार दिनांक 30-4-1983 (अपराह्न) से त्याग दिया।

ए० के० सूरी  
सहायक निदेशक (स्थापना)

#### भारत के महाराजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली 110011, दिनांक 11 मई 1983

सं० 10/28/80-प्रशा०—I—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति सांख्यिकी विभाग, संगणना केन्द्र में प्रोग्राम सहायक/कन्सोल आपरेटर के पद पर कार्यरत श्री रघुवंश प्रसाद को नई दिल्ली में भारत के महाराजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 16 अप्रैल, 1983 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक अस्थाई रूप से सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री रघुवंश प्रसाद का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 10/28/81-प्रशा०—I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महाराजिस्ट्रार के कार्यालय के सहायक महाराजिस्ट्रार (मानचित्र) और इस समय तदर्थ आधार पर उपमहाराजिस्ट्रार (यानचित्र) के पद पर कार्यरत ढा० बी० के० राय को उसी कार्यालय में तारीख 16 अप्रैल, 1983 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक पदोन्नति द्वारा अस्थाई रूप से नियमित आधार पर उपमहाराजिस्ट्रार (मानचित्र) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. डा० राय का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/5/82-प्रशा०—I—राष्ट्रपति, आंध्र प्रदेश हैदराबाद में जनगणना कार्य निवेशालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री बी० सत्यनारायण को उसी कार्यालय में तारीख 16 मार्च, 1983 के पूर्वाह्न से एक वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री सत्यनारायण का मुख्यालय हैदराबाद में होगा।

दिनांक 12 मई 1983

सं० 10/8/80-प्रशा०—I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महाराजिस्ट्रार के कार्यालय के वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) और इस समय तदर्थ आधार पर उपमहाराजिस्ट्रार (सामाजिक अध्ययन) के पद पर कार्यरत ढा० एन० जी० नाग को उसी कार्यालय में तारीख 14 अप्रैल, 1983 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक पदोन्नति द्वारा अस्थाई रूप से नियमित आधार पर उपमहाराजिस्ट्रार (सामाजिक अध्ययन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. डा० नाग का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/2/80-प्रशा०—I—इस कार्यालय की तारीख 28-12-1982 की समसंबंधीक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति विहार सिविल सेवा के अधिकारी श्री नागेश्वर प्रसाद को विहार, पटना में जनगणना कार्य निवेशालय में उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा तदर्थ आधार पर नियुक्ति की अवधि को तारीख 31-3-83 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री प्रसाद का मुख्यालय पटना में होगा।

सं० 10/20/81-प्रशा०—I—इस कार्यालय की तारीख 19-2-1982 की समसंबंधीक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड-II के अधिकारी और भारतीय सांख्यिकीय सेवा में ग्रेड-II में पदोन्नति के लिए अनुमोदित श्री के० एन० श्रीनिवासन् की, नई दिल्ली में भारत के महाराजिस्ट्रार के कार्यालय में, सहायक महाराजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु सांख्यिकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति को तारीख 6 अगस्त, 1983 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री श्रीनिवासन् का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

पी० पद्मनाभ  
भारत के महाराजिस्ट्रार

#### प्रतिभूति कागज कारखाना : होशंगाबाद (म० प्र०)

नई दिल्ली, दिनांक 1983

सं० पी० डी० 1475/28/1475—श्री आर० जी० कुल्हे, सहायक कार्य प्रबन्धक (मोल्ड कह्वर मेकिंग प्लाण्ट) के दिनांक 2-5-1983 से 11-6-1983 तक या 41 दिन के अंतिम अवकाश पर खेले जाने के कारण हुए रिक्त स्थान पर श्री जे० एम० चक्रवर्ती, फोरमेन (मोल्ड कह्वर मेकिंग प्लाण्ट) को वेतनमान रु० 840-40-1000-द० अ०-40-1200 में पूर्णतः तदर्थ आधार पर सहायक कार्य प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया जाता है।

कार्यालय : निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, 13 मई 1983

सं० : प्रशा० ।/का० आ० संख्या 57—इस कार्यालय के एक अस्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी श्री देवराज वार्धक्य आम्

प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 मई, 1983 अपराह्न को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत हो जाएंगे।

उनकी जन्म तिथि 19 मई 1925 है।

सं० प्रशासन-1/का० आ० संख्या 58—निदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली ने मूल नियमावली 30(1) के द्वितीय परन्तुक के अन्तर्गत इस कार्यालय के एक अस्थायी अनुभाग-अधिकारी श्री ओमप्रकाश की 840-40-1000-झक्तारोध-40-1200 रुपए के बेतन के समयमान में लेखा/परीक्षा अधिकारियों के ग्रेड में 31-1-1983 से अगले आदेश मिलने तक पदोन्नति की है।

प्र० त्रिपाठी  
संयुक्त निदेशक ल० प० (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय, महाराष्ट्र

कम्बई, दिनांक 5 मई 1983

सं० —प्रशासन-1/सामान्य/31-खण्ड-3/सी०-1(1)/  
3—महालेखाकार महाराष्ट्र-1, कम्बई अधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सन्मुख निर्दिष्ट किये गये दिनांक से आगामी आदेश तक स्थानापन रूप से लेखा/लेखा परीक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्रमांक	नाम	दिनांक
1.	श्री लौ० ही० देवधर	2-4-1983 (पूर्वाह्न)
2	श्री एन सुब्रमण्यन	29-4-1983 (पूर्वाह्न)
3.	श्री वाय० पी० पोनीकर	29-4-83 (पूर्वाह्न)
4.	श्री ही० आर० पोहुरकर	29-4-1983 (पूर्वाह्न)

मीड श्रीनिवासन  
वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय महालेखाकार-द्वितीय, पश्चिम बंगाल

स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग

कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1983

सं० एल० ए० /प्रशा०/232—एफ० आर० (31) 1 के नीचे “अगला निचला नियम” के अनुसार प्रोफार्मा प्रोन्नति प्रदान करने के पूर्व शर्त पूर्ण होने के कारण श्री पीयूष कान्तिधोष, स्थायी अनुभाग अधिकारी, जो कि इस कार्यालय के उक्त संवर्ग के प्रबरण कोटि में स्थानापन रूप से कार्यरत है और जो कि इस समय पश्चिम बंगाल सरकार के लेखा परीक्षा तथा लेखा सेवा (कनिष्ठ) के संवर्ग में दुग्ध विकास निवेशालय प० ब० में सहायक कैश तथा लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर है, उनको अगले आदेश तक, पश्चिम बंगाल के सभायक स्थानीय लेखा परीक्षा, के पद में, बेतनमान 840-40-1000-इ० रो०-40-1200/पर, प्रधने मूल कार्यालय में, उस दिनांक, जिस दिनांक से उनके ठीक कनिष्ठ श्री संजीव कुमार सिंहा इस कार्यालय में, कार्य-भार सम्बालते हैं, तदर्थे तथा अस्थायी तौर पर प्रोफार्मा प्रोन्नति प्रशत करने की स्वीकृति दी जाती है।

2. इसे स्पष्ट समझ लेना चाहिए कि ये प्रोन्नति जब तक कलकत्ता उच्च स्थायालय में एक भूकदमें में निर्णय निलंबित रहे तब तक पूर्णतया अस्थायी रूप से है और भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के खिलाफ दायर किये गये 1979 के सी० आर० केस संख्या 14818 (एन०) के अन्तिम फैसले के अधीन है।

3. यह तदर्थे प्रोन्नति, भारत के उच्चतमस्थायालय के 1973 के सिविल अपील संख्या 1584 से 1588 (एन०) तथा 1979 के सिविल अपील संख्या 2104-2105 (एन०) में अन्तिम आदेश के भी अधीन है।

एन० जी० चक्रवर्ती  
स्थानीय लेखा परीक्षा  
पश्चिम बंगाल

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली, 110068 दिनांक 9 मई 1983

सं० प्रशा०/1/1172/1/जिल्द II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री ज्ञान स्वरूप को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर II (र० 2250-125/2-2500) में स्थानापन रूप में कार्य वरने के लिए दिनांक 8 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2 श्री ज्ञान स्वरूप की, उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर II (र० 2250-125/2-2500) में स्थानापन रूप में, दिनांक 6 अगस्त, 1982 से 6 माह की अवधि के लिए या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं इन में जो भी पहले हो तक की गई तदर्थे नियुक्ति जो इस विभाग की अधिसूचना सं० प्रशा०/1/1172/1/1 (पी० सी०-11) दिनांक 1 सितम्बर, 1982 में अधिसूचित की गई है, दिनांक 7 दिसम्बर 1982 के अपराह्न से समाप्त हो गई है। तदर्थे नियुक्ति पर की गई सेवा, वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर -II में वरिष्ठता के उद्देश्य के लिए, और दिनांक 8 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से उक्त ग्रेड में उनकी नियमित नियुक्ति हेतु पावता और पुष्टि के लिए गिने जाने के लिए उन्हें कोई दावा नहीं प्रदान करेगी।

आर० क० माधुर  
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशा०)

कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा

रक्षा सेवाएं, एल०-II छ्लाक ब्रासे एवेन्यू,

नई दिल्ली 110001, दिनांक 10 मई 1983

सं० 618/ए-प्रशासन/130/82—संयुक्त निवेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं मध्य कमान, मेरठ के स्थाई लेखा-परीक्षा अधिकारी श्री आर० पी० बुआ का, जो वर्तमान समय में क्षेत्रीय लेखापरीक्षा कार्यालय (खाद्य) घण्डीगढ़ में प्रतिनियुक्त थे दिनांक 8-4-1983 को स्वर्गवास हो गया है।

भगवान शारण तायल  
संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा  
रक्षा सेवाएं मई दिल्ली

## रक्षा मंत्रालय

भीरतीय प्रबंधन सेवा

आडब्ल्यूएस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1983

सं० 16/जी०/83—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न संयुक्त महाप्रबन्धक के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	दिनांक
1.	श्री एस० विश्वनाथने, उप-महाप्रबन्धक	15 जनवरी, 83
2.	श्री जी० राजगोपाल	— 17 नवम्बर, 82
3.	श्री ए० के० जी० श्वे	— 31 दिसम्बर, 1982
4.	श्री पी० के० घोष घोषरी	— 17 नवम्बर, 82
5.	श्री बी० राजगोपालन्	— 17 नवम्बर, 82

सं० 17/जी०/83—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:—

1.	श्री एस० के० राय, वर्कसमैनेजर	— 15 जनवरी, 1983
2.	श्री एस० बी० भोरे	— 24 जनवरी, 1983
3.	श्री के०ए०म० गांगुली	— 15 जनवरी, 1983
4.	श्री बी० के० सिङ्हा	— 20 दिसम्बर, 1982
5.	श्री एम० एन० कॉल	— 20 दिसम्बर, 1982

सं० 18/जी०/83—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अफसरों को स्थानापन्न वर्कसमैनेजर/उप-निदेशक के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम	दिनांक
1.	श्री बी० पी० यजुरवेदी, सहायक वर्क्स मेनेजर	— 31 दिसम्बर, 1982
2.	" के० जी० कर्मचान्दानी "	— वही —
3.	" अनिल कुमार "	— वही —
4.	" रवीन्द्र कुमार "	— वही —
5.	" एम०, रोक्यू "	— वही —
6.	" बी० के० शर्मा "	— वही —
7.	" एस० के० नफरी "	— वही —
8.	" आर० पी० अग्रवाल,	— वही —
9.	" बी० एन० अरोरा,	— वही —
10.	" एस० एफ० मरियादोस,	— वही —
11.	" आर० एन० लिपाठी,	— वही —

बी० के० मेहता  
निदेशक

## वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक आयात एवं निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1983

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० 6/1139/76—प्रशासन 'राज'/2628—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता के श्री ए० सी० भट्टाचार्जी, नियंत्रक, आयात-निर्यात को 28 फरवरी, 1983 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

सं० 6/591/60—प्रशासन "राज"/2633—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री के० ए० जौर्ज को, जो संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात थे, 31 मार्च, 1983 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

दिनांक 10 मई 1983

सं० 6/1364/81—प्रशासन "राज"/2618—सेवा-निवृत्ति की आयु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, कलकत्ता के कार्यालय के श्री जी० सी० चक्रवर्ती, नियंत्रक, आयात-निर्यात को 31 मार्च, 1983 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी गई है।

सं० 6/1093/75—प्रशासन "राज"/2623,—सेवा-निवृत्ति की आयु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, कलकत्ता के कार्यालय के श्री एन० एन० घोष, सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को 31 मार्च, 1983 के दोपहर बाद सरकारी सेवा से निवृत्त होने अनुमति दी गई है।

बी० के० मेहता  
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात  
कृत मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

## पूर्ति तथा निपटान सहानिवेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1983

सं० प्र०-17011/120/77 प्र०-6—राष्ट्रपति ने, सहायक निरीक्षण निदेशक (धातु) (भारतीय निरीक्षण सेवा, युप "ए" धातु कर्म शाखा के ग्रेड-3) श्री बोलुसानी सुधीर को दिनांक 28 जनवरी, 1983 के अपराह्न से अगामी आदेश दिये जाने तक तदर्थे आधार पर स्थानापन्न रूप में उप निदेशक निरीक्षण (धातु) (भारतीय निरीक्षण सेवा, युप "ए" धातुकर्म शाखा ग्रेड-2) के पद पर नियुक्त किया है।

2. श्री बोलुसानी सुधीर की तदर्थे नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा और उनके द्वारा तदर्थे आधार पर की गई सेवा उस ग्रेड में वरीयता पदोन्नति की पात्रता तथा स्थायीकरण के लिए नहीं गिनी जायेगी।

3. श्री बोलसानी सुधीर ने सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) के पद का कार्य-भार छोड़ दिया है और विनांक 28 जनवरी, 1983 के अपराह्न से निरीक्षण निवेशालय, बर्नपुर के अधीन दुर्गा-पुर स्थित उप निदेशक निरीक्षण (धातु) के कार्यालय में उप-निदेशक निरीक्षण (धातु) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सोहन लाल कपूर  
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय  
(खान विभाग)  
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण  
कलकत्ता, 700016, दिनांक 9 मई 1983

सं० 3879 बी०/ए०-19012(3-एम० एस०)/83-19 बी०—डा० महावीर सिंह को सहायक रसायनश के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या न्यूनतम वेतनमान में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० जैसा मामला हो, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 31-3-1983 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 3896 बी०/ए०-32013 (ए० ओ०)/78-80/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री एस० एन० मट्टो को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 23-3-1983 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 3911 बी०/ए०-32013 (ए० ओ०)/78/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक, श्री जमील अहमद को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्र, हैदराबाद के प्रशासनिक अधिकारी श्री ए० वेवसिंगामनी की अवकाश-रिक्ति के स्थान पर 6-12-82 के पूर्वाह्न से पदोन्ति पर नियुक्त किया जा रहा है।

एस० के० मुखर्जी  
महानिदेशक

भारतीय खान व्यूरो  
नागपुर, दिनांक 12 मई 1983

सं० ए०-19011(52)/77-स्था० ए०—दिनांक 2-5-1983 (अपराह्न) को ऐच्छिक सेवा निवृत्ति लेने पर श्री जे० पार्थसारथी, स्थायी अधिकारी व्यूरो भूवैज्ञानी और स्थानापन्न

आत्मीय खनन भूवैज्ञानीकों एतव्यावारा 2-5-83 के अपराह्न से भारतीय खान व्यूरो में उनके कार्यभार से मुक्त किया गया है। और तदनुसार उनक नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

देवकी नन्दने भार्गब  
महानियंत्रक  
भारतीय खान व्यूरो

### भारतीय सर्वेक्षण विभाग

#### महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून,-248001, दिनांक 29 अप्रैल 1983

सं० सी०-5949/718-ए०—श्री एस० एस० वर्मा, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय, दिनांक 31-3-1983 (पूर्वाह्न) से स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा० सि० सेवा ग्रुप “बी” पद) के पद पर दक्षिण पूर्वी सर्किल कार्यालय, भुवनेश्वर में 840-40-1000-द० रो०-40-1200-रु० के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किए जाते हैं।

सं० सी०-5950/718-ए०—इस कार्यालय की दिनांक 4 मार्च, 1983 की अधिसूचना सं० सी०-5918/718-ए० के अन्तर्गत अधिसूचित श्री पी० के० भट्टाचार्जी, स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक, स० प्र० एवं० मा० उ० केन्द्र, हैदराबाद की स्थापना एवं लेखा अधिकारी, स० प्र० एवं० मा० उ० केन्द्र, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद के पद पर तदर्थ नियुक्ति को श्री ओ० एस० भट्टाचार्जी, स्थापना एवं लेखा अधिकारी के छुट्टी बढ़ाने के फलस्वरूप उनके स्थान पर दिनांक 3-3-83 से 5-3-83 तक आगे 3 दिन की अवधि के लिए बढ़ाया जाता है।

सं० सी०-5951/594—श्री कृष्ण चन्द्र, तकनीकी सहायक, मानचित्र पुनरस्त्पादन (सिलेक्शन ग्रेड) को दिनांक 7-3-83 (पूर्वाह्न) से सहायक प्रबन्धक, मानचित्र पुनरस्त्पादन (सा० सि० सेवा ग्रुप “बी” पद) के पद पर भारतीय सर्वेक्षण विभाग में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है और उनकी तैनाती सं० 103 (फो० ज० का०) मुद्रण वर्ग (मा० प्र०), भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून में की जाती है।

जी० सी० अग्रवाल  
मेजर जनरल  
भारत के महासर्वेक्षक

### आकाशवाणी महानिदेशालय

नई बिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1983

शुद्धि-पत्र

सं० 3/1/83-एस०-3—इस निदेशालय की समसंस्थक अधिसूचना दिनांक 21-2-1983 के ओशिक संशोधन में क्रम

संख्या 35 पर श्री टी० एफ० पाविनेज सहायक इंजीनियर के सामने लिखी तारीख को 17-1-1983 के स्थान पर 31-1-1983 पढ़ा जाए।

पी बी० किशोर  
अनुभाग अधिकारी  
हृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1983

सं० 6/92/63—एस एक—श्री बी० के० बैंस, कार्यक्रम निष्पादक, रेडियो कल्मीर, जम्मू ने 1 सितम्बर, 1982 से सरकारी सेवा से त्यागपत्र दे दिया है।

सं० 5/42/69—एस० एक—महानिदेशक आकाशवाणी एतद्वारा श्री पी० एन० श्रीवास्तव, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी पट्टना को 21 मार्च, 1983 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०रो० 40-1200 रुपए के वेतनमान में आकाशवाणी पट्टना में अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(44)/69—एस एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा कुमारी एस० डी० मीरचन्दानी, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी बम्बई को 21 मार्च, 1983 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में आकाशवाणी बम्बई में अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4/75/80—एस०-1—श्रीमती एस० ऊषा, कार्यक्रम निष्पादक, विज्ञापन प्रासारण सेवा, आकाशवाणी, बंगलौर ने 29 मार्च, 1983 की अपराह्न से सरकारी सेवा से त्यागपत्र दे दिया है।

सं० 4(96)/82—एस०—एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री पी० पार्तिवान को 16 मार्च, 1983 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-800-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में आकाशवाणी, कोयम्बटूर में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 मई 1983

सं० 5(22)/75-एस० एक—महानिदेशक आकाशवाणी एतद्वारा श्री एस०सी० नायक को 18 अप्रैल, 1983 से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810-द०रो० 35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में आकाशवाणी तेजू में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(72)/82-एस०एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा गोकुल गोस्वामी को 26 मार्च, 1983 से अगले आदेश तक, 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में

आकाशवाणी, सूरतगढ़ में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1983

सं० ए० 19018/6/82- के०स०स्था०यो०- 1—  
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० बोध चन्द्र शर्मा को 15 अप्रैल, 1983 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर में होम्योपैथिक फिजीशियन के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

टी० एस० राम

उप निदेशक प्रशासन (के०स०स्था०यो०-1)

### ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग

बम्बई-5, 6 मई 1983

सं० विपअप्र/3(236)/83-स्थापना-16292 विद्युत परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग, बम्बई के निदेशक इस प्रभाग के निम्नलिखित कर्मचारियों को फरवरी 1, 1983 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए उसी प्रभाग में अस्थाई रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता-ग्रेड “एसबी” नियुक्त करते हैं:

कम. संख्या. नाम. वर्तमान ग्रेड

1. श्री वाय०एस० शिवे नक्षानवीस “सी”  
(स्थायी नक्षानवीस “बी”)

2. श्री बी० जे० सिरीयक वैज्ञानिक सहायक “सी”  
(स्थायी वैज्ञानिक सहायक “बी’रु”)

3. श्री बी०एस० बालकृष्णन वैज्ञानिक सहायक “सी”  
(स्थायीवत वैज्ञानिक सहायक “बी”)  
पी०जी० मैनन

सामान्य प्रशासन अधिकारी

### क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई 400001, दिनांक 10 मई 1983

सं० : डी पी एस॒/१(४)/८२-प्रशा०/१६१३९ —  
परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने भासा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, बम्बई के स्थायी वरिष्ठ आशुलिपिक श्री वर्गिस जोसेफ को रुपए 650-30-74-35-880-द०रो० 40-960 के वेतनमान में अस्थाई आधार पर इस निदेशालय भूमि 21 अप्रैल, 1983 (पूर्वाह्न) से अग्रिम आदेश होने तक स्थानापन रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किया है।

दिनांक 11 मई 1983

सं० डी पी एस॒/४१/२/८३-प्रशा०/१६१९१ —परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने

सहायक भंडार अधिकारी श्री आर०एम० मोडकर की छुट्टी मंजूर किये जाने पर स्थायी भंडारी श्री० बी०एस० सुवें को रुपये 650-30-740-35-810-द०रो० 35-880-40-1000-द०रो० 40-1200 के वेतनमान में ता० 21-3-1983 (पूर्वाह्न) 22-4-1983 (अपराह्न) तक के लिये तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

दिनांक 12 मई 1983

सं० : डी पी एस/41/3/83-प्रशा०/16314 :—परमाणु कर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने सहायक लेखा अधिकारी श्री एल० उम्मीबुज्जन की 'छुट्टी मंजूर किए जाने पर स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री दर्शन सिंह को रुपए 650-30-740-35-880-द०रो० 40-960 के वेतनमान में तारीख 14-3-1983 (पूर्वाह्न) से 22-4-1983 (अपराह्न) तक के लिए तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

पी० गोपालन  
प्रशासनिक अधिकारी

बम्बई-400001, दिनांक, 10 मई 1983

सं० डी पी एस/23/1/81-स्था०/16104 :—इस निदेशालय की ता० 13 जनवरी, 1983 की समसंबंधक अधिसूचना में दिए गए आदेश के अनुसार स्थानापन्न लेखापाल श्री जगन्नाथ गोपाल साठे की सहायक लेखा अधिकारी की तदर्थ नियुक्ति 3 मार्च, 1983 (अपराह्न से) रोक दी गई है।

हृते प्रशासनिक अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद : 500-762, दिनांक 5 मई 1983

सं१ ना इ१ स/का प्रभ/1704/1247 —नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक जी सहायक लेखाकार श्री मोहम्मद इस्माइल को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में स्थानापन्न सहायक कार्यकारी अधिकारी के पद पर दिनांक 30-4-1983 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों पर्यन्त नियुक्त करते हैं।

जी०जी० कुलकर्णी  
हृते प्रबंधक, कार्यकारी प्रशासन

महानिदेशक नागर विभाग का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1983

सं०ए० 32013/3/79-ई० I :—इस कार्यालय की दिनांक 7-7-1982 की अधिसूचना सं०ए० 32013/3/79-ई० I तथा दिनांक 22-10-82 की अधिसूचना सं०ए० 32013/6/

82-ई० I के क्रम में, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति उनके नामों के सामने यी गई अवधि के लिए जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है :—

क्रम सं०	नाम	से	को
1.	श्री एफ०सी०शर्मा	1-11-82	30-4-83
2.	श्री बी०के० जौशी	29-1-83	30-4-83

ठाकुर दत्त  
महानिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1983

सं० ए० 12025/2/79-ई०स—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों पर, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित उम्मीदवारों को नागर विभाग में दिनांक 24-3-1983 सं० रुपए 1100-1600 के वेतनमान में अस्थायी आधार पर वरिष्ठ विभाग निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया है। ये नियुक्तियां न्यायालय के निर्णय के अधीन होंगी।

1. श्री रामचरण गुप्ता
2. श्री सुक्रो मंजूमदार
3. श्री हरिहर प्रसाद
4. श्री एन० रमेश

जै० सी० गर्ग  
सहायक निदेशक प्रशासन

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1983

सं० 33/1/82-ई०सी०-९—राष्ट्रपति सहर्ष संघ लोक सेवा आयोग की नामित श्री योगेश विहारी लाल को उप-वास्तुक के अस्थाई पद पर (सामान्य सिविल सेवा श्रृंप “क”) (के० लो० नि० विभाग में रुपये 700/- प्रतिमाह वेतन पर संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर रुपये 700-40-900-द० रो० -40-1100-50-1300/- के वेतनमान में (अतिरिक्त भर्तों सहित) सामान्य नियम एवं शर्तों पर 26-3-83 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

2. श्री विहारी लाल का वेतन नियमानुसार निर्धारित किया जायेगा।
3. श्री विहारी लाल को नियुक्ति की तिथि में 2 वर्ष की अवधि के लिए परीबीक्षा पर रखा जाता है।

ए० के० नारंग प्रशासन उप-निदेशक

विधि, स्थाय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश

कम्पनी अधिनियम 1956 वोलाटाइल आइसस प्राइवेट  
लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 7 मई 1983

सं० 1435/टी०ए० III 560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण के एतद्वारा सूचना दी जाती है कि वोलाटाइल आइसस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश  
कम्पनी अधिनियम 1956-विजयकृष्णा मेविंग्स एण्ड  
फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद दिनांक 10 मई 1983

सं० 2214/टी०ए०/560।—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर विजयकृष्णा सेविंग्स एण्ड फाइनांस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश  
कम्पनी अधिनियम 1956 दी उक्कन फिल्मस  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 13 मई 1983

सं० 712/टी०ए० III/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) में अनुसरण के एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दी उक्कन फिल्मस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

बी०ए०स० राजू  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सूचीस काटेज प्राइवेट  
लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 9 मई 1983

सं० 2277/560/83-84—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में

एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक के तीन मास के अवसान पर सूचीस काटेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सूचीस एन्टरप्राइजेज  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, 9 मई 1983

सं० 2612/560/83—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर सूचीस एन्टरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बन्दू यक्सपठस्त  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, 9 मई 1983।

सं० 2756/560/83—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर बन्दू यक्सपठस्त प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आन्ठी सरजी प्रोसेस  
अन्ठ नामपत्र प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 9 मई 1983।

सं० 2786/560/83—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर आन्ठी सरजी प्रोसेस अन्ठ लामपस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लोकमान ऊप्र  
आन्ठ अलैंड हन्डसठरोस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर दिनांक 9 मई 1983

सं० 3264/560/83—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वा-

द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर लोकमान ऊद अठ अलैद, हस्क्सठरीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और यसेमवीरेलर मानू पाकसरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, विनांक मई 1983

सं० 3348/560/83-84.—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर यसेमवीरेलर मानू पाकसरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

बी० एन० जगन्नाथ  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

“कम्पनी अधिनियम 1956 और रत्न चिट फन्ड एन्ड फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 10 मई 1983

सं० जी० स्टेट /560/2635/691.—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में “एतद्वाग यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रत्न चिट फन्ड एन्ड फाईनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और इनशोरेन्स प्रेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 10 मई 1983

सं० जी० स्टेट /560/1144/959।—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में “एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इनशोरेन्स प्रेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

बी० एम० जैन

कम्पनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं कण्णीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कानू इलैक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 12 मई 1983

(सं० 33041 लिक्वि/560(5)/46-06/83  
1—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एक द्वारा सूचना दी जाती है कि कानू इलैक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जोहर केमिकल एन्ड जनरल गुड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, विनांक 12 मई 1983

(सं० 2460/लिक्वि/560(5)/83।—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एक द्वारा सूचना दी जाती है कि जोहर केमिकल एन्ड जनरल गुड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और चोटुपारा प्रोपरटीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन विनांक 12 मई 1983

(सं० 1777/लिक्वि/56065)/83—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एक द्वारा सूचना दी जाती है कि चोटुपारा प्रोपरटीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सीपाती इलैक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 12 मई 1983

सं० 2358/लिक्वि/560(5)/83—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एक द्वारा सूचना दी जाती है कि सीपाती इलैक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और महाराजा द्रावलस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 12 मई 1983

(सं० 2596/लिक्षि/560(5)/83।— फरवरी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एकट द्वारा सूचना दी जाती है कि महाराजा द्रावलस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और के अनाजाराया पाई एन्ड कम्पनी लिमिटेड के विषय में

कोचीन दिनांक 12 मई 1982

(सं० 571/लिक्षि/560(5)/4603।/ 83—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एकट द्वारा सूचना दी जाती है कि केंद्र अनाजाराया पाई एन्ड कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

केंद्र पञ्चाकेशन  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
केरल-96

प्रमुख प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१ एस-आर ३/९-८२/  
९४२, यतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि त्यावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या कुपि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर,  
तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर,  
1982,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-  
मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तथा पाया  
बद्ध प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाइ किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी कहने या उससे बहुत भी सुविधा के लिए;  
मर्द/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कहा  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-  
मार्ग अन्तरिती इवाह प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के  
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

१. श्री नविन सुपुत्र श्री जीवन, निर्मल सुपुत्र श्री जीवन, सोहन  
लाल सुपुत्र श्री तोता, काले सुपुत्र श्री तोता; निवासी-ग्राम-  
नाथपुरा, जिला, गढ़गाँव, इरियाणा द्वारा अटार्नी बिधी घन्द  
सुपुत्र श्री उत्तम घन्द निवासी-६ ए, शिवपुरी एक्सटेंशन,  
गांधी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

२. अभीनव होलिंग प्रा० लि०, ३-ए, बन्दना, टालस्टाय मार्ग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को पृ० एकना जारी होने पूर्वीत समति के लिए  
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
ब्द में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णका  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वाहाहस्ताशरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि तादादी ७ बीघे खसरा नं० २४० मिन (०-१७),  
२४१ (६-३), स्थापित-ग्रामभाग-नगर, तहसील—महरौली,  
नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख : ५ मई, १९८३  
मोहर

प्रस्तुत प्राई ० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

आयकर संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 5 | मई 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/१/एस० आर०-३/९-८२/९९०,—यतः, मझे, नरेन्द्र सिंह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्न प्रविनियम' कहा गया है), को आरा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयात् करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या एस-264 है तथा जो प्रेटर कलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर दबने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अधिकतः ५—

1. मै० एल० पी० इनवेस्टमेंट्स लि० द्वारा 54 महात्मा गांधी रोड, लाजपत, नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्रीमती उमा चड्डा, निवासी—वी-१०-ए, प्रेटर कलाश-१ नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**इष्टदाता:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

एस-264, प्रेटर कलाश-2, नई दिल्ली वर्ग गज तालाबी 299, (यानि 240, वर्ग भी०)

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख : ५-५-८३

मोहर

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, वित्तांक 5 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर-3/9-82/  
907—यतः; मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एस० 456, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख सितम्बर 1982,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का  
पन्हाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए क्या पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हीं किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सूचित  
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सूचित के लिए;

1. श्री सुरेन्द्र पाल मकड़ी और श्रीमती केवल मकड़ी,  
निवासी—एस०-456, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

2. श्री रूप लाल मकड़ी और श्रीमती किरण मकड़ी,  
निवासी—एस०-80, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
काम्पाइयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरकी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों पर एवं का; जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचयित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मन्त्रसूची

ग्राउन्ड फ्लोर, दो मंजिला मकान नं० एस०-456, ग्रेटर  
कैलाश-1, नई दिल्ली, तांदादी 208 वर्ग गज।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 5-5-83

मोहर :

प्रसूप बाहुदी.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की)  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 5 मई 1983

॥ निवेश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/१/एस०आर० ३/९-८२/

४४४— अतःमुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1281 है तथा जो नाईवाला करोल बाग, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि दस्यमान प्रतिफल का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दबेने के अन्तरक के  
व्याप्तियों में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगान्वित अन्तरिती ब्वाया प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

१. श्री कान्ती प्रसाद सुपुत्र श्री खुशी राम, निवासी डी-१०९ ईस्ट  
आफ कैलाश, नई दिल्ली, जनरल अटार्नी और सही ब्रदर श्री  
कैलाश चन्द और श्री लाजपत राय, श्री दविन्द्र कुमार सुपुत्र  
श्री खुशी राम, निवासी सी-डी-१०९, ईस्ट आफ कैलाश,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

२. श्री गुरुचरन दास, श्री सुशील प्रकाश, श्री परमा नन्द सुपुत्रगण  
श्री राम किशन, निवासी-२८/१५२४, नाईवाला करोल बाग,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 1281, खसरा नं० 1185/995,  
तादादी 111 वर्गगज, नाईवाला करोल बाग, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, नई दिल्ली

तारीख : ५ मई, 1983

मोहर :

प्रलूप आई. टी. एन. एस. -----  
आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निवेश सं० आई०ए०सी०/एफ्य०१/एस०आर०-३/९-८२/

1009—यतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

[और जिसकी सं० 5/1, ब्लाक 'बी' है तथा जो ओखला इन्डस्ट्रीयल  
एरिया, फेस-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची  
में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन सिस्तवर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की वावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
द्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

1. श्रीमती रमना कुपलानी पत्नी श्री एम० पी० कुपलानी,  
निवासी ई-11, आनन्द निकेतन एक्सटेंशन, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. मै०रिटोरिका इन्टरनेशनल प्र००लि०५/१, ब्लाक 'बी' ओखला  
इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली फेस-॥।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबूध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते।

**स्वष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्र००लि०५/१, ब्लाक 'बी' ओखला इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस-२,  
नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख 5 मई, 1983

मान्द्र :

प्रधान आई० टी० एन० पृष्ठ—

(1) रामजी दास सुपुत्र श्री सांजी राम  
और श्रीमती पार्वती देवी पत्नी  
श्री रामजी दास, निवासी बी-7/67,  
सफदरजंग एक्स्क्लूज़िव, नई दिल्ली

(अन्तरक)

श्रा। ५५ अधिनियम १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा  
२६९-व (१) के प्रधान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१ नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक ५ मई १९८३

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु/१/पृष्ठ० आर० ५/९-८२/  
९९३—यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त धारा नियम' कहा गया है), भी धारा  
२६९-व के अधीन मध्यम अधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य २५,०००/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए० ५/१४ है तथा जो मालवाय नगर, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन  
सितम्बर १९८२

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि व्यापूर्वीन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
जूसके दृश्यमान प्रतिष्ठान से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तथा  
वाया वाया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करदाने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उभयने बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों  
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)  
में प्रयोजनावधि अधिनियम वाला अनुसंधान नहीं किया गया  
या या किसी जाता चाहिए था, छिपाने परे  
सुविधा के लिए;

(2) श्री अशोक कुमार और श्री मदन नाल सुपुत्र श्री  
खैराती नाल चड़ा  
एच-५/१४, मालवीय नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्य-  
वाहियों शुरू करता हूँ।

उन समानि के अर्जन के मध्यम से कोई भी वार्षिक :—

(क) इस तूना के राजावाले प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या उसमें अधिक अवधि  
में वृद्धि तो साथी ५ ये ३० दिन की अवधि; जो भी  
अवधि यात्रा में समाप्त होती है, तो भीतर पूर्वोक्त  
वर्जनाओं में से छोटी अवधि होती है;

(ख) इस तूना के राजावाले में प्रकाशन की तारीख से  
१५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
मद्द किसी शम्भु अधिकारी द्वारा, अबोहरताकारी ५  
पाल लिखित में किए जा सकें।

संहारी नाम :—इसमें प्राप्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभ्राषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

प्रो नं० एच-५/१४ मालवीय नगर, नई दिल्ली तदादी  
१०० वर्गगज

नरेन्द्र सिंह  
संस्थान प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-१ दिल्ली-११०००२

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-व के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा २६९-व की उपलब्धारा (१)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, वर्षा० ८—

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० जी० आर० ३/  
 ९-८२/८९३—यतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1 जी/223 है तथा जो लाजपत नगर, नई  
 दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादव अनुमूली में और पूर्ण  
 रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली  
 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
 के अधीन सारीख सितम्बर 1982

गो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि अपर्बोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
 वास्तविक रूप से कानूनी किया गया है:—

(क) अंतरण से हूँ अक्षय की बाधा, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व  
 में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
 और/या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
 सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वधात है—

(1) श्रीमती शान्ती रानी पत्नी श्री कुशन लाल,  
 निवासी ए-५/११०-ए, पश्चिम विहार,  
 डी० डी० ए० कालोनी, नई दिल्ली  
 (अंतरक)

(2) श्री राकेश कुमार बुधीराजा सुपुत्र श्री धरम बीर  
 बुधीराजा, निवासी १-बी/२२३ लाजपत नगर,  
 नई दिल्ली  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परु  
 सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी  
 अवधिकारी द्वारा में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षमारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उपर उपर अन्तरित में हित-  
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के  
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
 वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

गवर्नरमेंट द्वारा बनाया हुआ प्रो० नं० 1-बी/२२३, लाजपत  
 नगर, नई दिल्ली तादादी 100 वर्गज

नरेन्द्र सिंह  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

तारीख : ५-५-८३  
 मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/१/एस० आर०-३/  
९-८२/८९५—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस 71 है तथा जो कालका जी, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूची में पूर्ण के रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
सितम्बर 1982

जो पूर्वोक्त नंगला के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल की लिए अन्तर्भूत की गई है और भूके यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५:—

(1) श्री राज बहादुर माथूर  
और श्रीमती सुनदरा देवी  
निवासी 254-बी, एम० आई० जी० फ्लैट राजोरी,  
गाँड़न, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री भगवान दास सुपुत्र श्री राम प्रकाश  
निवासी 783/गरु नानक स्ट्रीट, गांधी नगर दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आकेपें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिखित व्यक्ति के पास  
लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० एल-७१, कालकाजी, नई दिल्ली तात्त्वादी  
266 वर्गगज

नरेन्द्र सिंह  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-5-83

माहर ५

प्रलेप आहू. टी. एन., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयोग (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई, 1983

निर्देश सं. ० आई०ग००सी०/एक्य०/१/एस०आर०-३/९-८२/ .

९४०—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर, तहसील  
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूली में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय, नई  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
१६) के अधीन दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
प्रास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपा भी  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. श्री भजन लाल सुपुत्र श्रीकाले, जय राम, रामु सुपुत्रगण  
श्री केरा, बलवन्ता और होसीयार सुपुत्रगण श्रीबंसी, निवासी  
ग्राम नाथुपुर, जिला गुडगांव, हरियाणा द्वारा अटर्नी श्री  
विधी चन्द सुपुत्र श्री उत्तम चन्द निवासा ६-ए०, शिवपुरी,  
एक्स० गांधी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

२. मैं० अभिमान होड़ींग प्रा० लि० ३-ए, वन्धना, टालस्टाय  
मार्ग नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी ७ बीचे और १९ विश्वेन्खसरा नं० २४९  
मिन (१-२) २४६/१ मिन (१-१९), २४५/१ मिन  
(०-१८), २४८/१ (४-०), ग्राम आया नगर, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

तारीख : ५-५-१९८३

मोहुर

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई, 1983

निर्देश सं. आई.ओ.सी.०/एक्यू.०/एस.आर.०-३/९-८२/  
९४।—अतः मुझ नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मंद्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर, तहसील  
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के द्वारा  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के दीव एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ए) सूचना से हृदृ किसी आय की वापर उक्त अधि-  
नियम के अधीन कह देने के अन्तरक के दावित्य में  
कभी करने या उससे उपने में सुविधा के लिए;  
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिस्ते भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, वर्षात् १९८३-

1. श्री सतीश चन्द जन, सुपुत्र श्री ख्रेम चन्द जन, निवासी- 1259,  
गली गुलियां, धरमपुरा, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. अभिमान होलिंडग प्रा० लि०, ३-ए, वन्धना, टालरटायमर्गे,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्योक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लाप्रेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी लाइसेंस पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि तादादी 5 बीघे, खसरा नं. 248/2  
(0-16), 247(4-16)' स्पापित-ग्राम आया नगर, तहसील  
महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक 5 मई, 1983

मोहर :

प्रूलप आई. टी. एन. एस.

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली; दिनांक 5 मई, 1983

सं० अ.०० ए० सी० /एक्यू०/ 1/एस-आर-3/98-2  
948, अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी गंधा कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-खानपुर  
तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपावड़ अन्तर्गती में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
सितम्बर 82,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास  
करने का कारण है कि व्यापारीकूल सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह ग्रामियता से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ)  
(अन्तरिताँ) के बीच ऐसी अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से, उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बर्थने में सुविधा  
ने लिया गई था।

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या बन्य आस्तीयों  
को, जिन्हे भारतीय आधिकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री हरबंस लाल आहुजा सुपुत्र श्री सत्त राम,  
निवासी— 7926 आरा काशन रोड, पहाड़ गंज,  
नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री मती सरला श्रीधरन पत्नी पी० श्रीधरन,  
निवासी पी० 45 ईस्ट ओफ कैलाण, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में क्यों भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्से कृषि भूमि तादादी 5 बिवे और 19 बिवे  
खसरा नं० 234 (4-16), 258 मिन (1-2), ग्राम  
खानपुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

महा. बब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ५—

तारीख ५-५-८३

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

1. श्री हरबंस लाल आहुजा सुपुत्र श्री सन्त राम,  
(अन्तरक)

2. श्री पी० श्रीवरन् सुपुत्र श्री पी० शंकरन, निवासी  
पी-45, इस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली  
(अन्तरीक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 5 मई 1983

आई० ए० सी०/एक्य०० /१/ग्र-आर-३/९/८२-

947,—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम ग्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खानपुर  
तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसे  
उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
सितम्बर 82,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आन्तरितों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की लप्धारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पारा  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभ्र  
भाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्से कृषि भूमि तादादी 5 बीघे और 19 बिश्वे  
खसरा, नं० 234 (4-16), 259 मिन (1-3), ग्राम  
खानपुर, तहसील — महरौली नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 5-5-1983

मोहर :

प्रस्तुप जाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) दो तात्परत सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 5 मई, 1983

निर्देश सं. आई०ए०एस०/एक्य००/१/एस०आर०-३/९-८२/  
८६८—श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी संज्ञा कृषि भूमि है तथा जो ग्राम छतरपुर, तहसील  
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अंधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-  
रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाणा  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हूई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
मूर्चिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्रदीप कुमार जैन संजय जैन सुपुत्रगण श्री मांहिन्दर कुमार  
जैन, मगन माला जैन पत्नी श्री मुभाष चन्द जैन, ममलेश जैन  
पत्नी श्री रिशी कुमार जैन, मधु जैन पत्नी श्री पवन कुमार जैन,  
सभी निवासी सी-1, श्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती देव इंद्र सिंह पत्नी आई० पी० सिंह और डा०  
(श्रीमती) विनोद कौशल पत्नी डा० एम० पी० कौशल  
निवासी डी-48 हौज, खाननई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाधेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिखित के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 8 बीघे और 19 बिश्वे-खसरा नं.  
1277/2 (4-3), 1290 (4-16), के साथ फार्म हाउस,  
ठथूब बेल, तथा अन्य लगे हुए समान, ग्राम छतरपुर, तहसील-महरौली  
नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
मक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 5-5-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोड-1, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 5 मई, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/९-८२/

९५१—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम छतरपुर, महरीली;  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का  
पौर्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है कि वो आय की आवश्यकता, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

1. श्रीमती सरोज भूषण पट्टी श्री हरी भूषण,  
निवासी सी-११/६७ मोती बाग-१, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री त्रिलोकी नाथ खन्ना सुपुत्र स्व० श्री गोकल चन्द,  
२१-ए, औरंगजेब रोड, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**प्रारूपिकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
वरा है।

मनूसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे और 16 बिघे, खसरा नं० 1368/  
1(0-5), 1368/2/1(2-0), 1368/2/2(2-11), के  
साथ कार्म हाउस, दृश्यूद्वेष, तथा अन्य समान लगा हुआ ग्राम-छतर-  
पुर, तहसील महरीली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोड, नई दिल्ली

तारीख : ५-५-१९८३

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, भारत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुति, बाईं, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सुउकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश संख्या आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३  
9-८२/१९८— अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी संख्या एस-468, है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली  
में स्थित है और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
विनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दब्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दब्यमान प्रतिफल से, एसे दब्यमान प्रतिफल का पन्नह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य जारीस्थियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

1. श्री पीलेश्वर नाथ जोस, निवासी 73/35, एस० एन० राय  
रोड, कलकत्ता-38।  
(अन्तरक)
2. श्री चामोग टी. क० लि०,  
12, गवर्नरमेंट प्लेस ईस्ट, कलकत्ता-700069।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदत्त सभी और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एस-468, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख: 5 मई, 1983

मोहर:

प्रस्तु. आई. टी. एन. एस. -----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, नई दिल्ली  
 नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/१/एस०आर०-३/९-८२/  
 ८९—अतःमृ०, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग  
 के अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिवक्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-436, है तथा जो प्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली  
 में स्थित है और इससे उपादव अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है  
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
 सितम्बर, 1982  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिभाव प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है और यह विश्वास करने का  
 कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
 दृष्टिभाव प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिभाव प्रतिफल का दोगुना प्रतिशत से  
 अधिक है और प्रत्यक्ष (भास्तरकों) और प्रत्यक्षित (अन्तरितयों)  
 के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिये तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
 उद्देश्य से उक्त गण्डरण विवित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं  
 किया गया है:—

(क) अन्तरित से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
 कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;  
 घोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को  
 जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्दकर  
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभाव  
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
 में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपाधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित अवितयों, अन्तरित :—

1. श्रीमती प्रीतम कौर विधवा बाबा जोगेन्द्र तिह भला  
 निवासी, एल-11/196-बी, एल० आई० जी एस्टेट्स  
 कालकाजी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल साहगल सुपुत्र श्री जगन नाथ साहगल,  
 निवासी ई-436, प्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।  
 (अन्तरिती)

सो यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तक्सद्वाली अवितयों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 अवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रौद्योगिक अधिकारी के पास  
 लिखित में किए आ सकें।

इन्ही बाबत :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही  
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

प्रो० नं० ई-436 प्रेटर कैलाश, नई दिल्ली-48, एक मंजिला मकान  
 तादादी 250 वर्ग गज के लगभग।

नरेन्द्र सिंह  
 सकान प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख : 5 मई 1983

मोहर :

प्रकृष्ट... आई... टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सुरक्षा

क्रांतिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई, 1983

निर्देश संख्या आईए०सी०/एक्य०/१/एस०आर०-३/९-८२/  
८७८—अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और कृजसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर, तहसील  
महरौली, नट्ट दिल्ली में स्थित है (और इससे उपांकुद अनुसूची में  
और पूरा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या य  
नट्ट दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन द्विनांक सितम्बरकृष्ण 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस अन्तरण लिखित में  
प्राप्तविक रूप से कीथूं नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या बन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री खुबचंद्र सुपुत्र श्री उत्तम चन्द्र, निवासी 6-ए, शिवपुरी  
एक्स० गांधी नगर दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्री सतीश अच्छ जैन सुपुत्र श्री खेम चन्द्र जैन, निवासी 1259  
गली गुलियां, धरम पुरा, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अपेहस्ताकारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्याय 20-के दर्शानीद्वारा  
है, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया  
गया है।

कृषि भूमि तादादी 6 वीथे और 16 विश्वे, खसरा नं० 251  
(4-11), 250 मिन (2, 5), ग्राम आया नगर, तहसील-  
महरौली नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख 5 मई, 1983  
मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

महाप्रधान, डी. एन. पटे।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

**कार्यालय, सहायक आयकर बायोक्स (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्य०/१/एस० आर०-३/९/८२  
-८७७ यतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर, तहसील  
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूली में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई  
दिल्ली में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरीतायों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तथा पाया गया प्रति-  
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित वै वास्त-  
विक रूप से कठिन नहीं किया जाता है।--

(अ) उक्तरण के द्वारा की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने वा उक्त स्थाने में हासिल के लिए;

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविध के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक्तः—

1. श्री शूब चन्द्र सुपुत्र श्री उत्तम चन्द्र, निवासी—६-ए, शिवपुरी,  
एक्सटेंशन, गांधी नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मुक्ता नन्दनी जैन पत्नी श्री अशोक कुमार जैन, निवासी  
सी-६/५३, सफदरजंग छेवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांह भी आवेदन है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के मध्याद 20-क में परिभाषित  
हैं, वही बर्थ द्वारा जा उस मध्याद में विद्या  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बिघे और 4 बिस्बे, खसरा नं० 250 मिन,  
और 1/2 हिस्से कृषि भूमि तादादी 7 बिघे और 5 बिस्बे, खसरा नं०  
226/2 (2-9), 228 (4-16), ग्राम आया नगर, तहसील  
महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई विल्ली-110002

तारीख 5-5-83

मोहर :

प्रस्तुत वाहौं टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निवेश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/I/एस०आर०-3/9-82/  
880—गतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर, तहसील  
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावद्व अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके रख्यमान प्रतिफल से, ऐसे रख्यमान प्रतिफल के  
पूर्व ह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरीरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की वायत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री खूब चन्द मुपुक्त श्री उसम चन्द, निवासी—6-ए, शिवपुरी  
एक्सटेंशन, गांधी नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. अभिमान होलिङ प्रा० लि०, 3-ए-बन्धना, टालस्टाय, मार्ग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में जन्य किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

मनूसूची

कृषि भूमि तादादी 3 विधि और 8 विस्त्रे, खसरा नं० 245/2,  
ग्राम आया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख 5-5-83  
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/१/एस०आर०-३/९-८२/  
१०१०,—यतः, मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने था  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पी-14, है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में स्थित  
है (और इससे उपावस्थ अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे इष्यमान प्रतिफल के  
पन्नहृ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविस्तरों, अधिस्त :—

1. श्रीमती आशा रानी पल्ली श्री बनारसी लाल, निवासी मी-80,  
पंचशील इनकलेब, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2 श्री जीवन प्रकाश मल्होत्रा सुपुत्र श्री बी० एम० मल्होत्रा,  
निवासी—एम०-5, ग्रीन पार्क, एक्सटेनशन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अविस्तरों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितचय्य  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

### अनुसूची

फ्लेट नं० 2, पार्ट औफ प्रो० नं० पी-14, सादावी 1/6 भाग  
311 वर्ग गज, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक 5-5-83

मोहर :

प्रस्तुप आडॉ.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार****कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०एक्य०/I/एस०आर०-3/9-82/  
1011—यतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे**  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा  
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी वो यह विश्वास करने का  
फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3, प्रो० नं० पी-14 है, तथा जो ग्रीन पार्क, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावर अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक्त) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तग पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; जैर/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1),  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती आशा रानी पत्नी श्री बनारसी लाल, निवासी--  
सी-80, पंचशील इनकलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुनीता मनहौता पत्नी श्री मुशील मनहौता, निवासी  
जी-212, नरायण विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आज्ञापः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि भाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 3, प्रो० नं० पी-14, नदावादी 1/6 हिस्से 311 वर्ग  
गज, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख 5-5-83  
मोहर :

प्रसूप आहू. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/१/एस०आर०-३/१०-८२/

१११४, अंतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 816 से 822 है तथा जो खजूर रोड, 'एफ' ब्लाक,  
जोशी रोड, करोल बाग में स्थित है (और इससे उपांचदा अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, एसे छयमान प्रतिफल का  
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीभूत नहीं किया गया है :—

१. श्री राजन कुमार सूरी सुपुत्र श्री जगत राम सूरी, निवासी—  
८१६ से ८२२, जोशी रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

२. मै० रहमान एण्ड क०, ९९६८ होहिल्ला, दिल्ली-७, द्वारा  
डाइरेक्टर श्री अनिश्च रहमान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे;

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के बधाय २०-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस बधाय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दर्ते के अन्तरक वै  
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सहित  
के लिए; और/या

मनूसूची

१/२ हिस्से प्रो० नं० ८१६ से ८२२ स्थापित—खजूर रोड,  
'एफ' ब्लाक, जोशी रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(ल) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहित के लिए;

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5—96GI/83

तारीख: १०-५-८३

मोहर

प्रकल्प प्राई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नियोग)  
 अर्जन रेंज I नई दिल्ली  
 नई दिल्ली, दिनांक 5 मई, 1983

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/१/एस आर-३/९-८२ /  
 871—अतः, मुझे नरेन्द्र मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
 के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है  
 हि स्थाष्ट सम्बिति, जिसमा उत्तर बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जौनापुर,  
 तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
 उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
 अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
 सितम्बर 1982,

को पूर्वोक्त सम्बिति के उत्तर बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विवाद  
 करने का कारण है कि यद्युपर्यन्त सम्बिति का उत्तर बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल  
 का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
 गया प्रतिफल, नियन्त्रित उद्देश्य वे उक्त प्रभारण जिवित में  
 वापन्दित रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(इ) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधि-  
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
 कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;  
 दौर/या;

(ख) किसी छिना आय पा किसी घन या पत्त्य गासियों  
 को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाता चाहिए था, किवाने  
 में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रनुसारण  
 में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1)  
 के अधीन, नियन्त्रित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री बेग राज, निर्मल सुपुत्रगण स्व० श्री जगराम,  
 श्रीमती हैसो पत्नी स्व० श्री जगराम विद्या पत्नी  
 श्री इन्द्रराज, निवासी—ग्राम—जौनापुर, महाराजा, नई  
 दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मोहन लाल बड़ेरा सुपुत्र श्री इश्वर दास बड़ेरा  
 रोचित बड़ेरा अमित लड़ेरा सुपुत्रगण श्री मोहन लाल  
 बड़ेरा, लीवेनी गार्डेन, ग्राम जौनापुर, महरौली,  
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती),

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्बिति के अर्जन  
 के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्बिति ने प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी प्रावेद्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अधिकारी पर सूचना  
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल  
 में समाप्त होनी हो, के भोतर पूर्वोक्त अधिकारी में  
 से किसी अधिकतम द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बिति में हितव्य  
 किसी अन्य अधिकारी द्वारा अध्योहस्ताशकी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टदोक्षण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
 नियम के अध्याय 20-क में परिचित है, वही  
 पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 8 बिथे, एम० नं० 81, किला नं०  
 25 मिन (3-0), 16(1-13), एम० नं० 82, किला नं०  
 20/2(3-7), ग्राम—जौनापुर, तहसील -महरौली, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह

सहायक आयकर आयुक्त (नियोग)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002  
 तारीख 5-5-1083  
 गोहृत :

प्रस्तु. आई. टी. ए. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक, 5 मई 1983

निर्देश सं. आई.ए.० सी.० एम्ब०/१/एस-आर-३/०-८३

870.—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-जीनापुर,  
तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें  
उपावद अनुसुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट  
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
सितम्बर-1982,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमात्र  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि दूसरोंके दूसरोंके दूसरोंके दूसरोंके दूसरोंके  
उसके दूसरमात्र प्रतिफल से, ऐसे दूसरमात्र प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

1. श्री बेग राज, निमंत्र सुपुत्रगण श्री जगराम, श्रीमती हंसी  
विधवा पत्नी श्री जगराम, विधवा पत्नी श्री इन्द्रराज, निवासी-  
जीनापुर, महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मोहन लाल बड़ेरा, सुपुत्र श्री इश्वर वास बड़ेरा रोहित  
बड़ेरा और अमित बड़ेरा सुपुत्रगण श्री मोहन लाल बड़ेरा  
निवासी त्रिवेनीगढ़न, जीनपुर, नई दिल्ली द्वारा अटार्नी श्री  
अमीर चन्द।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 6 विशेष और 11 विशेष, एम० नं. 82,  
किला नं. 10 (5-0) 20/1 (1-11), ग्राम-जीनापुर,  
तहसील महरौली, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

अतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त :—

तारीख : 5-5-83

मोहर :

प्रस्तुत बाई.टी.एन.एह.-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## भास्तु उत्तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यु० 1/एस० आर०-३/  
9-82/879—यतः, मुझे, नरेन्द्र सिंह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो आया नगर, तहसील-  
महरीली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्थ अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 9 सितम्बर 1982

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दब्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विषयास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दब्यमान प्रतिफल से, ऐसे हस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अस्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
आसानीक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था। छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री खुब चन्द्र मुपुत्र श्री उत्तम चन्द्र,  
निवासी 6-ए, शिवपुरी, एक्स्टेनशन,  
गांधी नगर, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) डा० एल० एम० सिंघवी

(एच०-य०-एफ) द्वारा कर्ता डा० एल० एम० सिंघवी  
मुपुत्र च० श्री डी० एम० सिंघवी,  
निवासी बी-८, एन० डी० एस० ई०-२,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्योक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## महसूसी

कृषि भूमि तादादी 5 विघ्ने और 8 विघ्ने, खसरा नं० 255,  
ग्राम-आया नगर, तहसील महरीली नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

तारीख : 5-5-1983  
मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टॉ. एन. पैस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई, 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/१/एस०आर०-३/

9-82/900—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
सितम्बर, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में बातचीक रूप से कठित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जथा :—

1. (1) श्रीमती गिरीषी विधवा पत्नी श्री रघुबीर सिंह  
(2) श्री भगवान् सुपुत्र श्री चिमा, (3) फूल सिंह  
(4) रोहतास सुपुत्र श्री कुन्दन निवासी-ग्राम-राजोकरी, नई  
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डा० अमरजीत सिंह सुपुत्र एस० सज्जन सिंह निवासी 40/2,  
डी० एस० तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माझेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
सिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 5 बिंदे 18 बिंदे, खसरा नं० 561, ग्राम-  
राजोकरी, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 5-5-82

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निर्वेश सं० आई.ए.सी.ए.क्यू०/१/एस०आर०-३/९-८२/  
९०३—जात: मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में पूर्ण स्पृष्ट से वर्णित है),  
रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में ज्ञारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि ग्रामपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
गया प्राप्तिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हृदृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. (1) श्रीमती गिरीषी विधवा पल्ली श्री रमबीर सिंह,  
(2) श्री श्री भगवान सुपुत्र श्री चिमा,  
(3) श्री फूल सिंह (4) रोहतास सुपुत्र श्री कुन्वन, निवासी  
ग्राम, राजोकरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. शा० अमरजीत सिंह सुपुत्र एस० सज्जन सिंह निवासी 40/2,  
डी० एस० तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

कृषि भूमि तादादी 6 श्रीधा 19 विश्वे, खसरा नं० 562, 565,  
ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

जात: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

तारीख: 5-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई, 1983

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/१/एस०आर०-३/९-८२/

881—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापत्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-नार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :—

1. श्री खूब चन्द्र सुपुत्र श्री उत्तम चन्द्र, निवासी 6-ए, शिवपुरी एक्सटेंशन, गांधी नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री डा० एल० एम० सिध्वी (एच०य०एफ०) द्वारा कर्ता डा० एल० एम० सिध्वी, सुपुत्र स्व० ढी० एम० सिध्वी, निवासी बी-8, एन०डी०एस०ई०-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाईद्यों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के गणपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गणपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापत्र सम्पत्ति में हितष्टदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होंगा। जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्सूची

कृषि भूमि तादादी 9 बीघे और 12 बिश्वे, खसरा नं० 253 (4-16), 254 (4-16), ग्राम आया नगर, तहसील, महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख : 5-5-1983

मोहृदः

प्रश्न आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के वधीय सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई, 1983

निर्देश संख्या आई.ए.सी.०/एक्यू.०/१/एस.आर.०-३/९-८२

९३७—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है।

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक है सं कथित नहीं किया गया है:—

(ब) अन्तरण से हूँ लिखी जाव की बाबत उक्त वधीय-नियम के वधीय कर हने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किशन भाल, रत्नी राम सुपुत्रण श्री सुनेहरी, निवासी ग्राम नथपुर, हरियाणा, द्वारा जनरल अटार्नी श्री विधी चन्द्र सुपुत्र श्री उत्तम चन्द्र, निवासी ८-ए, शिवपुरी एक्सटेंशन, गांधी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मुक्ता नन्दीनी जैन पत्नी श्री अशोक कुमार जैन, निवासी सी-६/५३ सफदरजंग ड्वलपमेंट एरिया, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमंत्रणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

कृषि भूमि तालाबी 3 बीघे और 11 बिंदे, खसरा नं. २३९/१, ग्राम आया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह

सक्षम व्राधिकारी

[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)]

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : ६-५-१९८३

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री युव चन्द मुपुत्र श्री उत्तम चन्द, निवासी 6-ए, गिलपुरी एक्स०, गाँधी नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सतीश चन्द जैन मुपुत्र श्री खेम चन्द जैन,  
निवासी-1259 गली गुलियां, धरमपुरा, दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई, 1983

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पादित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर० ३/९—  
82/८७६—अतः मुझे, नरेन्द्र मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० दृष्टि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर,  
तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्वा  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी  
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अद्यतन की गई है और मूले यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए.

नरेन्द्र मिश्र,  
सक्तम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

अतः गवर्नर उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—96GI/83

दिनांक : 5-5-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एल. एस.-----

माधवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारत 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजेन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई, 1983

निवेश मं० आई० प० सी०/एस०० 1/एस०-आर०-3/9-

82/975—अतः मुझे, नरेन्द्र मिहं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिमकी मं० एस०-323, है तथा जो पंचशीला पार्क,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकेट अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधियान  
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अधियान प्रतिफल से एसे अधियान प्रतिफल का  
पूर्व ह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरीती  
(अन्तरीतीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा बबा प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कीपत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसी किसी बाबा की बाबा, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर हैं के अन्तरक वे  
वायित में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अयकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्ग  
अन्तरीती द्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ज्ञान सिंह कलसी सुपुत्र एस० हरीनाम सिंह  
कलसी जवरल अटार्मी श्री जगदीश सिंह कलसी  
सुपुत्र श्री ज्ञान मिहं कलसी, निवासी-82-ठी,  
मालखा मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री वासदेव लखानी सुपुत्र श्री दुहिलानोमल लखानी,  
निवासी-आर०-532 न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिक)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाबा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वहन किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, ज्ञाहस्ताशरी के  
पास लिखित में किए था सकेंगे।

**लक्षणकरण** :— इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्त है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्र०० न० एस०-325, पंचशीला पार्क, नई दिल्ली तादादी  
500 वर्गगज़,

नरेन्द्र सिंह,  
सक्षम अधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अजेन रेंज-, नई दिल्ली

दिनांक 5-5-1983

माहूर :

प्रस्तुत आहू.टी.एस. -----  
आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई, 1983  
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/२/एस० आर०-३/०-  
४२/१७—अत मुझे, नरेन्द्र मिह

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम-281 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक वित्तमंड़, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्द किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में हृदिधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आधिकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्राहीत :—

(1) श्री शिव राज सुपुत्र श्री पृथ्वी राज, एस-386,  
ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्री किशन अनंद गुप्ता सुपुत्र श्री राम प्रसाद गुप्ता  
निवासी-4050 गली मुस्तफा बेग, अजमेरी गेट,  
दिल्ली-6,  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताभारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थानोकरण:**—इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

नमूसूची

प्लाट नं० एम-281, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, तादादी  
400 वर्गगज।

नरेन्द्र सिंह,  
मकाम अधिकारी,  
सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-, नई दिल्ली

दिनांक : 5-5-1983  
मोहर :

प्रस्तुत जाहैं। टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्स०/१/एस० आर०-३/९  
82/882—अतः मुझे, नरेन्द्र मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी मूल कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर  
तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (औच इसमें उपबढ़  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कायलिय नई दिल्ली में भारतीय जिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मिन्हवर, 1982।  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल कोलिए अंतरित को गई है और मूल्ये यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापवाक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उदादेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) डा० एल० एम० रिधिवी मुपुव म्ब० श्री डी० एम०  
सिंधवी निवासी बी-८, एन० डी० एम० ई०-२ नई  
दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री जे० के० गुप्ता और डी० के० गुप्ता मुपुवगण  
श्री रम कुमार गप्ता निवासी-१७ बाबर लैन,  
नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पाय  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

1/3 हिस्से कृषि भूमि तादादी 13 बीघे और 2 बिश्वे,  
खसग नं० 256(2-6) 257(3-8) 258(3-14),  
259(3-14) ग्राम आया नगर तहसील महरौली नई दिल्ली।

नरेन्द्र मिह,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 5-5-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी., एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ग्रन्थ०/१/एम० आर०-३/९-  
८२/८३—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० वृष्टि भूमि है, तथा जो ग्रामा आयनगर,  
तहसील महराली नई दिल्ली में स्थित है (आर इससे उपावद्वा  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 वा 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(1) डॉ. एम० एम० भिष्मी सुपुत्र स्व० श्री डॉ. एम०  
सिंघवी, निवासी बी-८, एन० डॉ. एम० ई०-२,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० के० गुप्ता, और डॉ. के० गुप्ता सुपुत्र श्री  
राम कुमार गुप्ता, निवासी-१७, बाबर लैन, नई  
दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूष्ठ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के द्वीप द्वारा देश के अन्तरक के  
दायित्व में किसी करने या उससे वृत्त में मृप्ति  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था तथा जिस नामा चाहिए था, जिसने एवं  
सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:

अनुसूची

1/3 हिस्से क्रषि भूमि तादादी 13 बीघे और 2 बिंधे,  
खदरा नं० 256(2-6), 257(3-8), 258(3-14),  
259(3-14), ग्राम आया नगर, तहसील महराली, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 5-5-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एम.एम. —  
आवक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) की आरा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत भवान  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई, 1983

निवेश सं. आई.ए.प० सी.प०/एम्यू.१/एम्यू. आर-३/९-८२/  
1022—अतः मुझे, नरेन्द्र मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की आरा  
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- घ० से अधिक है।

और जिसको सं. 77, ब्लाक बी-II है तथा जो मोहन को आपरेटिव  
इंडस्ट्रीयल इस्टेट, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद  
अनुभूची में पूरी स्थिति भी वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थिरान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हूँ इसकी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को; जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनामं प्रभतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना आविहृत या, छिपाने में मुविधा  
के लिए;

अतः, जब, उक्त अधिनियम, की आरा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-घ को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० एस० तलाती सुपुत्र श्री एस० एच० तलाती,  
निवासी—ग्राउन्ड फ्लोर बी-1, पूसा रोड़, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती धन फिरोज तलाती पत्नी श्री पी० एस०  
तलाती, निवासी—ग्राउन्ड फ्लोर बी-1, पूसा रोड़,  
नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

मनुसूची

आधा भाग इंडस्ट्रीयल प्लाट नं. 77, ब्लाक बी-  
मोहन को-आपरेटिव इंडस्ट्रीयल इस्टेट लि०, नई दिल्ली,  
तालादी 2383, 30 वर्गगज़।

नरेन्द्र सिंह,  
संक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

प्रस्तुप आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री बेग राज, निर्मल सुपुत्रगण श्री जगराम, हंसो  
पत्नी श्री जगगाम, विद्या पत्नी श्री इन्द्रराज,  
निवासी—जौनापुर, महरौली, नई दिल्ली ।

(अन्तर्गत)

(2) श्री सुखदेव विठ्ठल मुपुत्र श्री कंवर भेन, निवासी—  
ग्राम-आपरा, जिला—जालन्धर, पंजाब ।

(अन्तर्गती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई, 1983

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/९-  
८२/८७२—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—जौनापुर,  
तहसील—महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावट्ट  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीवार्ता अधिकारी  
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मितम्बर, 1982 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पञ्चांशील संबंधित है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितायों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 6 वीघे 12 बिश्वे, मुस्तातील नं० 81,  
किला नं० 24(4-16), 25मित (1-16), ग्राम—जौनापुर,  
तहसील—महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र मिहं,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 5-5-1983

मोहर :

प्रस्तुप आहे. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई, 1983

निर्देश सं० आई०ए०मी०/एक्य०१/ग्र० आर-३/९-८२/  
४७३—असः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास बताने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

जिसकी सं० इषि भूमि है तथा जो ग्राम-जौनापुर,  
तहसील महरीली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण  
निर्धारित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हरै किसी आव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के सिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के सिए;

(१) श्रो बेग राज, निम्नल मुपुवगण श्रो जग ग्राम, श्रीमती  
हंसा पत्नी श्रो जगद्वाम, विद्या पत्नी श्रो उन्दराज,  
नववीरा-ग्राम-जौनापुर, महरीली, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(२) श्री मुखदेव विठ्ठल मुपुव श्रो कंवर भेन, निवार्मीब  
ग्राम-आपरा, जिला जलन्दर, पंजाब  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अधिक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधिक बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास निर्धारित में किए जा सकेंगे।

**स्थावोकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों बारे पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्ण होंगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

कपि भूमि 7 वीधे और 19 विश्वे, मुस्तातील नं० 81,  
फिला नं० 17 (4-16), 16 (3-3), ग्राम-जौनापुर, तहसील-  
महरीली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह,  
मकाम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 5-5-1983

मोहर :

अतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णत :—

**प्रकल्प पाई० टी० एन० एस०**————

**आयकर विधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के प्रधीन सूचना**

**प्रातः बुद्धिकाल**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेंज I, नई दिल्ली**

**नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983**

**निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस० आर० 3/9-82/  
869—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,**

**आयकर विधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इ० से अधिक है**

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-आया नगर,  
तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उगावद  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एवं उक्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाधत, उक्त  
विधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने का उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन वा प्रम्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर विधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या  
प्रकार विधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—96GI/83

- (1) श्री जय राम सुपुत्र श्री केहर, निवासी—ग्राम—घीटोली  
नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) मैं अभिनव होलिंग प्रा० लि० 3-ए, बन्दना,  
टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उसमें अवधियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि जाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से 1को अवधि द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**उपर्युक्त नियम :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त  
विधिनियम के अध्ययन-200 में परिभावित हैं,  
यहाँ अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है :

**अनुसूची**

दुष्प्राप्ति तादादी 6 विधे और 14 विधे, खसरा नं०  
242(1-16), 244(4-0), 246/2(0-18), स्थापित-  
ग्राम-आया नगर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

दिनांक : 5-5-1983

माहूरु ३

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. : -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/९-८२/  
४४७—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यही भूमि है तथा जो ग्राम-आया नगर,  
तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 ना 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाधा, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 ना 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नारायण सिंह और तारीफ सिंह मुपुलगण श्री  
शेरा, निवासी—ग्राम—आया नगर, तहसील—महरौली,  
नई दिल्ली । (अन्तरक)

(2) म० नवरंग कम्पशियल कं० प्रा० लि० 219 चित-  
रंजन एवम्यु, कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्त्रेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

ममता

कृषि भूमि तादादी 1 बीघा और 16 बिश्वे, खसरा नं०  
1882/3, ग्राम—आया नगर, तहसील—महरौली, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

दिनांक : 5-5-1983

मोहर :

प्रस्तुप बाईर्ड, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश सं ० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/९-८२/

९३९-अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम-प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-आया नगर,  
तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसने उपावद्ध  
अनुमोदी में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन के  
कारण नहीं किया गया और इसके अधीन दिनांक मित्तम्बर, 1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और भूमि यहाँ विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर-  
प्रतिती (अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया  
भया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हर्द किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मांगे राम सुपुत्र श्री विहारी, लेख राम, पहलाद  
सुपुत्रगण श्री धरी राम, भगत राम सुपुत्र श्री मेवासी  
राम, निवासी-ग्राम-धीटारनी, नई दिल्ली द्वारा  
अटार्नी श्री विधी अन्द सुपुत्र श्री उत्तम चन्द,  
निवासी-6-ए, शिवपुरी एक्स० गांधी नगर, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) सांस्कृति प्रतिष्ठान, सी-६/६३ सफदरजंग इन्स्लेच,  
नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंशकों:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिके द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

13/16 भाग कृषि भूमि तदादो 9 बीघे और 2 बिंदे-  
खसरा नं० 226/1(2-7), 223(1-19), 224(4-16),  
ग्राम-ग्राम आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
नई दिल्ली।

नरेन्द्र मिहं,  
ग्राम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

दिनांक: 5-5-1983

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निम्नों सं० आई० ए० सी०/एस्य०/१/एस० आर०-३/९-८२/

892—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायर भूमिति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसी सं० छी-277, है तथा जो सर्वोदय इनवालेव,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपायद्व अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 वा 16) के अधीन, दिनांक दिसंबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है कौर अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(1) श्री गनपथी गोपाल, निवासी छी-277 सर्वोदय  
इन्क्लेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० के० मान, निवासी-९ राजनिवास रोड,  
सिक्किम लाइन, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

मेरे यह सूचना प्रारूप करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थवा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताकारी के  
पास लिखित में किए था सकेंगे ।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया जया है।

अनुसूची

प्रो० न० छी-277 सर्वोदय इन्क्लेव, नई दिल्ली, महरौली  
रोड, एक मंजिला मकान, तादादी 112 वर्ग मीटर।

नरेन्द्र सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अजन रेंज I, नई दिल्ली

दिनांक : 5-5-1983

मोहर :

प्रस्तुत बाइबल, टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज J, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश सं ० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/९-८२/  
९९१—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं ० जी-१७, है तथा जो जंगपुरा एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल रो, एस० दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्थ है प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तण पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वासितायों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० तारा मिह सुपुत्र एस० नरेन्द्र सिंह,  
निवासी मोहल्ला हनुमान गढ़ी, कस्बा कानखल परगना  
जबलपुर, जिला—जहारंपुर (यू० पी०), वर्तमान—  
1/4233 अंसारी रोड, दिल्ली गंज, नई दिल्ली—  
110002, (अन्तरक)

(2) मैं देश चिट्टकंड प्रा० नि०, 1809 भागीरथ पैलेस,  
चांदनी चौक दिल्ली-६, द्वारा उसके मैनेजिंग,  
डाइरेक्टर श्री बासुदेव गग भुपुत्र श्री राम लाल गं  
निवासी १-ए, सागर अपार्टमेंट, ८-विलय मार्ग,  
नई दिल्ली । (अन्तरक)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्र०० न० जी-१७, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली तादादी  
200 वर्गगज,

नरेन्द्र मिह,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज J, नई दिल्ली

दिनांक : 5-5-1983

माहूर :

प्रकृष्ट आई. टी. एफ. एच.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-४/९-८२/

२८३—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन संखम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० एफ-२, है तथा जो इस्ट ज्योति नगर  
शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
भौतिक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (1) श्री सोहन लाल निवासी—601/10 रणजीत नगर,  
सुधियाना पंजाब। (अन्तरक)
- (2) श्री सुखज मल निवासी—ग्राम और पो० कुन्डेला,  
जिला—मुजफ्फर नगर, यू० पी०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तवः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोलिखाकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्राषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कभी करने या उससे इच्छने में सुविधा के लिए;  
बाहु/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अनुसूची

प्लाट नं० एफ०-२, तादादी 256 वर्गगज, स्थापित—इस्ट  
ज्योति नगर, शाहदरा, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,  
संखम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

दिनांक : 5-5-1983

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आहू, टी. एन. एच. ——

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-४/९-८२/  
३१—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है); की धारा  
269-ब के अधीन एकम अधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
दृष्टे से अधिक है

और जिसकी सं० 45, ब्लाक 'बी' है तथा जो ग्राम-सिंकदरपुर  
आबादी ज्योर्ति नगर, शाहदरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की पड़ी है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्कित उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पावृत्त  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पापा गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्त-  
विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी  
करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवीय  
को, जिन्हे भारतीय आवकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधीतः—

(1) श्री ओम प्रकाश अग्रवाल सुपुत्र श्री किशन लाल  
अग्रवाल, निवासी बी-45 इस्ट ज्योर्ति नगर, शाहदरा  
दिल्ली-32, और कुमारी सुशीला गोयल सुपुत्री  
श्री दीप चन्द गोयल निवासी मावलीघट शिलोम,  
जिला इस्ट खासी हिलस (मेघालय) द्वारा उसके  
अठार्ह श्री निर्मल कुमार, मुन्यारा सुदूर श्री  
ओम प्रकाश मुन्यारा, निवासी-307 गुरु नानक  
ओटो मार्केट, दिल्ली-6,

(अन्तरक)

(2) श्री उमिला देवी जैन पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार जैन  
(2) श्रीमती उमिला जैन पत्नी श्री मांग मल जैन  
(3) श्री परदीप कुमार जैन सुपुत्र श्री पालतू  
मल जैन (4) श्री परवीन कुमार जैन सुपुत्र श्री  
पालतू मल जैन (5) श्री सुशाष चन्द जैन सुपुत्र  
श्री पालतू मल जैन सभी निवासी-11/250  
गांधी रोड बारावत, जिला मेरठ, यू० पी० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि पर तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक  
दूसरे में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृष्टि  
किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा व्यापार व्यापारिकारी के पास  
किसिंह भैं किए था सक्ते।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्राचों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### मनुसूची

प्लाट नं० 55, ब्लाक-बी, तादादी 433.3 वर्गज, खसरा  
नं० 477, स्थापित-ग्राम-सिंकदरपुर, आबादी ज्योर्ति नगर,  
(इस्ट) शाहदरा, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

दिनांक: 5-5-1983

मोहृद् ॥

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-४/९-८२/

‘३००—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस०/११, है तथा जो ज्योति नगर, वेस्ट,  
लोनी रोड़, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ याया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

नरेन्द्र सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधि (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधास् ।।।

(1) श्रीमती राज रानी धीर पत्नी श्री दलीप चन्द्र धीर,  
4-अजमल खान रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली-5,  
(अन्तरक)

(2) श्री सामिह अहमद अखतर सुपुत्र श्री अहसन अखतर,  
निवासी-18बी/4, ज्योति नगर वेस्ट, लोनी रोड़,  
शाहदरा, दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।।।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

प्लाट नं० एस/11, तारीखी 243.3 वर्गगज, स्थापित-  
ज्योति नगर वेस्ट, लोनी रोड़, शाहदरा, दिल्ली

दिनांक: 5-5-1983  
मोहर:

प्रलेप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-१/९-८२/

९५९।—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7/4889, है तथा जो फाटक-नामिक-होज  
काजी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी वाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपस्थाय (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अधार० ५—

8—96GI/83

(1) श्रीमती राम प्यारी विधवा पत्नी सरदारी लाल,  
निवासी, 2-ए/५६ गीता कालोनी, दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्री मूरिन्द्र कुमार चौधरी सुपुत्र श्री राम प्रकाश,  
मास्टर अमित चौधरी सुपुत्र चौ० हंस राज, निवासी  
५/१३ इस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से ३० घिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितृबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 7/4889, फाटक-नामिक-होज काजी,  
दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 7-5-1983

मोहर :

प्रधान माई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प्र(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 5 मई, 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्य०/२/एस० आर०-१/९-८२/

9604—अतः मुझे, मुझीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आई-135, है तथा जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक, सितम्बर, 1982।

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अंतरिक्ती  
(अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बावजूद उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
भाऊ/बा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरित दृवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम नारायण बादा सुपुत्र श्री धर्म चन्द्र, निवासी  
आई० 135 कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री किशन लाल चावला, सुपुत्र श्री राम चन्द्र,  
निवासी आई०-135 कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरौ करके पूर्वांकित संपत्ति के उचित के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की जामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए था सकेंगे।

**लक्षण:**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
बही शब्द होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० न० आई०-135 तादादी 353. 1/3 वर्गज, स्थापित-  
कीर्ति नगर, नई दिल्ली-110015,

सुधीर चन्द्रा,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 5-5-1983

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 5 मई, 1983

निवश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-१/९-८२/

९६४२—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25/35 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली-7,  
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, विनांक सितम्बर, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्रीमती जमा रानी सुपुत्री श्री परशोत्तम सरन पल्ली  
श्री परमात्मा सरन, श्री अनूप कुमार एलीयस  
अनुपम कुमार और श्री अतुल कुमार सुपुत्रगण  
श्री परमात्मा सरन सभी निवासी 25/35 शक्ति  
नगर, दिल्ली-7,

(अन्तरक)

(2) श्री मुशील कुमार सुपुत्र श्री कृष्ण लाल, निवासी-  
8935 नया मोहल्ला, पुल बंगस, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यबाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणाकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### बन्तरिती

प्रो० नं० 11742, बना हुआ प्लाट नं० 25/35 तालाबी  
200 वर्ग गज, स्थापित शक्ति नगर, दिल्ली-7,

सुधीर चन्द्रा,  
सम्म अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

विनांक : 5-5-1983

मोहर :

प्रस्तुप बाहौदी.टी.एन.एड.—

आवक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 5 मई, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-१/९-८२/

९५९७—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5506 न्य०, 6907 है तथा जो प्लाट नं० 1,  
बस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना रोड, दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक सितम्बर,

1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए उत्तम पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में  
वास्तविक रूप से की गई गहरी किया गया है:—

(क) अंतरक वे हैं जिन्हीं द्वारा की जाने वाली उक्त  
अधिनियम के अधीन करु देने वाले अंतरक वे  
व्यक्तियों में की कठुने या उक्त उपर्युक्त वे त्रिविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविकल्पों, अर्थात् :—

(1) श्री नीरत मल बारमेचा सुपुत्र स्व० श्री बुढ़ राज  
बारमेचा, निवासी 3/4 बस्ती हरफूल सिंह, सदर  
थाना रोड, दिल्ली-6,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरबंस कौर पत्नी स्व० एस० सोभा सिंह  
एस० गुरचरन सिंह सुपुत्र स्व० एस० सोभा सिंह  
निवासी 16बी/23 डब्ल्यू० ई० ए०-करील बाग,  
देव नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के उपर्युक्त में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के  
पास लिहाज में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनूसूची

श्री० नं० 5506 (न्य०) 6907 (ओल्ड) प्लाट नं० 1,  
(आधा पर्सियाँ) बस्ती हरफूल सिंह (नार्थ) बाड़ नं० 14,  
सदर थाना रोड, दिल्ली-6,

सुधीर चन्द्रा,

सकाम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

विनांक: 5-5-1983

मोहुड़

प्रस्तुत आदर्श टी. एन. एस. —————

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/2/एस० आर०-1/9-82/

9610—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन संभव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-22/6, है तथा जो राजीरी गार्डन,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दर्शमान प्रतिफल से, ऐसे दर्शमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी बात की वादत उक्त अधिनियम के अधीन करने का अनुरुप के दायित्व में  
कठी करने या उससे बदने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) दोनों किसी बात या किसी भूमि या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

लघु: एवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुदर्श  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री हरजीत सिंह सुपुत्र श्री अमर सिंह, निवासी  
जी-22/6 राजीरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरला हरजीत पत्नी श्री हरजीत सिंह,  
निवासी जी-22/6, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० जी-22/6, तावारी 153.3 वर्गज, स्थापित-  
राजीरी गार्डन, एसिया बसईदारापुर, दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा,  
संभव अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली ।

दिनांक: 7-5-1983

मोहर :

प्रस्तुत बाईं दी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 7 मई, 1983

निम्न सं. आई० ए० सी०/एस्यू/2/एस० आर०-1/9-82/

9622—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. 4555-56/2 है तथा जो आर्या पुरा, सब्जी  
मंडी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बात, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य  
में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) जमन लाल सुपुत्र श्री तेज राम, निवासी 429, जम्मू  
मोहल्ला मौजपुर, दिल्ली और श्री सुशाप चन्द्र  
सुपुत्र श्री आशा नन्द निवासी-7962, खरीया  
मोहल्ला, रोशनारा रोड, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सोहन लाल सुदूर श्री छठेल और मास्टर नथु  
राम द्वारा उसके सही अभिभावक श्री कछेल, निवासी  
4230 आर्या पुरा सब्जी मंडी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी भूत्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त सब्जों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

सुधीर चन्द्रा

सुधीर चन्द्रा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली।

दिनांक: 7-5-1983

मोहर [ ]

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च, 1983

निर्देश सं. 0 आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-१/९-८२/

9608—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 5023, वार्ड 6, है तथा जो कुचा रहमान,  
चांदनी चौक दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मोहम्मद वकिल मिरजा सुपुत्र मिरजा मोहसीन  
जान, निवासी—5058 कुचा हरभान चांदनी चौक,  
दिल्ली ।  
(2) श्रीमती सहदा बेगम पत्नी मोहम्मद अब्दुल और  
श्रीमती इश्तात आई. पत्नी मोहम्मद सफिक, निवासी—  
4138 उदू बाजार, कटरा निजामुमुल्क, जामा  
मस्जीद, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

[अनुसूची]

दो मंजिला मकान म्युनिसिपल नं. 5023 वार्ड नं. 6,  
स्थापित कुचा रहमान, चांदनी चौक, भूमि तादादी 200 वर्गगज ।

सुधीर चन्द्रा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली ।

तारीख : 7-5-1983

मोहर :

प्रह्लप आई० टी. एन. पटेल -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई, 1983

सं० आई० ए० सी०/एक्य० /२/एच० आर-१/९-८२/  
९६३५— अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 4397, है तथा जो गली नं० टेक  
चन्द्र, आर्या पुरा, सज्जी मंडी, दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपांशु अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
सितंबर-82,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मूले यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अत्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्त  
(अन्तरिक्तिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित भौतिक रूप से कीचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण के हूर्दे किसी आद की बाबत उक्त अधिनियम की वाली कहा देते हैं अन्तरक के वायित्व में  
कमी कहाँ वा उक्त अन्तरण में सुविधा के निए;  
और/या

(ल) ऐसी किसी आद या किसी भन था अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आदकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त दबारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आवृत्त था, छिपाने में सुविधा  
के सिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्जतः :—

(1) श्री राम चन्द्र जैन सुपुत्र स्व० श्री रंगी लाल,  
निवासी - 4397 आर्या पुरा, सज्जी मंडी, दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री सुमत प्रकाश जैन सुपुत्र श्री किरोड़ी मल जैन  
और श्रीमती श्रीकांता पत्नी श्री सुमत प्रकाश जैन,  
निवासी-4211 आर्या पुरा, सज्जी मंडी, दिल्ली।  
(अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के समन्वय में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हृत-  
बहूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त कानूनों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

सुधीर चन्द्रा

एक मकान तीन मंजिला पुखता बमय तहत आराजी  
लगभग 122.50 वर्गगज, प्र० भूतपूर्व नं० 6156 आर०  
बर्तमान नं० 4397 गली छौ० टेक चन्द्र, आर्या पुरा, सज्जी  
मंडी, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा,  
सभी प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धाय 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर० १/९-८२/

१९६२—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० III/2250 है तथा जो गली हिंगा बेग,  
फाटक, हवाश खान, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंचवाह प्रतिक्रियत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (1) श्री राम लाल सुपुत्र श्री दुरा गाम, निवासी II/2250  
(न्यू०) (गली हाजी विलिंग) गली हिंगा बेग  
फाटक हवाश खान, दिल्ली (अन्तरक)  
(2) मै० मधुरा दास दौलत दाम, 5058, नया बाजार,  
दिल्ली द्वारा उसके सदस्य श्री दौलत राम  
(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के द्वितीय  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय सा किसी धन या अन्य आस्तिवां  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

सुधीर चन्द्रा,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धाय 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—96GI/83

दिनांक : 7-5-1983

मोहरः

प्रकृष्ट बाईं, टी. एन., एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-श (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० आई०. ए० सी०/एम्यू०/२/एस० आर०-१/९-८२/  
९६०१—अतः सुझे, सुधीर चन्द्रा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विप्रवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम-24, है तथा जो किंतु नगर, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विप्रवास  
करने का कारण है कि दृश्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत ही प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अल्पराश के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अंतरण लिखित में  
पासांशिक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँड़ किसी जाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी जाय या विकासी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भवन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपार्ट :—

(1) श्री राम अवतार सुपुत्र स्व० श्री कांशी राम,  
निवासी एम-24, किंतु नगर, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्री रवि लेहन सुपुत्र स्व० डा० अमोलक राम वेहन,  
निवासी एम-24, किंतु नगर, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यशालाहाइयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अधिक या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर<sup>1</sup>  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाबू में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्र० नं० एम-24, किंतु नगर, नई दिल्ली, भूमि तादारी  
104 वर्गगज ।

सुधीर चन्द्रा,  
स्थान प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 26-4-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई दी एस. एस. 1983-1984  
आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल, 1983

निवेश सं० आई० ए० सी०/एस००/२/ए० सं० आर-१/९-८२/

९६४८—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नामां भूम्य मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ-४५, है तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूम्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मझे यह विषयास  
करने का कारण है कि द्वयमान प्रतिफल संपत्ति का उचित बाजार  
भूम्य, उसके द्वयमान प्रतिफल ते ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पंचवृ  
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोषण से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बहुरक्त के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी भूम्य आदि से  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ बहुरक्ती द्वाया प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती शिव कुमारी गुप्ता सुपुत्री श्रीश्री चन्द्र प्रकाश  
पत्नी श्री एस० बी० गुप्ता, निवासी 5-बी०/103  
पश्चिमी विहार, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष चन्द्र अरोड़ा सुपुत्र श्री पृथ्वी राज अरोड़ा  
निवासी ए-७, विशाल इनक्लेव, नई दिल्ली और  
श्रीमती प्रोमिला अरोड़ा पत्नी श्री सुभाष चन्द्र  
अरोड़ा, निवासी ए-७, विशाल इनक्लेव, नई दिल्ली ।  
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीकरण करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
नवायिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिका द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्तिका द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

सुविधा

मकान नं० ४५, ब्लाक 'एफ' स्पायिट—बासी नगर, अधिकृत  
कालोनी, नई दिल्ली एरिया ग्राम—बसहिदारापुर, विल्ली ।

सुधीर चन्द्रा,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 26-4-1983

पात्र :

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्र० बाई० टी० एस० एस०

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर १/९-८२/  
९६०—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सकाम अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1424, हैतथा जोगली किशन दत्त, मालिवाड़ा,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)  
अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
प्रतिफल निम्नलिखित उच्चतेर्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः :—

(1) श्री जगदीश प्रसाद सुपुत्र श्री श्याओ दयाल, निवासी  
1424 मालिवाड़ा, दिल्ली ।

(अंतरक)

(2) श्रीमती रसन देवी मुदगल पत्नी श्री कृष्ण गोपाल  
मुदगल, निवासी 1424 गली किशन दत्त, मालिवाड़ा,  
दिल्ली ।

(अंतरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 1424, तादादी 131 वर्गगज, स्थापित—गली  
किशन दत्त, मालिवाड़ा, दिल्ली-6 ।

सुधीर चन्द्रा,  
सकम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक : 11-5-1983

मोहर :

प्रस्तुप बाईं, टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती राज कुमारी पत्नी श्री रामा शंकर, निवासी 24/7 शक्ति नगर, दिल्ली-7,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रणजीत कौर पत्नी श्री त्रिलोधन सिंह निवासी 11439 शक्ति नगर, दिल्ली-7,

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

कार्यालय, दिनांक 11 मई, 1983

निर्देश सं 0 आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर १९-८२/

9607—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 0 11664, 24/7 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंद्ररक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितीय) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

केवल पहली मंजिल और बरसाती पलोर, प्र० ० नं० 11664, 24/7 शक्ति नगर, दिल्ली-7, तावादी 200 वर्गगज।

सुधीर चन्द्रा,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 2, दिल्ली

दिनांक: 11-5-1983

मोहर:

प्रकल्प बाहूंदरी एवं एवं

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

प्रातुल सुचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/2/एस० आर० 2/९-८२/

7876—अतः मुझे, मुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थानी सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० बी-10, है तथा जो शिव नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अधिनान प्रतिफल से, ऐसे अधिनान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण से हर किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें भें मविधा के लिए;

(1) श्री एस० आत्मा सिंह सुप्रिय एस० सूरत सिंह, निवासी 2701/7 मुलतानी ढंगा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली । (अन्तरक)

(2) श्रीमती नीरूपमा जैन पत्नी श्री डी० जैन, निवासी डब्ल्यू ऐड-459/3, शिव नगर, नई दिल्ली । (अन्तरित)

के यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसस्वान्वी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृत्युजी

प्लाट नं० बी-10, तादादी 180 वर्गगज, खसरा नं० 543,  
शिव नगर, नई दिल्ली ।

मुधीर चन्द्रा,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अवधाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

दिनांक : 7-5-1983

माहर :

प्रस्तुत आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1983

निवेश सं आई.ए.सी.ए.एस.०/१९८०/२/एस.आर.०-२/९-८२/  
७९२।—अतः मुझे मुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम अलीपुर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चावेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बाबा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ओमप्रकाश सुप्रति श्री लक्ष्मीराम,  
निमासी ग्राम अलीपुर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मैं फरगुशन टाइम इन्डस्ट्रीज,  
3792, चूड़ी यालान, दिल्ली-६ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयित्वां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृगसूची

बना हुआ माकान तथा खुला हुआ भूमि तावादी 374  
वर्ग गज, खसरा नं. 894, स्थापित लाल डोरा, आबादी अलीपुर,  
दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा  
[सभम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2 नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-5-1983

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1983

निर्देश सं । आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस०आर०-२/९-८२/

7881—अतः, मुझे सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जसकी सं ० ई-३३ है तथा जो जवाला हेरी, न्यू मुलतान  
नगर, मेन रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधान  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाश गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हर्दि किसी आय की नाबद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य वास्तविकों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती दयावत्सी विघ्ना पत्नी श्री भगवान दास ढींगरा  
निवासी: बी-१९, विवेक विहार, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती कैलाश रानी दुगल पत्नी श्री हरिवंस लाल,  
श्री विनोद कृष्ण और श्री सुनिल कुमार सुपुत्र गण  
श्री हरिवंस लाल सभी निवासी १०/४६-ए, पंजाबी बाग  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-  
बूध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

मनूसूची

प्लाट न० ई-३३ तादादी 223.88 वर्ग गज खसरा  
न० २/२१-२२, स्थापित एरिया, ग्राम जवाला हेरी, आबादी  
न्यू मुलतान नगर, अधिकृत कालोनी, माइल स्टोन ६-७, से ७-२,  
मेन रोहतक रोड, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख : ७-५-१९८३

माहूड़ :

प्रलूप बाईं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 30 मार्च 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०-२/

9-82/7864—अतः मुझे सुर्खीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-व के अधीन संक्षिप्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीष्म जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम मांगली सकावती  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(ख) अन्तरण से हूँढ़ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री रमेश चन्द्र विज, सुपुत्र स्व० श्री एच० के० एल० विज  
निवासी 1276-77 नजफगढ़, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री परवीन सुधन सुपुत्र श्री परशोत्तम सिंह सुधन,  
निवासी 1276-77 नजफगढ़, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय भे० दिया  
गया है।

मृसूची

भूमि तादादी 9 बीघे 6 विश्वे, खसरा नं० 23/3/1,  
8/2, 13/1, स्थापित ग्राम नांगली, सकावती, दिल्ली।

सुधीर चन्द्र  
सकावती अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 7 मई, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस०आर०-२/९-८२/  
७९४३—अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम राजापुर, तहसील  
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारणा  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अवधारणा प्रतिफल से, ऐसे अवधारणा प्रतिफल का  
उन्हें प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वात्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(a) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमृत सुपुत्र श्री गंगा सहाय,  
निवासी ग्राम हस्ताल, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मनोज कुमार लुधरा, सुपुत्र श्री कुन्दनलाल लुधरा  
निवासी ५६/सी०डब्ल्य०, टिबिया कालेज, करोल बाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि तालादी ६ बीचे और ५ बिश्वे—जो 113 बिश्वे का  
एक भाग है का खसरा नं० 2/10, 11, 12, 18, 19 20, 22/2,  
3/18, 17, 18, 23, 24/1, 4/25/1, 7/2/1, 4/1, 8/1,  
22/11, 12/2, 19/1, 21, 22, 23/6/2, 7, 15, 14,  
7/3/1 और 22/20 और 24/2/2, ग्राम राजापुर, तहसील  
महरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-5-1983  
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. दी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई, 1983

निर्देश सं. आई. ए. सी. ०/एक्यू. ०/२/एस०आर०-२/९-८२/

7968—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, 'यह विश्वास करने का कारण  
है' कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. सी./78, है तथा फतेह नगर, नई दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्व्यमात्र  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्व्यमात्र प्रतिफल से, ऐसे द्व्यमात्र प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रती-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृश किसी आद की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1)  
की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ॥—

1. एस० जसवन्त सिंह निवासी जे-II/33, राजोरी गाँड़न,  
नई दिल्ली ।  
जनरल अटार्नी एस० जसवन्त सिंह कोहली  
और पूतम सिंह कोहली, निवासी ए-25,  
नारंग कालोनी, विल्ली ।

(अन्तरक)

2. एस० सन्तोष सिंह,  
निवासी बी-7/5, राजोरी गाँड़न, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वायाः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वायाः अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. सी./78, तादादी, 220 वर्ग गज, खसरा नं.  
537, स्थापित, फतेह नगर, एरिया ग्राम तिहाड़, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-5-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 7 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस०आर०-२/९-८२

7925—अतः मुझे सुधीर चन्द्रा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम शाहबाद, दौलतपुर  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसै दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसै अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास-  
विक रूप से कीभत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) एसै किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजेश्वर प्रसाद सुपुत्र श्री जी०आर० शर्मा,  
निवासी सी-४९, अशोक विहार, दिल्ली और  
वरित्तदर शर्मा सुपुत्र श्री ज्ञान प्रकाश,  
निवासी ४०/१२, युसफ सराय, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती मंजु अग्रवाल, पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार अग्रवाल  
निवासी २३/४, शक्ति नगर, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी  
मरण व्यक्ति द्वारा, अर्थात् स्ताकारी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 19 बीघे 3 बिघे खसरा नं० 58/५(4-  
16), 6(4-16), 59/१(4-16), 10(4-16), ग्राम  
शाहबाद, दौलतपुर, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110001

तारीख : 7-5-1983

मोहर :

प्रकृष्ट बाई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 7 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस०आर०-२/९-८२/  
7875—अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-12 है, तथा जो कृष्णा पार्क, नजफगढ़ रोड,  
ग्राम बुड़ेला, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

1. श्रीमती राम कली पत्नी स्व० श्री रमेश चन्द्र, निवासी 30/51, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्री तीरथ सिंह सुपुत्र स्व० श्री नानक सिंह और  
श्रीमती मोहिन्दर कौर पन्नी श्री तीरथ सिंह  
निवासी 227, सेक्टरी मोहल्ला, गुरदासपुर, पंजाब।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
टिकियत में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आविहै था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रो० नं० ए-12, कृष्णा पार्क, नजफगढ़, रोड, नई दिल्ली  
एरिया, 201.8 वर्ग गज, खसरा नं० 43/8, ग्राम बुड़ेला,  
नई दिल्ली।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

सुधीर चन्द्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक 7-5-1983

मोहर :

प्रकृष्ट श्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत व्रक्तर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/2/एस०आर० 2/9-82/  
8004—अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम शाहाबाद दौलतपुर,  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई  
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
ब्रास्टारिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उच्चधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजेश्वर प्रसाद सुपुत्र श्री जी०आर० शर्मा,  
निवासी सी०-49, अशोक विहार, दिल्ली और  
वरिन्द्र शर्मा सुपुत्र श्री ज्ञान प्रकाश,  
निवासी 40/12, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र अग्रवाल, सुपुत्र श्री टी० पी० अग्रवाल  
निवासी 23/4, शक्ति नगर, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 18 बीवे और 17 बिश्वे, खसरा नं०  
50/21(4-16), 51/24(4-16), 25(4-16), 58/4  
(4-11), ग्राम शाहाबाद, दौलतपुर, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख 7-5-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सुन्ना  
भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ਅੰਜਨ ਰੇਂਜ-2, ਸਹੀ ਕਿਲਲੀ

नई दिल्ली, विनांक 7 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस०आर०-२/९-८२

7888—अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
वा को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित माजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-६ है तथा जो मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखिम में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की वादत, उक्त अधिनियम के अधीस कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(अ) ऐसी किसी माय पा किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की जरूरत (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमौ, अर्थात् :—

1. श्री दिल्लबाग सिंह राणा प्रसीद्यस हरबंस लाल,  
(अन्तरक )
  2. श्रीमती कंचन देवी शर्मा,  
निवासी-1726, सोहनगंज, सड़की मड़ी, दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

धन्यवाद सम्पर्क के अर्थात् के सम्बन्ध में कोई भी विवादः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वानुरूप व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थानीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में पोरभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अष्टावृत्ति

प्रो० न० बी-६, मान सरोवर गार्डन, तिलक नगर, नई विल्हेल्मी।

सुधीर अन्द्रा  
सक्षम प्राविकारी

दिनांक : 7-5-1983  
सोमवार

## प्रसूच बाई, श्री. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1983

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस०आर०-२/९-८२/  
७९९८—अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जे-7/12-ए है, तथा जो राजोरी गाँड़न  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 17 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्य में कभी करने वा उक्ससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अम्य आस्तियों  
को, जिस्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बेद कुमारी विधवा पत्नी श्री मलिक नरेन्द्र  
नाथ निवासी जे-7/12ए, राजोरी गाँड़न, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)
2. श्री धरम देव नारंग सुपुत्र श्री होतुराम, नारंग,  
निवासी डी-1/8, राजोरी गाँड़न, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध  
किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**ल्याक्षीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या  
रखा है।

## मनुसूची

प्रो० नं० जे-7/12ए तादादी 143 वर्ग गज, स्थापित-  
राजोरी गाँड़न, नई दिल्ली, एरिया ग्राम-ततारपुर, दिल्ली राज्य,  
दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 7 मई, 1983

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अञ्जन रेंज 2,

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस०आर०-२/९-८२/  
७९१९—अतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पोसाली, दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपावदू अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक सितम्बर, 1982

अपै पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी  
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
सामिल में किसी कुले या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

1. श्री ज्ञान राम, दिवान सिंह एलीयास राम किशन और  
बलदेव सुपुत्र गण श्री हरचन्द,  
निवासी ग्राम-कराला, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री दविन्दर बर्मा, सुपुत्र श्री एस० बी० बर्मा,  
निवासी एच-१०४, शिवाजी पार्क, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों का उत्ता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी त्रै  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोद्यताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए

1/3, हिस्से खसरा नं० 24/18, 24/19, 24/20,  
ग्राम-पोसाली, दिल्ली (13 बीघा 17 बिश्ये)।

सुधीर चन्द्रा  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अञ्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-5-1983

मोहर :

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः—

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

प्रायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की वारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत प्रकाश

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नईदिल्ली, दिनांक 7 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 2/एस०आर०-2/9-82/  
7992—अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम पालम, नईदिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नईदिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोंकान सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दूसरमान परिवर्तन के लिए नियमित ही नहीं है और मुझे यह  
विश्वास करों कि वारण इसे कि ग्रामपालम का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ५ से  
दूसरमान प्रतिफल का अन्तर प्राप्ति से अधिक है और  
अन्तर (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे पन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश से उक्त अन्तरण नियमित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया जाता।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

1. श्री गोविन्द राम सुरी सुपुत्र श्री  
459, जेयन्त बारी, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. सुलभ इन्टर नेशनल, साउथ गांधी मैदान, पटना,  
द्वारा उसके चेयरमेन, श्री बिन्देश्वर पाठक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोंका सम्पत्ति के अंतर्गत के  
लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ते :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर स्थावर संपत्ति भूमि हिस्से-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**ल्पन्नीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 15 बिल्डिंग्सरा नं० 83/19 ग्राम-पालम,  
नईदिल्ली।

सुधीर चन्द्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नईदिल्ली-110002

दिनांक : 7-5-1983

मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रश्न नामः, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्य०/२/एस०आर०-२/९-८२/  
७९३--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-पालम, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक रितम्भर, 1982

क्यों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंडह प्रीतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिदियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उम्बुद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; भार/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियाँ  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री मदन मोहन सुरी सुपुत्र श्री गोविन्द राम,  
459, जयन्त बारी, काश्मीरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. सुलभ इन्टर नेशनल, साउथ गांधी मैदान, पटना,  
द्वारा चेयरमैन, श्री विन्देश्वर पाठक।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हैं।

उक्त संपत्ति के उचित संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर  
सूचना की लागत से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर हम्पति में हिंदूपूर्ण  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताशरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रथम शब्दों और ददों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

भूमि तादादी 15 विश्वे, खसा नं० 83/1 नं० 9, ग्राम-पालम,  
नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा  
सम्म प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण  
में, भूमि तादादी की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 7-5-1983

माहूर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. - - - - -

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस०आर०-२/९-८२/  
7994—अतः, मुझे, मुद्दीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो ग्राम-पालम, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँफे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बृज भूषण सुरी सुपुत्र श्री गोदिन्द राम,  
459, जयन्त बारी, काश्मीरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. सुलभ इन्टरनेशनल, साउथ, गांधी मैदान, पटना,  
द्वारा उसके चेयरमैन, श्री बिन्देश्वर पाठक,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एस्थिा 15 बिश्वे खसरा नं० 83/19, ग्राम-पालम, नई  
दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-5-1983  
मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस०आर०-२/९-८२/

7995—अतः, मुझे, सुधीर चन्दा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम पालम, नई दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ती की गई है और भुक्ते यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिक्ती (अंतर्रिक्तीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हर्दौ किसी जाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

1. श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री गोविन्द राम,  
निवासी 459, जेयन्त बारी, काश्मीरी गेट, दिल्ली।  
(अन्तरक)
2. सुलभ इन्टरेशनल, साउथ गांधी मैदान, पटना  
द्वारा उसके चेयरमैन, श्री बिन्देश्वर प्रसाद।  
(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित रूप से किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमृसूची

एसिया 15 विश्वे, खसरा नं० 83/19, ग्राम पालम, नई  
दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 7-5-1983

मोहर :

प्रकृष्ट बाईं.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वादा  
269-ग(1) के प्रधीन सूचना]

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई, 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस०आर०/२/९-८२/

7958—अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1, ब्लाक जे-4 है, तथा जो राजोरी गाँड़न,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया याया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के असरक के  
विविध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं दिया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुधीर कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री रोशन नाल गुप्ता  
निवासी 12/18, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमलता पत्नी श्री युधिष्ठिर कुमार  
निवासी ए-2/72 राजोरी गाँड़न, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की मामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृश्य  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**लालौकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनूसूची

प्रो० नं० 1, बना हुआ घाट नं० 1, ब्लाक जे-4, राजोरी  
गाँड़न, नई दिल्ली, भूमि तादादी 228, वर्ग गज, एरिया ग्राम  
ततारपुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-5-1983

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2426/23-I/82-83—अतः,  
मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1. मकान है तथा जो भावकुंज  
को०-आप० हा० सोसायटी, सेटेलाइट रोड, जोधपुर,  
टेफरा अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन विनांक 15-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृङ्खे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत अधिक है और उक्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक  
रूप से क्षमित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शाविष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आद घर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

1. श्री भीखामाई शीखामाई जावद  
230/1, जी-टाइप,  
सेक्टर नं० 19, गांधीनगर।

(अन्तरक)

2. श्री फरसनभाई धुलाभाई पांडेला,  
53/सी/16, घनजी परसोत्तम बिल्डिंग, जमालपुर  
चार रस्ता, बहेरामपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्योप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि आद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध॒हस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनूसूची

मकान जिसका जमीन का क्षेत्रफल 372 वर्ग गज है जो  
भावकुंज को०आप० हा० सोसायटी सेटेलाइट रोड, जोधपुर,  
टेफरा अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद  
रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 13312/1-9-82 है।

आर० आर० शाह  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 12-4-1983

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. पी. एस.—

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

निदेश सं० पी०आर० नं० 2427/23- /82-83—अतः

मुझे आर० आर० शाह०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 29/12, टी०पी०एस० 6, एफ० पी०  
नं० 55 है, तथा जो पैकी यालडी अहमदाबाद में स्थित है  
(और इससे उपावद्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
4-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित यौं  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
आना आविष्ट था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री महेश भाई अमृतलाल दलाल  
सी/3, अभिलाषा फ्लोट्स,  
जैन मर्केन्ट सोसायटी के पीछे,  
पालघरी, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. रोशनी शोपिंग सेंटर एंड फ्लोट आनंद एसोशिएशन की  
ओर से श्री कालीलाल चूनी लाल शाह  
के०/आ० श्री नरेशचन्द्र भीनुभाई  
16, मोतीकुंज सोसायटी,  
इन्द्र भवन के नजदीक  
नवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिर  
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येण—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**लक्ष्यांकन:**—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 360 वर्ग यार्ड है जो टी०पी०एस०  
6, यालडी, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका सब रजिस्ट्रार  
अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 13088, 13089 और  
13090/4-9-82 है।

आर० आर० शाह०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 12-4-1983

मोड़ूड़ :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

प्रस्तुत प्राईंटी०एच०एच०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल, 1983

निरेण सं० पी० आर० नं० 2428-अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के प्रधीन संबंध प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाचर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० एफ० नं० 17, एस० पी० 7, टी०पी०एस० 4, है तथा जो राजपुर-हीरपुर, मनीनगर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-9-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय का घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिराने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12 —96GI/83

(1) बाई सरस्वती, जोशी हरीदास जगजीवनदाम की पुत्री राजा मेहता की पोता, कालूपुर, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) त्रिमूर्ति अपार्टमेंट चेयरमन—संगीताबेन परमानन्द मोरी मीठाखली सीज़स रस्ता गरनालाफे नजदीक अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्त्खारी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त प्रावदों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृमत्ता

जमीन जिसका घेतफल 759 वर्ग यार्ड है जो राजपुर, हीरपुर, मनीनगर, टी०पी० 4, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 7298/2-9-82 है।

आर० आर० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 12-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल, 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2429/23-I/82-83—अतः मुझे,  
आर० आर० शाह्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० 3, एफ० पी० 701, एस० पी०  
नं० 5 है तथा जो पैकी 1/4 एलिसन्जिज, अहमदाबाद में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 24-9-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
गास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जागीरियों  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना धार्हय था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जयश्री जगतभाई रत्नलाल जुना शारदा मंदीर  
के नजदीक, एलिसन्जिज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) सनसाइन एसोसिएशन की ओर से प्रमुख सूर्योदय  
रसिकलाल, त्रिवेनी एपाटमेंट्स, मीठाखनी,  
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनूसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 556.40 वर्ग यार्ड है 1/4  
पैकी बांधकाम साथ, जो जुना शारदा मंदीर अहमदाबाद में  
स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता  
बिक्रीबत नं० 8743/24-9-82 है।

आर० आर० शाह्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 12-4-1983

मोहर :

प्रलेप. बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अमहादाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1983

निदेश नं० पी०आर० नं० 243०/२३-१/८२-८३—अतः मुझ  
आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एम० 22 फ०, पी० ९३ पैकी है  
तथा जो पालडी अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता-  
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-९-  
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को  
पूर्ण ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्तव्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिता  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसूचण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरीलाल साफरचन्द्र भावसार व चली शेरी,  
रायपुर, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) अमित अपार्टमेंट को० आ० ए० सोसायटी लिमिटेड  
नं० 7, हीरामोती चैम्बर्स, खाड़ीया, अहमदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 954 वर्ग मीटर है जो पालडी,  
अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद  
रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 13599/17-९-८२ है।

आर० आर० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 12-4-1983

मोहर:

प्रकल्प बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल, 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2431/23-I/82-83—अतः  
मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 550/1 और 550/2 हैं तथा जो  
गांव मकरवां, जिला—अहमदाबाद में स्थित हैं (और इसमें  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के बायालिय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-9-

82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और ऐसे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्कित का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्त में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भग-न्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ;—

(1) श्री बलदेव भाई सोमनाथ पटेल (2) श्री रसीफ  
भाई बी० पटेल, (3) श्री घनश्यामभाई बी० पटेल,  
(4) श्री रोहित भाई बी० पटेल, (5) श्री  
लल्लुभाई बी० पटेल, (6) श्री अनुभाई  
एल० पटेल, गांव मोहमदपुरा तालुका दस्त्रोई,  
जिला—अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीराबेन पश्चालाल जवेरी 20, जैन  
मर्चेन्ट सोसायटी, एनिस्ट्रिंज, पालडी,  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोषः---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में सभापत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तोक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

## अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 1 एकड़ 8 गुंडा और 2 एकड़  
1 गुंडा है, जो गांव मकरवा, जिला—अहमदाबाद में स्थित है  
तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रो-  
खत नं० 9654/8-9-82 है।

आर० आर० शाह  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 12-4-1983

मोहूर :६

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2432/23-1/82-83—अनः

मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० संवं नं० 78 पैकी एम० पी० नं० 19,  
सैकिण्ड फ्लॉर, है तथा जो फ्लैट नं० 5, मेमनगर, अहमदाबाद  
में स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, 27-9-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाष्पता, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती जंजनीबेन मुपेन्द्र शाह जानकुंज कालोनी,  
नवरंगपुरा, अहमदाबाद। (अन्तरिक्त)
- (2) श्री मांज गुमनालाल शाह "जिवार्वाप" बंगला  
नं० 1, फालुन सोगायटी ओ० जी० हाईस्कूल  
के पीछे, नवरंगपुरा, अहमदाबाद। (अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तलास्वन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-  
बिल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण** — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभासित  
हैं, वहाँ अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट, जिसका अंतरफल 96 वर्ग याड़ है, जो मेमनगर  
अहमदाबाद में स्थित है गंधा गढ़ रजिस्ट्रार अहमदाबाद  
रजिस्ट्रीकर्ता विशेषत नं० 14132/20-9-82 है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 12-5-83

गाहूर लं

प्रधान मार्ग, टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल, 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2433/23-I/82-83—अतः

मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० 163, टी० पी० एस० 22, सैकण्ड  
फ्लोर है तथा जो फ्लैट नं० 9 पालडी अहमदाबाद में  
स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक 10-9-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति ना उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हैर्ड किसी बाबू की बाबू, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या छासे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दृश्यार प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मनीलाल सोमचन्द्र मोदी जमालपुर झकला,  
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री योगेश कुमार भद्रीकलाल निवेदी गांव-सरखेज  
जिला अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास  
तिलित में किए जा सकेंगे।

**लिखितरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट जिसका श्वेतफल 95 वर्ग यार्ड है जो पालडी  
अहमदाबाद में स्थित है, तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद  
रजिस्ट्रीकर्ता विशेषता नं० 13355/10-9-82 है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 12-4-1983

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2434/23-I/82-83—अतः  
मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 86-धी०, एफ० पी० नं० 90, प्लाट  
नं० 4, है तथा जो पैकी टी० पी० एस०, 8 दरीयापुर-काजीपुर,  
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 29-9-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिरती (अन्तरिरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिरती दिवाग्र प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त :—

(1) श्री सुरेश भाई आत्माराम पटेल जाडा भगत की  
पोल, दरियापुर, अहमदाबाद  
(अन्तरक)

(2) श्री अरविंद कुमार अमृतलाल काडोरी श्री यशवन्त  
कुमार घुड़लाल शाह, डीसो राजपुर, जिला  
बनासकोठा ।  
(अन्तरिरती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप, यदि हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाई में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी वे पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टोकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट जिसका क्षेत्रफल 106 वर्ग यार्ड है जो दरियापुर  
कालीपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदा-  
बाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 15761/29-9-82 है ।

आर० आर० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 12-4-1983

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शाखा (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1983

निवेश नं. पी० आर० नं. 2435/23-1/82-83—अतः  
मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०टी० पी० एम० 19, एफ० पी० 56, है तथा  
जो नारनपुरा, उत्तमनपुरा, अहमदाबाद में स्थित है  
(और इसमें उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 13-9-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्युमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उभये दस्युमान प्रतिफल से, ऐसे दस्युमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहाय्या  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सहाय्या  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम वाली धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

(1) श्री रमन लाल अंबालाल पटेल वा और से  
फूल गुब्बार श्री दण्डनाई शनाभाई पटेल,  
नवायन नालापटी, नाहपुर बाई सेन्टर, अहमदाबाद  
(अन्तरक)

(2) श्री जगम यशकुमार देमाई अजंता पार्क, नारन-  
पुरा, चार रस्ता, अहमदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यपालिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते हैं।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट विस्का अंतरफल 120 वर्ग फीट है जो टी० पी०  
एम० 19, अहमदाबाद ; स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार  
अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 10676/13-9-82  
है।

आर० आर० शाह  
गक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 12-4-1983

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल, 1983

निदेश सं० पी० आर. न० 2436—अतः मुझे, आर० आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अन्तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मर्वेनं० 309 पैकी है। तथा जो रानीय जिला—अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24 मितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हर्दै किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्यावार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

13—96GI/83

(1) श्री मानसिंग भाई जेसींग भाई  
गांव—रानीय  
जिला—अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री अजीतनाथ को० ओ० रा० सोसायटी  
केरमेन—श्री हुष्टदभाई सी० पटेल  
76, पारसमनी,  
गांव—धाटलोडीया  
जिला—अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

## इन सम्बन्धित के अर्जन के बाबत ये क्षेत्र भी बाकेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 5.566 वर्ग यार्ड है जो रानीय जिला—अहमदाबाद में स्थित है तथा मव-रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत न० 14024 और 14025/24-9-82 है।

आर० आर० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 12-4-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल, 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2437-23-1/82-83--

अतः मुझे, आर० आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी म० सीटी सर्वे नं० 288/इ०/५ क्षेत्रफल 49.48  
घर्गमीटर है। तथा जो घोषा करती, गोपनाथ डेरी के ग्रामने  
जामनगर में स्थित है (और इससे उपावहु अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के निरीक्षण, जामनगर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 20-9-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रीती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हटाई किसी आय की आवत्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को प्रिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) महीपतलाल केशवलाल शाह  
नेमीनाथ टेम्पल के नजदीक  
जामनगर

(अंतरक)

(2) श्री दिलीपकुमार चतुरदास महेश  
मवामदाही, जामनगर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना आरी करुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलात जिपा सम-रजिस्ट्रार जामनगर रजिस्ट्रीकर्ता  
बिक्रीखत नं० 2875/20-9-82 है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 22-4-83

मोहर :

प्रस्तुप बाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल, 1983

निवेश सं० पी० आर० न० 2438-23-I/82-83-

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृष्णनगर साइट 1613/2 घाँड़ नं० 6 शीट नं० 194, नोंघ नं० 2023, है। तथा जो सीट नं० 212, नोंघ नं० 2024, 25, 26, 829.11 वर्गमीटर, भावनगर प्लाट नं० 1048 ए/1 से 1048 ए/2 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णस्पृष्ट से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिक्षी (अंतरिक्षियों) के बीच ऐसे अंतरज के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हूँ इं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिक्षी द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

(1) श्री कुमुमबेन लीभोवनदास शाह  
की ओर से फुल मुख्यार  
लक्ष्मीबेन ताराशंकर कापड़ीया  
किलोल, जिला पञ्चायत के नजदीक  
राजकोट  
गन्डागर,  
म्हूनिसिपल मार्केट के सामने,  
नवरंगपुरा अहमदाबाद

(अंतरक)

(2) श्री भूपतराय मोहनलाल शाह  
ओर्मेनाइजर—शांतीनिकेतन को० ओ० हा०  
सोसायटी लिमिटेड (प्रोपोज़िट)  
वानीना शेरी, ओष्ठा भन्डार,  
भावनगर

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन्दुषण किसी दब्द व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मधुसूची

मिलष्ट जिसका भव-रजिस्ट्रार भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिश्वी-  
यत नं० 2438/31-3-82 है ।

आर० आर० शाह

(सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 22-4-83

माहूर :

## प्रश्न आई. टी. एम्. एस्. नं. २६९-४

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1983

निदेश सं. पी० आर० नं. 2439-23-I/82-83—

अतः मुझे, आर० आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 2108-बी० तरलेटर प्लाट में है। वथा जो होम हार्डस्कूल के नजदीक, 709. 61 वर्गमीटर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-9-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्यामान प्रतिफल से, ऐसे श्यामान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायदीय में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आविष्यों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् :—

(1) श्रीमती निमला प्रवीनचन्द्र रायमणीया के०/ओ० आर० आर० के० ट्रेडर्स, लाठी बाजार, भावनगर ।

(2) श्रीमती हंसा जयंतीलाल वसानी के०/ओ० वसानी ग्राम्स लाठी बाजार, भावनगर ।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिधन भाई धीरजलाल महेता एच० य० एफ० के० कर्ता श्री धीरजलाल नरसीदास नकुबाग, भावनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृश्लभी

मिलकत जिसका सब-रजिस्ट्रार भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता विकी-खत नं. 2539/10-9-82 है ।

आर० आर० शाह  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 22-4-1983

माहूर (5)

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2440/23-1/82-83--  
अतः मुझे, आर० आर० शाह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उपरोक्त पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
में अधिक है

और जिसकी सं० सबैं नं० 1955, 1956, एम० सी० नं० 1043/  
1043-1 है। यथा जो जमालपुर बोडे-2, शोप नं० 74 लाल-  
माईकी चाल, मांडवी की चाल अहमदाबाद में स्थित है (आंगरेजी  
उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-9-1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कार्यकृत नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपर्याप्त हैं—

(1) रत्नीलाल मोहनलाल पन्चाल  
कान्तीलाल, मोहनलाल पन्चाल  
लालभाई की चाल, मांडवीचाल,  
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री अखिल श्रेष्ठ समाज सेवा  
मन्डल ट्रस्ट की ओर से सेक्रेटरी  
श्री वेलजीभाई मोदतभाई चौधरी  
(विकास बाल मन्दिर)  
लालभाई की चाल, मांडवी की चाल  
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**मनुसूची**

मकान जो मांडवी की चाल में स्थित है, जिसका सब-रजिस्ट्रार  
अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 13565/16-9-82  
है।

आर० आर० शाह  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 22-4-83

मोहर :

प्रस्तु आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल, 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2441/23-I/82-83—

अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 405/पी०, 406/वीथी, प्लाट नं० 186 ए है। तथा जो नरोडा इण्डस्ट्रीयल, (टाउनशिप) नरोडा, अहमदाबाद, में स्थित है (आंतर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; (1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है। और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आवित्यों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्रवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मेसर्स पटेल ओहल इण्डस्ट्रीज  
मोटी ऊँड़की, नरोडा,  
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स नारायण सिंह प्रेमसिंह  
113, न्यू फ्लोथ मार्केट  
रायपुर दरबाजा बाहर  
अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृध्दि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फैक्टरी रोड, जिसका क्षेत्रफल ((जमीन) 5727 बर्ग मीटर, जो प्लाट नं० 186-ए, नरोडा इण्डस्ट्रीयल टाउनशिप नरोडा, अहमदाबाद में स्थित है। तथा सब-रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 12957/2-9-82 है।

आर० आर० शाह  
समाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 22-4-1983

माहूर :

प्रस्तुप. आई.टी.एन.एस. -----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज—, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2442/23-I/82-83—  
यतः, मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 405/पी०, 407/पी० और  
404/2 पार्ट, प्लाट नं० 186 है। तथा जो नरोडा इण्डस्ट्रीयल  
में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्णलूप से  
बर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक 2-9-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाच ग्राम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
विविध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय अयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

(1) मेसर्स पटेल ओहल इण्डस्ट्रीज  
मोटो खड़की, नरोडा  
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स प्रेमसिंह गुरुचरन मिह  
113, न्यू क्लोष भारकेट  
गायपुर दरवाजा बाहर,  
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में हृइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सेदार  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

फैक्टरी रोड जिसका जमीन का क्षेत्रफल 2355 वर्ग मीटर  
है जो प्लाट नं० 186, नरोडा इण्डस्ट्रीयल टाउनशिप, नरोडा,  
अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्री-  
कर्ता विक्रीखत नं० 12958/2-9-82 है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I; अहमदाबाद

दिनांक : 22-4-1983

मोहर :

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

प्रस्तुत वार्ता दी.एन.एस.—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1983

निवेश सं ० पी० आर० नं० 2443/23-I/82-83—

यतः मुझे, आर० आर० आह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर व्यापार, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग सनद नं० 64/72 पैकी 179/97  
है। तथा जो छाया बाजार, अम्बीका चोक, जूनागढ़ में स्थित है  
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है);  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर,  
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथावृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नान्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में घासादिक  
का से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1).  
के अधीन, निम्नान्वित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) श्री शमलदास जानजीशाह

(2) श्रीमती मुशीला शमलदास शाह

(3) श्रीमती कुमुम अशोक कुमार

छाया बाजार, जूनागढ़ ।

(अन्त रक्ख)

(2) श्री नरेन्द्र गीस्ताशंकर व्यास

श्री अनिल कुमार व्यास

श्री जपेर कुमार

श्री डी० जी० व्यास

के०/ओ० मुरलीधर लोजी,

जूनागढ़ ।

(अन्तरिती)

क्षम्भ वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर<sup>1</sup>  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बृधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास सिलिंग में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

बिल्डिंग जिसकी जमीन का क्षेत्रफल 330 वर्ग मीटर है जो  
अंबीका चोक, जूनागढ़ में स्थित है तथा सबंध रजिस्ट्रार जूनागढ़  
रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 1858/सितम्बर, 1982 है ।

आर० आर० आह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-१, अहमदाबाद

दिनांक : 22-4-83

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2444/23-I/82-83—

यतः मुझे, आर० आर० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० नं० 64 से 67 और 72 से 75 है। तथा  
जो प्लाट नं० 27, पंचशील सोसायटी, उस्मानपुरा अहमदाबाद  
में स्थित है (और इससे उपावट अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है); रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
1-9-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिभाव  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्टिभाव प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिभाव प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है ॥

(1) श्री अब्दुल बाहीद गुलाम रसुन कुरेशी  
एन० के० हाउस ।  
मीडाखली खलनाला के नजदीक,  
नटराज टाकीज के पीछे,  
आश्रम रोड, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री वंशराज रीखगयन्द भानशली  
न० 27, पंचशील सोसायटी,  
उस्मानपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद किसी ग्राह्य व्यक्ति द्वारा प्रवधिस्तावरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त प्रवधि-  
नियम के ग्राह्याय 20-व में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो सह ग्राह्याय में दिया  
गया है ।

(ख) अंतरण से है किसी आद को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कर्त्ता करने वा सदसे बचते में सुविधा  
के लिए; आर०/वा

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हे भारतीय आदकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आगृहि था छिपाने से  
सुविधा के लिए;

## मृत्युजी

मझे जिसकी जमीन का क्षेत्रफल 417 वर्ग यार्ड है, जो 2-7  
पंचशील सोसायटी उस्मानपुरा अहमदाबाद में स्थित है तथा संघ-  
रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ट विक्रीखत नं० 12863/  
1-9-82 है ।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—I, अहमदाबाद

दिनांक : 2-5-1983

मोहर :-

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 मई 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2445/23-1/82-83—

यतः मुझे, आर० आर० शा.ह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है

अं० जिनकी सं० 193/1 से 6, टीका नं० 9/2, सर्वे नं० 60  
है तथा जो मुख्यनाथ रोड, अमरेली में स्थित है (और इसमें  
उपांवश अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकरण अधिनियम;  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-9-1982  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यु विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में संविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :—

(1) श्रीमती वीवेनीवेन, पटेल जीवनराजकी  
विधवा पत्नी  
मुख्यनाथ रोड, अमरेली ।

(अन्तरक)

(2) श्री पटेल अनिल शुभार बालभाई सव.लिया  
पटेल अजीतकुमार बालभाई सव.लिया,  
जर्मे मरीर की ओर में कुल मुख्यार,  
पटेल बालभाई धरमशीभाई सव.लिया  
मुख्यनाथ रोड, अमरेली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वैहत-  
वृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्तावरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

मकान जिसका अमीन का क्षेत्रफल 720 वर्ग मीटर है जो  
मुख्यनाथ रोड अमरेली में स्थित है तथा सब-रोजस्ट्रीकर्ता  
बिक्रीखत नं० 1477/30-०-८२ है ।

आर० आर० शा.ह  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 2-5-1983

मोहर :

प्रस्तुत बाहौदी एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 मई 1983

मिट्टेश सं० पी० आर० नं० 2446-23-I/82-83--

यह: मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 147-147-1 से 4 पैकी प्लाट नं० 15, टी० पी० एम० 19 है तथा जो नवरंगपुरा, शेखपुरा-खानपुर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधिन, दिनांक 2-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और भूमि यह विश्वास काल्पनी का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपर्युक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यह: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नटवरलाल माधवलाल पटेल  
और कुल मुख्यमान  
श्री चतुरभाई माधवलाल पटेल,  
सरदार पटेल कालोनी, नवरंगपुरा,  
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री जंवेरीलाल पूरनमिह  
श्री चौमनलाल पूरनमिह  
श्री चंदुभाई पूरनमिह  
कमेटी बाग के सामने,  
बड़ोदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

मरान जिसका जमीन वा क्षेत्रफल 769 वर्ग यार्ड है, जो शेखपुरा-खानपुर, टी० पी० एम० 19 अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 130004/2-9-82 है।

आर० आर० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 2-5-1983

मोहर :

प्रस्तुप आईटी, एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 मई 1983

निवेदण सं० पी० आर० नं० 2447/23-1 82-83—

यतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट बी/1, न्यू गिरधर पार्क को० ओ० हा०  
सो० लिमिटेड है। तथा जो सी० एन विद्यालय के समाने, अंबा-  
वाड़ी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीब्लरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरुक (अन्तरक) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बहरक के  
वारियत में कमी करने या उक्त से उक्त में हुतिभा  
के लिए; आर०/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
हुतिभा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधर्त—

(1) श्री राजीव तनेजा  
10, सुदर्शन सोसायटी नं० 2  
तारनपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिलकुमार अनन्तराय श्रीमाकल  
श्रीमती हीरालक्ष्मी अनन्तराय महेता,  
नं० बी/1, फ्लैट,  
न्यू गिरधर पार्क को० ओ० हा० सोसायटी  
सी० एन० विद्यालय के सामने  
अंबावाड़ी, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

करे यह सूचना आड़ी कर्जे पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापरः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों द्वा-  
रा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवैध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अधिकृत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**लक्षणीकरणः**—इसमें प्रबुक्त सम्बों और ददो का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित  
है, वही वर्ष होगा जो उक्त सम्पत्ति के लिए

मनुष्यों

फैट जिसका क्षेत्रफल 95 वर्ग याड़े है जो अंबावाड़ी, अहमदाबाद  
में स्थित है, तथा सब-रजिस्ट्रार अहमदाबाद 37 इ०-इ०  
फोर्म मिला हुआ, दस्तखत किया हुआ दिनांक 6-९-८२ है।

आर० आर० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 2-5-1983

ओहर : ॥

प्रृष्ठ 34, टी. एन., एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 2 मई, 1983

निदेश सं० पी० आर० न० 2448/23-I/82-83—  
यतः मुझे, आर० आर० शाह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 1621/2 है तथा जो बधावन सिटी  
सुरेन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण-  
रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बधावन  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 27-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के सिए अंतरिक्त की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे दस्तावेज प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिक्ती  
(अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
क्ति निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक  
स्पृ से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिदों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिक्त इवारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्री जयन्तीलाल बोरजीभाई गोहेल  
अमीचन्द डाकहस्त बंगला,  
भारत पलोर मीन,  
जोरावरनगर, सुरेन्द्रनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री विश्वकर्मा को० ओ० हा० सोसायटी  
प्रमुख—श्री परसोत्तमभाई हुस्तीबंत भाई परमार,  
क्लोय मारकेट, जोरावरनगर,  
सुरेन्द्रनगर।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अहमदाबाद

जमीन जिसका क्षेत्रफल 3 एकड़ 36 गुणा-18876—जो  
बधावन सीम सुरेन्द्रनगर में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार बधावन  
रजिस्ट्रीकर्ता बिश्वास नं० 3026/27-9-82 है।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 2-5-1983

मोहर :

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपावढ (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुकता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2449/23-I/82-83--  
यतः मुझे, आर० आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य बंगला सर्वे नं० 443, पैकी प्लाट नं० 15  
है तथा जो कोटेचार शेरी नं० 1 राजकोट में स्थित है  
(और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है);  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई,  
1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बनेने के अंतरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जहाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्दरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गुनीयलबेन अमीचन्द्र मोटावानी  
के०/आ० मनुभाई शाह  
दीवान साहेबधान बंगला,  
राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री किशोरकुमार रनछोड़दास राजा  
मुख्यायर श्री रनछोड़दास बसनजी राजा  
333, जे० एस० एस० रोड  
राजशोखर सोसायटी,  
ठाकुरद्वारा, बोम्बे-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवौध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकें।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### बन्दूसूची

मकान जिसका प्लाट नं० 15, सर्वे नं० 443 है जो शेरी नं०  
1, कोटेचार राजकोट में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार राजकोट  
रजिस्ट्रीकर्ता विशेषता नं० 5770/82/10-9-82 है ।

आर० आर० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आमुकता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 3-5-1983

सोहूर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2450—23-1/82-83—

यतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बंगाली "उमायाक्षया" हरीहर सोमायटी नजदीक है। तथा जो "स्वप्नलोक" बिल्डिंग, वाजू कालावड, राजकोट में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14-9-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पांचहर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा है लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती निर्मलाबेन नानालाल मिशना  
भीडमंजन शेरी  
राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री जमनादास मूलजीभाई छिगानी  
चन्द्रुलाल मूलजीभाई छिगानी  
"उमीाक्षया" हरीहर सोमायटी के नजदीक,  
"स्वप्नलोक" बंगला के वाजू में,  
कलायड, शेडकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यार्थ 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

**मूलभूती**

मकान जिसका क्षेत्रफल 209 वर्ग यार्ड है जो राजकोट से स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार राजकोट रजिस्ट्रीकरण विभाग नं० 6050/14-9-82 है।

आर० आर० शाह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 3-5-1983

मोहूड ॥

प्रसूत आइ. टी. एन. एस. -----  
 आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद  
 'अहमदाबाद' दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2451/23-१/82-83--  
 अतः मुझे, आर० आर० आर० शाह,  
 वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/-रु. से अधिक है  
 और जिसकी सं० सर्वे नं० 85-1, प्लाट नं० 48 है। तथा जो  
 रैया, राजकोट में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
 पूर्णस्थप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट,  
 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
 दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
 में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
 में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
 और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-  
 नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था  
 या किया जाना चाहिए था छिनाने में सुविधा के  
 लिए;

(1) श्रीमती मृदुलाबेन मोहनलाल गोटेचा और अन्य  
 कुवाडवा रोड,  
 राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री सोनी वृजलाल मोहन लाल साठोलिया  
 श्रीमल्कुंज, वर्धमाननगर,  
 राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ॥--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभांहस्ताकरी के  
 पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण** --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 48, सर्वे नं० 85-1, 1074-2-0 बर्ग याँ  
 जो रैया राजकोट में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार राजकोट  
 रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 6014/10-9-82 है ।

आर० आर० शाह  
 संक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
 में, भूके उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक :--

दिनांक : 4-5-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुणे

पुणे-4, दिनांक 5 अप्रैल 1983

निर्दश सं० सी०ए० 5/3700/103/83-84—यतः मुझे  
शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, दह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 107 क्षेत्र 615 स्क० फीट प्रवीण  
पैलेस प्लाट सं० 37/38 सं० नं० 5, 6, 7 नवघर गांव  
गांवमई जिला ठाणा है तथा जो जिला ठाणा में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
. रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण) अर्जन रेंज पुना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
नं० 123 तारीख 29 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंचवृह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—96GT/83

1. मैं विश्वकर्मा विलहस्य प्राविष्ट पैलेस विश्वकर्मा निवास  
स्टेशन रोड वसई (वेस्ट) जिला ठाणा।

(अन्तरक)

2. श्री निलकंठ अनंत खोल 23/वी, इंडीयन एंड लाईन्स  
स्टाफ कौलोनी मेजर मैट्टोन्स डिपार्टमेंट न्यू  
इंजीनियरिंग कम्प्लैक्स सहार गांव बंदर-999

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्त्वसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 107 क्षेत्र 615 स्की० फीट प्रविण पैलेस  
प्लाट नं० 37/38 सं० नं० 4, 5, 6, 7 नवघरगांव ता० वसई  
जिला ठाणा।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नंबर 123 तारीख 27-9-1982  
को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुना  
के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज पुना

तारीख: 5-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप आइ.टी.एव.एस. -----  
 अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-प (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, पुणे

पुणे-411004, दिनांक 26 अप्रैल 1983  
 तिर्देश सं० सी०ए०५/८५२/एस०आर०/८३-४-—यतः

मुझे शिकायत कुलकर्णी  
 आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० गट नं० 111 सर्वे नं० 21 हिस्सा नं० 1  
 पोस्ट गोले बुद्धुक तालुका हवेली है तथा जो जिल्ला पूना में  
 स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से  
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुष्यम निवंधक  
 हवेली में, रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
 के अधीन तारीख 22 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रखवास  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विवास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य उसके रखवास प्रतिफल से, ऐसे रखवास प्रतिफल का  
 पूर्वोक्त संपत्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर-  
 रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
 प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 बास्तिक रूप में कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अन्तरण  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए, और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
 को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोगनार्थ अंतरिती बुकारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 अनुमति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण  
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभाग (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः:—

1. (1) श्री विकानाथ रामभाऊ पारंगे।  
 (2) श्री काशीनाथ रामभाऊ पारंगे।  
 (3) श्री केशव रामभाऊ पारंगे।  
 (4) श्री पुंडलिक रामभाऊ पारंगे डॉजे तालुका  
 हवेली जिला पूना।

(अन्तरक)

2. चीफ प्रमोटर श्री हसमुखभाई शिवाभाई पटेल नवनवन  
 सहकारी कृषि फ्लोटाइक संस्था (नियोजित)  
 34, आदित्य, 501, रास्ता पैठ, पूना-411001।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके दूरोंकर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी दावेपें 1

(क) इस सूचना के उपरने में प्रकाशन की सारी तरीके से  
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के उपरने में प्रकाशन की सारी तरीके से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताकारी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रबृहत शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही पूर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

### अनुसूची

भूमि गट नं० 111 सर्वे नं० 21 हिस्सा नं० 1 पोस्ट  
 गोले बुद्धुक तालुक हवेली जिला—पूना जिसका क्षेत्र ओहाय  
 73.50 आर. है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकूत विसेख क्र० 4454 तारीख 22-9  
 1982 को दुष्यम निवंधक हवेली पूना के दफतर में लिया है।

शिकायत कुलकर्णी  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, पूना

तारीख: 26-4-1983

गोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एल.एस. -----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

पुणे-44, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश सं० सी० ए०/५/३७-९/८६४/८३-८४—यतः मुझे  
 शिक्षिकांत कलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सावेंडी ता० नगर सर्वे नं० 24/331/2ए०  
 61 आर क्षेत्र है तथा जो सावेंडी ता० नगर में स्थित है  
 (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),-  
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदनगर में, रजिस्ट्री-  
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
 23 चित्तम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हृइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्ताओं को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. द्रोपदामाई हारी रालिज  
 (2) श्रीमती कौसल्यामाई चंद्रकांत राहिंज,  
 अहमदनगर।  
 (अन्तरक)
2. (1) श्री राजेंद्र एकनाथराव निवानकर।  
 (2) श्री विजयकुमार लालचंद कोठारी।  
 (3) सौ युगुषा मुरेश आनमल।  
 (4) श्री अरविंद एकनाथ निबाठकर।  
 (4) श्री आलमचंद लालचंद कोठी।  
 (6) सौ नलीता अशोक अनमला अहमदनगर।  
 (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंकाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(जिसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 3116 तारीख 23-9-1982 को दुष्यम निबंधक, अहमदाबाद के दफ्तर में लिखा है।)

शिक्षिकांत कुलकर्णी  
 यक्षम प्राधिकारी  
 महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 5-5-1983

मोहर

प्रस्तुप बाहौद. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुणे  
पुना, दिनांक 15 अप्रैल 1983

निर्देश सं० सी०ए० 5/37ई/104/83-84—यतः मुझे  
शिक्षिकांत कुलकर्णी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

आफिस दूसरे नाले पर क्षेत्र नं० 1125 शिला अपार्टमेंट सदाशिव पठे  
नुना 30 है तथा जो पुना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन  
पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, नं० 18, तारीख 14 अप्रैल 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कल, निम्नलिखित उत्तरेय से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में वास्तविक  
है से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरक्त वा  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वस्तु या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री वसंत बी० सुंदरकर 112/1 प्रभात रोड लेन  
नं० 14 पुना-411004:

(अन्तरक)

2. श्री माधवी मधुकर अमे 423/वी० शनिवार पठे पुणे-  
411030।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ० भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

औफीस की जगह दुसरे माले पर क्षेत्र 221 स्के० फुट  
सि० स० नं० 125 शिला अपार्टमेंट्स सदाशिव, पेठ पुणे-  
30।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 181 ता० 10-10-1983  
को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुणे के  
दफ्तर में लिखा है)।

शिक्षिकांत कुलकर्णी  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुणे

अप०, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, यौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 15-4-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुणे

पुणे-411004, दिनांक 26 अप्रैल 1983  
निर्देश सं० भी० ए० 5/851/पा० आर० हवेली/83-84—  
यजः मुझे, शायिकांत कुलकर्णी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्रविकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25000- रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या सर्वे नं० 65  
पोस्ट खड़कवासला ता० हवेली है। तथा जो जिला पूना में स्थित है  
(और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्यम निवंधक हवेली 1  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 22 सितम्बर 1982  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ग़ेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाग (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री विश्वनाथ रामभाऊ पारगे।  
(2) श्री कांशीनाथ रामभाऊ पारगे।  
(3) श्री वेश्य रामभाऊ पारगे।  
(4) श्री पुंजलिका रामभाऊ पारगे। जेडों  
हवेली तालुका जिला पूना।

(अन्तरक)

2. चीफ प्रमोटर हम्मुद्दभाई शिआभाई पटेल नवनवन  
भटकारी द्विपि फ्लोटाइक संस्था नियोजित,  
34 आदित्य, 501 रास्ता पैठ, पूना-410111।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

भूमि नवे नं० 65, पोस्ट खड़कवासला, तालुका हवेली  
जिला—पूना जिम्बा क्षेत्र, एरीया 74.87 आर० है।  
(जैसे की रजिस्ट्रीडूत शिलेख क्र० 4456 तारीख 22-9  
1982 को दुर्यम निवंधक हवेली 1 पूना के दफ्तर में लिखा  
है।)

शिंकांत कुलकर्णी  
मध्यम प्रांधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण  
अर्जन रेज, पूना

तारीख: 20-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुणे

पुणे, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/37/ईई१०२/८३-४--यतः मुझे,  
शिक्षकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 311 क्षेत्र 315 स्का० फुट में प्रे  
पलैस फ्लॉट नं० 47/48 सं० नं० 4, 5, 6, 7 नवघरगांव  
ता० वसई जिला ठाणा है तथा जो जिला ठाणा में स्थित  
है (आ० उसमें उपांडं अनुसूची में और पूर्ण रूप से अंगूष्ठ है।  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण) अर्जन रेज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, नं० 116 तारीख 27  
सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हरू किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० विश्वकर्मा विल्हेम महेंद्र पलैम विश्वकर्मा निवास  
स्टेशन रोड वसई (वेस्ट) जिला० ठाणा।  
(अन्तरित)
2. श्री अनंदा अनंदन 27/5 एम० जी० रोड हन्ताणूकर  
वाडी कांदीवली (वेस्ट) बंडई -400067।  
(अन्तरित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर<sup>पर</sup>  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 311 क्षेत्र 365 स्कॉ फीट महेन्द्र पलेस लाट नं०  
47/48 म० नं० 4, 5, 6, 7 नवघरगांव ता० वसई जिला  
ठाणा।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नंबर 116 तारीख 287-9-1982  
को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना के  
दफ्तर में लिखा है।)

शिक्षकांत कुलकर्णी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख: तारीख: 4-4-1983  
मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुणे

पुणे, दिनांक 8 अप्रैल 1983

निर्देश भा० भी०गा० 5/37ई०/105/83-84--यतः मुझे  
शिक्षिकात् कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सिटी स्व० नं० 10381 प्लाट 16/17  
स्व० प्लाट सं० 12 न्यू पार्कपेर सोलापुर है तथा जो  
सोलापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूली में और पूणे  
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अप्रैल रेंज पुना में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नं० 314  
तारीख 5 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य जे उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये आई/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमति  
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान :—

1. श्री मलेशाम विश्वास गांजूल 1276 भद्रावती पेठ  
तोपापुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नागानश्वरी विश्वास गांजूल

(2) श्री लक्ष्मण मलया गांजूल 1899 न्यू पार्क

(3) श्री अशोक मलया गांगूल

पेठ सोलापुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करुता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रबूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनूसूची

सिटी स्व० नंबर 10381 सब प्लाट नं० 124 लाईनल  
प्लाट नं० 16/17बी का स० नं० 159 थोड़ 260 थो०  
मिटर न्यू पार्कपेर सोलापुर।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत तारीख 314 ता० 5-11-1982  
को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुना के  
दफ्तर में निखा है)।

शिक्षिकात् कुलकर्णी  
भक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 8-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना।

भारत भरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुणे  
पुणे, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निर्देश सं० सी०ए०५/३८६६१/१०१/८३-४—यतः मुझे,  
शाश्विकांत कुलकर्णी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लेट नं० 14, श्रेणी 532 स्क० फूट मध्यवन  
अपार्टमेंट सि०स० नं० 493, 501 और 502 अंडुर्ली ता० कल्याण  
जिला ठाणा है तथा जो जिला ठाणा में स्थित (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूणे रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी  
के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज  
पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, नंबर 79 तारीख 24 मितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण डे कि वायपूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, एवं  
दूष्यमान प्रतिफल ता० पांचवृ प्रतिशत से अधिक है और  
प्रत्यरूप (प्रत्यरूपों) और प्रत्यरूपी (प्रत्यरूपियों) के बीच  
ऐसे प्रत्यरूप के रिए तर राया गया प्रतिफल, निम्नविवित  
छहेंसठ तात्पर प्रत्यरूप। निम्न में गास्त्रित छठे से कथित  
महीं किया थया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बावारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छियाने में घुसिधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नतिलित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं गांधी आर्ण अमरसी 10, जे० एन० लेरे डीमा  
मार्ग वलीयाडे इस्टेट बम्बई-400038।

(अन्तरक)

2. श्री फुलशंकर एम० ठकार श्री विजय एफ० ठकार  
436 गोपाल गल्ली मलजीजिन मार्किट  
बम्बई-400001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक ने मम्बद्ध में कोई भी ग्राहेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति होता ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
प्रत्यावृत्ति द्वारा, प्रवृत्तिशाश्री के पात्र लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**राष्ट्रीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
मर्यादित होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

फ्लैट नंबर 14 चौथा मंजला ए० बींग मध्यवन अपार्टमेंट्स  
क्लॉन 532 स्क० मि सं० नं० 493, 501, 502  
ठाकूर्ली ला कल्याण जि�० ठाणा (जोंबिली)।

(जैसे की रजिस्ट्रीकरण नं० 79 ता० 24-9-1982 को  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पुणे के  
दफतर में लिखा है।)

प्रशिकौत कुलकर्णी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज पुणे

तारीख: 4-4-1983

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूणे

पूणे, दिनांक 6 मई 1983

निर्देश सं० सी०ए० 5/37जी/83-84/865—यतः मुझे  
शिकायत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवाद करने का  
पारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जो किंगार जि० अहमदनगर स० नं०  
375/2 थोल ए० गु० 2.20 (100078 स्क० फीट) है  
तथा जो किंगार जिम्मेनगर में स्थित है (और इससे उपावड़  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय अहमदनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, नं० 3141 तारीख 27 सितम्बर  
1982

को पर्वत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विवाद करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सर्विधा  
के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
16—96GI/83

1. श्री भासुराव बाबुराव चवरे बुसडगांव रोड अहमद  
नगर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री कनकमल मोलीचंद मुनाले | सब रहने वाले  
(2) श्री मदनलाल कुनमल मुनाले | अहमदनगर।  
(3) श्री प्रवीचंद मदनलाल मुनाले |

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अस्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वत सम्पत्ति  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वायाः

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वत का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन भिंगार में स्थित है अहमदनगर

स० नं० थोल

375/2 2.20 ए० गु० 10078 स्क० मिटर।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 3141 ता० 27-9-1982

को सब रजिस्ट्रार अहमदनगर के कार्यालय में लिखा है और  
जैसे की 37 जी फार्म में लिखा है और जो फार्म सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में  
लिखा है।

शिकायत कुलकर्णी  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 6-5-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

1. डॉक्टर दादाभाई शानमुत्तु और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती के० हेमनता।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1983

निर्देश सं० 109/सितम्बर/82—यतः [मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 4, हाई ग्रावुन्डस रोड है, जो पालयमकोठे  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पालयमकोठे  
दस्तावेज सं० 305/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर हनेके अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ब) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य मालियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 4, हाई ग्रावुन्डस रोड पालयमकोठे  
दस्तावेज सं० 305/82 ।आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-, मद्रासअतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभर्ति :—

तारीख : 28-4-1983

मोहर :

प्ररूप आई, टो. एन. एस. -----

1. डॉक्टर दावाभाई शानमुक्तु और अन्य।

(अग्रंतरक)

2. श्रीमती के० पदमावती।

(अन्तरिरी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1983

निर्देश सं० 110/सितम्बर/82—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4, हाई ग्राउंड्स रोड़ है, जो पालयमकोठे में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पालयमकोठे दस्तावेज सं० 306/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घासताविक रूप से की थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ हुएगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संक्रिया के लिए।

भूमि और निर्माण 4, हाई ग्राउंड्स रोड़, (दस्तावेज सं० 306/82 पालयमकोठे)।

आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1 मद्रास

वास: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 28-4-1983

मोहर:

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

### भारत सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1983

निर्देश सं. 4/अक्टूबर/82—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर० एस० सं 6325, प्लाट सं. 11  
है, जो गोविन्दप्पा नायकन स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सौकारपेट दस्तावेज सं. 422/82 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख अक्टूबर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस० से दृश्यमान प्रतिफल का  
मन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितयों) के बीच एस० अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरण मिलित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अनुरण से हरू किसी भाव की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरक्त के  
दायित्व में कभी कहने या उक्त सूचना में सूचित  
नहीं किए; और/वा

1. (1) श्री एस० एम० दौरेराज  
(2) श्री एस० एम० आनंदन।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर० तेलाम्बाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहाँ भी जाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णता  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं,  
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
दृष्टिधा के किए;

भूमि और निर्माण आर० एस० सं. 6325, (दस्तावेज  
सं. 422/82) 11, गोविन्दप्पा नायकन स्ट्रीट मद्रास-1।

आर० पी० पिल्लै  
उक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

तारीख: 28-4-1983  
मोहर :

प्रस्तुत आर्द्ध.टी.एन.एस. -----

(1) श्री अशोक कुमार एन० जैन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री हरिदाम मिमनी और  
रुक्मणी देवी मिमणी ।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1983

निवेश सं० 5/अक्टूबर/82—अन्तः सुन्न, आर० पी०  
पल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 28, वीरपन स्ट्रीट है जो मद्रास-1 में  
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सॉलरपेट  
इस्तावेज सं० 428 और 429/82 में, रजिस्ट्रीग्राह अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर,  
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और न्यूके यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः यद्युपर्याप्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—नई सं० 28, वीरपन स्ट्रीट,  
मद्रास-I, इस्तावेज सं० 428, 429/82 ।

आर० पी० पिल्लै,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I मद्रास

तारीख : 28-4-1983

मोहर :

प्रूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री एम० वी० रामस्वामी चेट्टी और  
एस० वी० सुब्रह्मण्यलू ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अनिल कुमार छोपदा और  
एस० रमेश कुमार।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1983

निवेश सं० 7/अक्टूबर/82—यतः मुझे, आर० पी०  
पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 122, अन्ना पिल्लै स्ट्रीट है, जो  
मद्रास-1 में स्थित है (आर० इससे उपावद्व अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मद्रास उत्तर दस्तावेज सं० 3024/82 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
प्रक्तुब्ध, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के  
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

भूमि और निर्माण—सं० 122, अन्ना पिल्लै स्ट्रीट,  
मद्रास-1। (दस्तावेज सं० 3024/82)।

आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास-1

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 28-4-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री के० वी० दोरेस्वामी।

(अन्तरक)

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1983

निदेश सं० 8/अक्टूबर/82—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 17, भारती रोड है, जो पेरम्बूर  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दायित्य, मद्रास  
उत्तर दस्तावेज सं० 3034/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर,  
1982

को पूर्णवत् सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या बन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अन्सरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(2) श्री के० मनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णवत् संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरां व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, जो भीतर पूर्णवत्  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते;

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—17, भारती रोड फस्ट स्ट्रीट,  
मद्रास-11।

(दस्तावेज सं० 3034/82)।

आर० पी० पिल्लै  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 28-4-1983

मोहर :

प्रस्तुप आइ<sup>१</sup>. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, मद्रास-1

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1983

निदेश सं० 9/अक्टूबर/82—यतः, मुझे, आर० पी०  
पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० ओ० ए८० सं० 3839 (आर० ए८०  
सं० 7713) है, जो मद्रास उत्तर में स्थित है (और इसमें  
उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर में दस्तावेज सं०  
3123/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की वाक्त उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यत्व में  
कभी करने वा उससे बचने में सुविभा के लिये,  
और/या

(ख) एंगी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) एम० डी० रत्नवेल
- (2) एम० डी० राजवेल
- (3) डिवाकर
- (4) भास्करन
- (5) आर० मूर्तिकुमार
- (6) जानमनी

(अन्तरक)

- 2: (1) श्री राजकुमार
- (2) श्री प्रताप चन्द्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निमण—ओ० ए८० नं० 3839—आर० ए८०  
सं० 7713 (दस्तावेज सं० 3123/82)।

आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 28-4-1983

मोहर :-

प्रसूप भाइ. टी. एम्. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1983

निदेश मं० 10/अक्टूबर/82—यतः, सुन्ने, आर० पी० पिल्लै,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेदास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० आर० एस० मं० 124/62 है, जो मद्रास में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास उत्तर  
दस्तावेज सं० 3175/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विवेदास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अव्यमान प्रतिफल से, ऐसे अव्यमान प्रतिफल के  
पश्चात प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिक्षीय  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पात्रा यथा  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इं किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी बाय या किसी भूमि या अन्य आस्तीनों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूमि  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती उपाय प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, भूमि और निर्माण आर० एस० मं० 124/62 (दस्तावेज  
सं० 3175/82) की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्जति :—

17—96GT/83

1. श्रीमती ए० सिवलोकनायकी

(अम्माक)

2. श्री आर० शनमृगम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करुता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर  
सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन्वाप  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनूसली

भूमि और निर्माण आर० एस० मं० 124/62 (दस्तावेज  
सं० 3175/82)

आर० पी० पिल्लै  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

दारीख 28-4-1983

जोहर :

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस. -----

1. श्रीमती एस० एस० मुमालिनी,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री सूर्य नेहों सुनद्रा

(अन्तरिनी)

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेण-1, मद्रास

मद्रास, 28 अप्रैल 1983

निदेश मं० 11/अक्टूबर/82—यतः मध्ये आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है, की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 50 है, जो भंडार स्ट्रीट, जार्ज टौन, में स्थित है (और उसमें उचाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टरी अधिकारी के नायालय मद्रास, उत्तर दस्तावेज सं० 3220/82 में रजिस्ट्रीएशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात सम्पत्ति की गंद्द है और यहके यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घात प्रतिफल से, ऐसे दूर्घात प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अग्रीन दार देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ल) हुए किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीदों को छिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या राज-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर इस सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-विधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**संशोधन :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 50, भंडार स्ट्रीट, जार्ज, टौन,  
मद्रास-1, (दस्तावेज सं० 3220/82.)।

आर० पी० पल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेण-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनारीख 28-6-83

मोहर :

प्रकल्प नामः टी.एम.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना:

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, भद्रास-

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1983

निर्वेश सं० 12/अक्तुबर/82—पत्रः, मुझे, आर० पी०

पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

आंर जिसकी सं० आर० एस० सं० 4310, टी० एच० रोड़,  
है जो टोडियारपेट, में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीरिटी अधिकारी के  
द्वायलिय शायपुरम, दस्तावेज सं० 1554/82 में रजिस्ट्रेशन  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तुबर  
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्यमान  
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अव्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे अव्यमान प्रतिक्रिया का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे असरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
पत्ति निम्नालीकृत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लालूर में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृह किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के  
दायित्व में कठी करने गा उक्त अन्तरण में सुमिधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट भर्ही विद्या पाया  
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दुष्कृति  
के लिए;

1. श्री शिवरामगुणन

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर० एम० कल्यानी आच्ची ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन भे भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयुक्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल  
तिवित भे किए गए सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या  
गया है ।

अनुसूची

भूमि टी० एच० रोड, टोडियारपेट, भद्रास (दस्तावेज  
सं० 1554/82) ।

आर० पी० पिल्लै  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, भद्रास

तारीख: 28-4-1983

मोहर :

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रहीतः :—

प्रस्तुत नार्द टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

1. श्री एस० सिवराम कृष्णन,

(अन्तरक)

2. श्री आर० एम० ए० मुलू

(अन्तरिती)

### भारत राजकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, मद्रास

मद्रास, विनांक 28 अप्रैल 1983

निर्देश मं० 13/अक्टूबर/82—यतः, मुझे आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० आर० एम० सं० 4310, टी० एच० रोड, है जो टॉडियारपेट, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुरम, दस्तावेज सं० 1558/82 में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आमिस्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

को मह सूचना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीय शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृत्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सूचना

भूमि, टी० एच० रोड, टॉडियारपेट, मद्रास (दस्तावेज सं० 1558/82)।

आर० पी० पिल्लै

सकार प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 28-4-1983

मोहर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एच.-----

1. सिनरामकृष्णन,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री ए० चन्द्रभानु।

(अन्वरिती)

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1983

निवेद्य सं: 14/अक्तूबर/82 यत: मुझे, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर० पास० सं. 4310 है, जो टी० एच० रोड, तोड़ियारपेट में स्थित है और इससे उपावद्ध प्रनुमूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेशन अधिकारी के लायलिय रायपुरम, दस्तावेज सं. 1552/82 में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर 1982 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्ष. ५—

जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यक्तेप्रयोग :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि आर० पास० सं. 4310, टी० एच० रोड, मद्रास-81  
(दस्तावेज सं. 1552/82)।

आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज डी मद्रास

तारीख: 28-4-1983

मोहर :

प्रस्तुत जाइँ, टी. एम्. एस. ----  
 अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

1. श्री एस० सिवराम मुण्णन,

(अन्तरकं)

2. श्री महेष कुमार खादलोया

(अन्तरिता)

भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-1, मद्रास  
 मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1983

निवेश मं० 15/अक्टूबर/82—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राप्तिकारों को, यह प्रिवेस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 'गिरवाचा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है'। और जिसकी मं० आर० पी० पी० रोड, तोंडियारपेट, में स्थित है (और इसमें उपावह अनुसूची में आ) जो पूर्णमूल्य से वर्णित है। जिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के प्रतिक्रिया लायगुरम, दस्तावेज सं० 1551/82 में 'जस्ट्रीज०१७ अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास (अन्तरिताओं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

को यह सूचना जाऊ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित या किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कानूनित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा

मनुसूची

भूमि टॉ० एच० रोड, तोंडियारपेट, मद्रास-1 (दस्तावेज सं० 1551/82।)

बार. पी. पिल्लै

सकाम प्राप्तिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 28-4-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

1. मैसर्सं बी० श्री निवासन, बी० किशोर, कीर्तिवासन और  
एस० छुण्णा  
(अन्तरक)

2. श्री भिक्षमचन्द्र भेड़ ।  
(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1983

निदेश सं० 16/अक्तूबर/82—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व को अधीन राधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 38, बालटाक्स रोड, है जो मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सौकार्यपेट, दस्तावेज सं० के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाऊं किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण 38, बालटाक्स रोड, मद्रास-1,  
(दस्तावेज सं० 437/82) ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

आर. पी. पिल्लै  
नक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, म

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 28-4-1983  
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन, रोज़-I, मद्रास  
मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1983

निदेश सं. 17/अक्टूबर/82—यतः मुझे आरो पी० पिल्लै  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी प्लाट सं. 7 है, जो पेरमाल मुदली स्ट्रीट, मद्रास  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सौकारपेट,  
दस्तावेज सं. 442/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल को लिए क्षतिरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर हनेके अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/वा

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
एवं या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता  
के लिए;

1. श्री लक्मालाल और श्री बेंकटेस औषधालय,  
(अन्तरक)

2. श्री नवाम सिंह  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
मूल्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के ग्रन्थालय  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 7., पेरमाल मुदली, स्ट्रीट, मद्रास  
(दस्तावेज सं. 442/82)।

आरो पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-I, मद्रास

तारीख 28-4-1983

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षितः—

प्रस्तुप बाई० टी० एन० एस० ——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन मुद्दा

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक अधिकार आयक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, मध्याम

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० 19/अक्टूबर/82—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै प्राप्तकर प्रधिनियम, - 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमने परवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की बारा 269-ख के अधीन सत्रम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 7 है, जो पोटियस रोड, अयनावरम में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अन्ना नगर वस्तावेज सं० 1320/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के बृश्यभान प्रतिफल के लिए प्रान्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का सारांग है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यभान प्रतिफल में, ऐसे बृश्यभान प्रतिफल का प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और भ्रम्तरक (अन्तरकों) और भ्रम्तरिती (प्रस्तरीयां) 13% में अन्तरण 4% लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में व्याप्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण में हुई किसी ग्राम सी बाबत, उचित प्रधि-  
नियम के प्रयोग कर करने के अस्तरक के वायिष्व में  
कही जाने या उससे इच्छे में सुविधा के लिए;  
धीरथ

(८) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
जो जिन्हे प्राप्तिय आय-कर प्रधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाथं प्रत्यार्थी हारा प्रकट नहीं किया  
या वा या किया जाता चाहिए या, किसीने  
अपनी अधिकारी के लिए

वर्तमान अधिकारीयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भौतिक उक्त अधिकारीयम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन विवरिति आविष्कार संरक्षित :—

18-96GT/83

१. श्री सी० वेंकटरामन,  
एम० बी० रामचन्द्रन  
(अन्तर्लक्षण)
  २. मैसर्स श्री गोकुल भवन,  
(अन्तरिती)

को एक सुन्दरता जारी करके पूर्वीकर वस्त्रालिंग के अवरोध के लिए कार्यशाहीया करता है।

ज्ञान विभाग के अंतर्गत के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इन नूत्रिता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आँ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसने स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

અનુષ્ઠાનિ

भूमि और निर्माण 7, पोटियास रोड, अपनावरम, (दस्तावेज सं० 1320/82)।

आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
आयुष्ट (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज-१, मद्रास

कारीब : 28-4-1983

मोहर :

प्रस्तुत बाहर् टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकार (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1983

निदेश सं. 20/अक्तूबर/82—यतः सुमि आर० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम अधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. में अधिक है

और जिसकी सं. एम० ए० जी० प्लाट है, जो अन्ना नगर में स्थित  
है 'और इससे उपावद्ध में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अन्ना नगर, दस्तावेज सं०  
1294/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संघीत का उचित बाजार  
मूल्य, उसके स्थान प्रतिफल से, ऐसे स्थान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के हायित्य  
में कमी करने या उससे बचने में सविभाव के लिए;  
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर्ता अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभाव  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ललिता विवेकानन्दन,

(अन्तरक)

2. श्री जाम जोसफ

(मल्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित में कोई भी वास्तेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
दद्दन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में कोए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये  
गया है।

मद्रास

एम० ए० जी० प्लाट, (दस्तावेज सं. 1294/82 )।

आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आबूर्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख 28-4-1983 :

साहूर :

प्रस्तुत आहे. टी. एल. एस. -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1983

निदेश सं० 21/अक्तूबर/82—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट सं० 1489 है, जो ए० ए० नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अन्ना नगर, दस्तावेज सं० 1369/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

1. श्री डी० गोपाल कुण्डन,

(अन्तरक)

2. श्रीमती गायत्री गोपाल कुण्डन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रथम शब्दों और वर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ग होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

(क) अन्तरण है इह किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/का

मनूसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी भत या अन्य आस्तीयों को, जिन्हे भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण 1481, ए० ए० नगर, मद्रास-2  
(दस्तावेज सं० 1369/82 ) ।

आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I; मद्रास

अंतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्भातः :—

तारीख: 28-4-1983

मोहर :

प्रमुख प्राई. टो. एन. एस. ----

1. श्री वी. गोपालन,

(अन्तरक)

2. श्री सी. आर. वेंकटसुब्बयन

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1983

निदेश सं. 22/अक्तूबर/82—यतः मुझे आर. पी. गोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट सं. 2367 है, जो अन्ना नगर में  
स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1982

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं कहा गया है :—

यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहीहोना करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर दस्तावेज वाले अधिकारी के पास  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
विभिन्न में किए जा गएगे।

**प्रबोधकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;  
और/वा

भूमि सं. 2367; अन्ना नगर (दस्तावेज सं. 1372/  
82) ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्या आस्तीनों  
के, जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

आर. पी. गोपालन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज I, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख 28-4-1983

मोहर :

ਮੁਹੱਲ ਵਾਡੀ ਪੜ੍ਹੇ ਏਥੋ

## 1. श्री साम डिपो पहारिया

(अन्तर्रक्ष)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सख्ता

## 2. पीठर कायो

( अन्तर्गती )

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आद्यकर आयुन्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मध्दास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1983

को यह सूचना आरी करके पूछेंकर सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पर्क के वर्जन के सम्बन्ध में कोहौ भी आशेप :-

निर्देश सं० 25/अक्तूबर/82—यतः मुझे आर० पी० पिलै  
आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
261-म् वे अधिनियम उत्तर प्रान्त कारोने द्वारा यह अधिनियम करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 1074 है, जो अन्ना नगर में स्थित है (और इससे उपारबढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अन्ना नगर दस्तावेज सं० 1438/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक अक्षतब्दर 82

को पूर्वोंकर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, ऐसे अध्यमान प्राप्तफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक हृष से कठिन नहीं किया गया है:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(८) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख द्वंद्वे  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते।

**स्वच्छीकरण:-**—इसमें प्रयुक्ति शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बचत उसके अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर्ण/मा

अमरावती

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण सं० 1074, अन्ना नगर (दस्तावेज सं० 1438/82)।

आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, प्रैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 28-4-1983

संग्रह

प्रलेप आई.टी.एन.एस. - - -  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, मद्रास

मद्रास दिनांक 28 अप्रैल, 1983

निकेश सं० 29/अक्टूबर/82—यतः मुझे आर०पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 10/7ए 1 है, जो बौद्धिनायकनूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सेंद्रमंगलम, दस्तावेज सं० 536/82 541/82 तथा 550/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वस्तु उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीय को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अनुसरण में, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री आर०पी० पिल्लै,  
हावरा जिला, बेस्ट बंगाल  
(2) नागर तिनम्माल  
(3) एन०पी० वेंकटदास

(अन्तरक)

2. मैसर्स रत्ना थियेटर्स प्राइवेट लिमिटेड,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माझेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्त्वावन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भगि बौद्धिनायकनूर एस० सं० 10/7ए 1, (दस्तावेज सं० 536, 541 तथा 550/82)।

आर०पी० पिल्लै  
मध्यम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेज I, मद्रास

तारीख: 28-4-1983

माहूर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

1. जी० पिल्लै

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. पी० के० एस० अहमद मीरान

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० 31/अक्तूबर/82—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० वार्ड सं० 23, स्वामी नेलैथप्पर हार्ड रोड,  
है, जो तिरुनेलवेली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के  
कार्यालय तिरुनेलवेली, दस्तावेज सं० 1626/82 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर,  
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वार्ताविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करने के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
लिए कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वर्णांकरण :—इसमें प्रयुक्त संबद्धों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये  
जौर/या

भूमि और निर्माण वार्ड सं० 23, स्वामी नेलैथप्पर,  
हार्ड रोड, तिरुनेलवेली, (दस्तावेज सं० 1626/82 ।)

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किसी जाता आवृण्ण था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, मद्रास

यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षातः—

तारीख 28-4-1983

मोहर :

प्रख्य प्राईंटी टी० एन० एस०---

1. श्रीमति सी० पदमावती

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
289-व (1) के अधीन सूचना

2. (1) कुमारी पीम सुगन्धि  
(2) श्रीमती एच० सुशीला ।

(अन्तरिक्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

जी यह सूचना जारी करके रूपौँस सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए काबैबाहियों करता है।

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1983

निदेश सं० 34/अक्टूबर/82—यह: मुझे आर० पी० पिल्लै  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (प्रिये इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-व के  
अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास दर्तने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, उन्हाँना उन्हाँना गांगार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है।

और जिसकी सं० टी० एस० 1214/1 तथा 2 है, जो 2/32 जे,  
राजामिल रोड, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है राजिस्ट्रीकर्ता के  
कार्यालय फदमन्डपम, दस्तावेज सं० 558/82, 559/82,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त उम्माने के टिकित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरिक्त की जाई है और पूर्ण यह विश्वास करने  
का कारण है कि प्रवायूशन्त सम्पत्ति का उन्नित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिक्रिया ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का वर्षह प्रतिक्रिया  
से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों)  
के गोष्ठ ऐसे घन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया,  
निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कुचित नहीं किया गया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोप ।—

(क) इति सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारी पर दूचना की  
जामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
नमाप्त होती है, के भीतर रूपौँस अधिकारी में से किसी  
अधिक द्वारा;

(ख) इति सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
प्राय अधिकत द्वारा, प्रभोद्वस्ताकरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्थानोँका:**—इसम परबन गाँवों और पटों का, जो उक्त  
अधिनियम के अड्डाय 20 के परिमाणित  
है, वही गाँव होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से इद्दृशी गाँव की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या इसमें वर्चन में नुविद्धा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 2/32 जे, राजामिल रोड, (दस्तावेज  
सं० 559/82 तथा 558/82, मदुरै।

(ख) ऐसी किसी आत पा फिसी बन गा अथ आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) पा उक्त अधिनियम, पा घन्तकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के घमोजमाथे अन्तरिक्ती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, तिन्हाँने में नुविद्धा के लिए;

आर० पी० पिल्लै  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

ग्राम अरा ग्रामिणत की उद्दा 2330 के प्रस्तुतण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 289-व को उपचारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अधिकारी समर्त् ।—

तारीख: 28-4-1983

मोहुड़

प्रलेप आई० टी० एस० एस०---

(1) श्री नवल गौनडर और अन्यों

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1983

निदेश सं० 43/अक्तूबर/82—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य और जिसकी सं० है तथा जो नेहन्नुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इडपाडी वस्तावेज सं० 963/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, में 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 82 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्षण) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं 'किया गया है' :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कह दिये जे प्रतिफल है; यादिन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

घनसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उक्तकर अधिनियम 1957 (1957 का ७) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या अपाने में सुविधा के लिए;

आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
(महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

भूमि—नेहन्नुलम (दस्तावेज सं० 963/82)

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19—96GI/83

(1) श्री नवल गौनडर और अन्यों  
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या उत्तमव्याप्ति व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि या उत्तमव्याप्ति में समाप्त होती है, के भीनर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

दिनांक: 28-4-83

मोहर :

प्रकृष्ट प्राप्ति आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री वी.० करुण घोड़ेर और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नल्ल घोड़ेर और अन्य

(अन्तरिक्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1983

निवेश सं. 43ए०/अक्तूबर/82—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. है, तथा जो तेढ़नगुलम में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इडपाडी में दस्तावेज सं. 963/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जाक्षण्य—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है; वही अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया गया है

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक से दानिन्द्रण में नहीं कर दने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को दिनहै भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि नेढ़नगुलम (दस्तावेज सं. 963/82)

आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 28-5-1983

मोहर :

प्रस्तुति, बाइंस टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती गोमती

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती राजांति अम्माल

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1983

निवेश सं. 55/अक्तूबर/82—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. है तथा जो कीरकाड और पुलूर  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरकाड में  
दस्तावेज सं. 364/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1982  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कोइशमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—(क) अंतरण से कुई किसी आय की बावजूद, उक्ते  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिहे भारतीय आय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रासअतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 28-4-1983

मोहर:

प्रख्यात बाहरी एवं अन्तर्रक्षण

(1) श्री आरो विजय रथुनाथ दोडेमान

(अन्तर्रक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) गंद्रावलस प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तर्रिती)

## भारत चारकाल

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1983

निर्देश सं. 47/अक्षतूबर, 82—अतः मुझे, आरो पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. रो अधिक है

और जिसकी सं. पृष्ठ 5 सं. 64 है तथा जो कोडेकनाल जिला में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोडेकनाल दस्तावेज सं. 420/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्षतूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्रक्षण (अन्तरक) और अन्तरिती अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि 2 एकरस और 25 सेंट, कोडेकनाल (दस्तावेज सं. 420/82)

आरो पी० पिल्लै  
सभम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 28-4-1893

मोहर :

प्रख्य बाई. टी. एम., एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

- (1) श्री वी आर० एम० एम० एस० पी० एस० वी० एम०  
सेवुगन चट्टियार  
(अन्तरक)
- (2) श्री वी० रामस्वामी चट्टियार  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1983.

निर्देश सं० 50/अक्टूबर/82—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20/1 और 21/4 है तथा जो अलिकुलम में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तललाकुलम दस्तावेज सं० 4653/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 82

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रौद्योगिक अन्तरण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी तरफ पा किसी तरफ आय ग्राहितीयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) गा उक्त अधिनियम या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितभूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4. 27 एकरा भूमि, अलिकुलम, मदुरै (दस्तावेज सं० 4653/82)

आर० पी० पिल्लै  
सभाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीकण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 28-4-83

मोहर :

प्रस्तुप बाइ.टी.एन.एस.-----

(1) श्री चिन्मस्वामी नायडु और सुभद्राम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती वी. जयचन्द्रन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1983

निर्देश सं. 52/अक्टूबर/82—अतः मुझे, आरो पी०  
पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. है, जो नगल गांव में स्थित  
है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडियातम दस्तावेज  
सं. 7169/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908.

(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं. कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**पृष्ठीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अंतरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

10.11 एकरा भूमी नगल गांव (दस्तावेज सं. 7160/

82)

आरो पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

क्षतः अम्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक: 28-4-83

मोहर :

प्रकृष्ट वाइ.टी.एस.पर्स.-----

(1) श्री बी० एस० गोपालकुमार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० सूर्यनारायण चट्टि

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1983

निर्देश सं० 54/अक्टूबर/83—अतः मुझे आर० पी० पिल्ले  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो जगन्नाथपुरम  
में स्थित है (और इससे उपावत्तु अनुमूली में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुण्ड  
गिरी दस्तावेज सं० 1748/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1982  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्षयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विवाह  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इक्षयमान प्रतिफल से ऐसे इक्षयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाशत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुमूली

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भद्र-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ बनाई दृष्टारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में  
सुविधा के लिए;

18. 74 एकड़ा भूमि, जगन्नाथपुरम, तंगड़िकुप्पम (वस्ता-  
वेज सं० 1748/82)

आर० पी० पिल्ले  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-4-83  
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस., ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काशलिय, सहायक आयकर आयुक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल, 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 61, रक्तिनस्वामी स्ट्रीट है तथा जो अप्रदान पट्टी में स्थित है (और इसमें उपादव अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, याङ्गपट्टी दस्तावेज सं० 1526/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिरी (अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृढ़ किसी जाय की बावजूद, सुख्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अच्छने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्ते भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में संविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि और निर्माण 61, रक्तिनस्वामी स्ट्रीट,  
अप्रदानपट्टी, (दस्तावेज सं० 1526/82)

आर० पि० पिल्ले  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

जन: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एस० मेय्यप्पन और श्रवरस

(अन्तरक)

(2) श्री ए० राजगोपाल चंद्रिपार

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे [ii].

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

दिनांक: 28-4-83

मोहर:

प्रलैप आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती 1. सोविजान, 2. अस्लाम, 3. टी० आमीना,  
4. टी० इसरत जमीन ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स नाजर शाहीन एन्ड को ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-11, मद्रास

मद्रास-11, दिनांक 4 अप्रैल 1983

निर्देश सं० 84/अक्टूबर/82:—यतः, मूल्य, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 5, वेपेरि हाई रोड है जो मद्रास 3 में स्थित है (अं० इससे उपावन्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरिमेठ दस्तावेज सं० 1374/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 19 (081908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के कायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहान था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

20—96GI/83

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 5, वेपेरि हाई रोड, (दस्तावेज सं० 1374/82) मद्रास ।

आर० पी० पिल्लै  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज-1, मद्रास ।

तारीख : 28-4-1983.

मोहर :

प्रस्तुप आइ॰.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अंगमुलु भाजारी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अंगमुलु ।

(अन्तरिती)

भारत राजपत्र

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1982  
निवेश सं० 85/अस्तूबर/82:—यतः, मुझे, आरो पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 47, सिफुल मुल्क स्ट्रीट है, जो पुडुपेट में स्थित  
है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट दस्तावेज सं०  
1377/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
मन्दह प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निर्णित में वास्तविक  
रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/मा

अनुसूची

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय सहायक आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) द्वा उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 57, सिफुल मुल्क स्ट्रीट, (दस्ता-  
वेज सं० 1377/82) पुडुपेट ।

आरो पी० पिल्लै  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 28 अप्रैल, 1983

मोहर :

प्रकाश बाई<sup>१</sup>, एटी. पर. एच. ८८८८८

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1983

निवेश सं० 86/अक्तूबर/82:—यतः, मृम्म, आर० पी०  
पिलै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000 रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० है, जो 44, मकनिकलस रोड, सेतपद में स्थित है  
(और इससे उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीरी अधिकारी के कार्यालय, परियमेठ दस्तावेज सं०  
1392/82 में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापारिक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) बस्तुतु इसे हरौ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

(1) कुमारी हतीजा भाई और उकिया रहमान।

(अन्तरक)

(2) कुमारी बी० के० शामीन अब्दुल्ला।

(अन्तरिती)

के यह सूचना थाई करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर उक्त सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इद सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उपोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 44, मकनिलक्ष्मी रोड,  
मद्रास।

(दस्तावेज सं० 1392/82)।

आर० पी० पिलै  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-1, मद्रास

तारीख : 28 अप्रैल, 1982

मोहर :

प्रध्यं बाई० टी० एन० एच०-----

(1) श्री पी० आर० तियागराजन ।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती पातिमा नूरीन ।

(अन्तरिती)

आठ रुक्कड़

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूल (निरीक्षण)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

अर्जन रंज-11, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ० भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 28 अप्रैल 1983

निवेश सं० 87/अक्तूबर/82:—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट सं० 15, डाक्टर टी० वी० नायडू, स्ट्रीट है  
जो सेलेपट में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरिवा  
दस्तावेज सं० 1400/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1982  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिभाव  
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृष्टिभाव प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिभाव प्रतिफल का  
ऐसूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर किसी भाव की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दृष्टिभाव में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

अनुसूची

(क) ऐसी किसी भाव या किसी भूमि या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

भूमि और निर्माण सं० 15, डाक्टर टी० वी० नायडू, स्ट्रीट ।  
सेल्मट

आर० पी० पिल्लै  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, मद्रास ।

यह: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

तारीख : 28 अप्रैल, 1983

माहूर :

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1983

निदेश सं. 71/सितम्बर/82—यतः मुझे, आर० पी०  
पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'जक्षन अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विविहा उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. में अधिक है  
और जिसकी सं. है, जो गंगवल्ली गांव में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अन्तर्भूती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के द्वारा लिय, सेलम दस्तावेज सं. 3414/82 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-  
रिती (अंतरितियों) के दीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
धारात्विक रूप में कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बदने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी वर्धातुः।—

(1) श्रीमती यथीस्वरी तारदा प्रिया ।

(अन्तरक)

(2) सेंगोड गौडर, 2. पलनिवेल, 3. मानिक्कम  
(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुल्क करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में हुई श्री भास्कर—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या दस्तावेजी अधिकारी पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन तक अवधि, जो भी  
अवधि बाबत में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारी में से किसी अधिक दृष्टान्त

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य अधिक दृष्टान्त अधिकारी के पास  
सिवित में किए जा सकें।

स्पष्टांकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसंधी

भूमि-17.51 एकड़, गंगवल्ली गांव।

(दस्तावेज सं. 3414/82)।

आर० पी० पिल्लै  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 6-5-83

मोद्दुर

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री ईशारदार एच० भाटिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स नहार कन्स्ट्रक्शन, बम्बई 400 023

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बंबई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1983

निर्देश सं० ए० आर०-१/४८५७/८३-८४—अतः मुझे  
आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एम० न० ७८ औफ मलबार और  
कंवाला हिने डिवीजन है तथा जो बालकेश्वर में स्थित है (और  
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4  
सितम्बर 1982

डॉक्यूमेंट नं० 781/80/बॉम

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
पासविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाय (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ईशारदार एच० भाटिया

(2) मैसर्स नहार कन्स्ट्रक्शन, बम्बई 400 023

3.

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी)  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों द्वारा दिलाई गयी अवधि द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थानिकरण:**—इसमें प्रयुक्त संबद्धों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या 781/80/बॉम और जो  
उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 4-9-1982 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

आर० के० बकाया  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक : 7-5-1983

माहौर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. ----

(1) श्री अजय सेन, श्रीमति हसद्वानी सेन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री शेखर कुमार घोष, श्रीमती मालविका घोष  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकता (निरीक्षण)

अर्जन रेज 4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० ए० सी० 13/रेज-4/कल०/1983-84—यतः  
मुझे, सिं० रोब्बामा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 93 है तथा जो बालागढ़ जिला हुबली में  
स्थित है (और इससे उपाढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुबली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 30 सितम्बर, 1982को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृश्या प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अधेप : —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

जमीन—11.65 काठा जमीन का साथ मकान।  
पता—मौजा बालागढ़ थाना चुचुरा, जिला—हुबली।  
दलिल सं०—1982 का 7981।

सिं० रोब्बाम

मकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकता (निरीक्षण)

अर्जन रेज 4, कलकत्ता

दिनांक : 4-5-1983

मासूर :

प्रसूप बाहौदरी, एन. एस. -----

(1) श्री दशरथ प्रसाद जयसवयाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रयामलाल खानडेलवयाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकालियों करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० १० सी० १५/रेज-४/कल०/१९८३-८४—यतः  
मुझे, सिंह रोद्धामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ९४ है तथा जो सिंह रोड़, हावड़ा में स्थित  
है (और इससे उपाद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रजिस्ट्रीकर  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
1 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम को अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भी  
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन—४ काल

पता—९४, "सि" रोड़, याना—लिलुया, जिला—हावड़ा।

दिनांक सं०—१९८२ का 2081।

सिंह रोद्धामा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज 4, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के मनस्तरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 4-5-1983

माहूर :

प्रध्याय आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री दर्शन एवं प्रसाद जयसवाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री ओम प्रकाश खानडे लवाल

(अन्तरिती)

269-ष (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, विकास 4 मई 1983

निर्देश सं० ए० सी० 14/रेज-4/कल०/1983-84—यतः  
मुझे, सिं० रोबीमा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 94 है तथा जो सिं० रोड हावड़ा में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन)  
दिनांक 1 सितम्बर 1982को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिक्रिया से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तर्फ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण सिद्धित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

जमीन—8 फाटी

पता—44 सिं० रोड थाना—सिलुआ जिला—हावड़ा में  
दालिल सं०—1982 का 2082।सिं० रोबीमा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-4, कलकत्ताअतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तर्कृत—

प्रलेप बाई, टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती प्रतिमा सुन्दरी हानरा और दूसरा  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री नव कुमार मारिक और दूसरा  
(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायदाहीयां करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

अर्जन रेंज-4 कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 7 मई 1983

निर्देश सं. 1284/एक्यूग्रार. II/क्ल. 83-84—यतः मुझे,  
एम० अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 33 है तथा जो साहित्य परिषद स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन दिनांक 18 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तंय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्ति रही किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

अनुसूची

33 साहित्य परिषद स्ट्रीट कलकत्ता] 3 कट्टा-13 कुटांक  
31 स्केयर फोट जमीन।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में संविधा के लिए;

एम० अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4 कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 7-5-1983

मोहर :

प्रस्तु आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

- (1) श्री नरसिंह सहाय मदन गोपाल इंजीनियर्स प्रा०  
लि०।  
(अन्तरक)  
(2) श्री ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन  
(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 3, कलकत्ता  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
कलकत्ता, दिनांक 2 मई 1983

निदेश सं० 1282/एक्यू० आर-III/83-84—यसः मन्त्रे,  
एम० अहमद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
और जिसकी सं० 55 है तथा जो इंजरा स्ट्रीट कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपावट अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीबर्ट अधिकारी के बां लिय बलकत्ता में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 7 मितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रुद्धमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके रुद्धमान प्रतिफल से, ऐसे रुद्धमान प्रतिफल का पञ्चह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अधेष्ठ :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियाँ भौं से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्थावरकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

प्लाट, 5वीं फ्लोर, बल्क—7 55, इंजरा स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(क) अन्तरण से हूँ द्वारा किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
को जिन्हें भीतरीय आय-कर अधिकारी, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

एम० अहमद,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 3, कलकत्ता

**अस्त:** अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

दिनांक : 2-5-1983

भोहर :

प्रस्तुत अहम्.टी.एम.एस.-----

(1) श्री नरसिंह सहाय मदन गोपाल इंजीनियर्स प्रा०  
लि०  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 मई 1983

निवेद सं० 1283/एक्यू.आर.—III/83-84—पतः मझे,

एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी में 55 है तथा जो इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूरी रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय कलकत्ता में,  
राजिस्ट्रीवरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक, 7 सितम्बर, 1982।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके रख्यमान प्रतिफल से, ऐसे रख्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
प्रतिशत (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
जाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(2) ट्रेडिंग कापेरेशन

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाष्ठेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोल्लस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अंतरक वे  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्लाट 5वीं फ्लोर, कलक्ता—8, 55, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता

एम० अहमद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 3, कलकत्ता

मतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांकः 4-5-1983

मोहर :

प्रमुख आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदश सं० आर० ए० सी० नं० 45/83-84—यतः मुझे,  
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सथान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 40-1-135 है, तथा जो लाभ्वीपेटा विजय-  
वाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्मूल्यी में और<sup>पूर्ण</sup> रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रथ्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके रथ्यमान प्रतिफल से ऐसे रथ्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) बन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के वायिष्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आपौसणों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) आटोपिन लिमिटेड, 8/73 आर० पी० रोड़,  
सिक्किन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) दी लक्ष्मी गणपाती पेपर एजेंसी, जैन टेप्ल विधि  
तेनाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
बर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मूल्यी

घर नं० 40-1-135, लाभ्वीपेटा, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण  
877-3 चतुर भीटर्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10027/82  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 4-5-1983

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत बाईं. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 44/83-84—यतः मुझे,  
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 40-1-135 है तथा जो लाल्हीपेटा विजय-  
वाड़ा में स्थित है (और इससे उपावट अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्त यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बौद्धि/आ

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तीयों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
लालिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जाटोपिन लिमिटेड, 8/73, राष्ट्रपति रोड, सिंकिदराबाद  
(अन्तरक)

(2) जगदीश देव प्रोडक्ट्स (पी०) लिमिटेड, 49-1-  
135, लाल्हीपेटा, विजयवाड़ा-10  
(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा अपोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित है,  
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।  
गया है।

मनूसूची

घर नं० 40-1-135 लाल्हीपेटा, विजयवाड़ा विस्तीर्ण  
3265.25 घरुर गज, रजिस्ट्रीकरण विलेख नं० 10026/82  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 4-5-1983

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भाइत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 43/82-83—यतः मुझे  
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/बी और अन्य है, तथा जो रुशीकोंडा  
वैजाग में स्थित है (आंतर इससे उपरबढ़ अनसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
वैजाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्नह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई जाने की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बाइ/या

(ख) एसी जिसी आय का किसी भन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोचनार्थ अन्तरिरी इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

(1) एस० अश्वा कुमारी, पत्नी एस० नारासिंह राव  
येंद्राडा, वैजाग।

(अन्तरक)

(2) सी० एस० वी० नारासिंह राव भारणी, वालतेर  
अपलेंडस, वैजाग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्ति में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भैं हिंतबढ़ि  
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताकरी के पास  
सिवित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

जगन्नाथ

जगन्नाथ रुशीकोंडा वैजाग, सर्वे नं० 2/बी से 3 सी  
11, 12, 14 और 14 ए, विस्तीर्ण 1 याकर 12 1/2 सेंटर  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9614/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
वैजाग।

एम० जगन मोहन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभाय (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधर्त् :—

दिनांक : 4-5-1983

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निरेश सं० आर० ए० सी० नं० 42/83-84—यतः मझे,  
एम० जगन मोहन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के  
अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
प्रधिक है

और जिसकी सं० —— है, जो खण्डिकोंडा वैजाग में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैजाग में भारतीय रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक सितम्बर, 1982।

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रबन्धण के लिए, तथ यापा गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं हित नहीं है :—

(क) अन्तरण में हूई किसी आय को बाबत उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आविष्ट में कमा-  
करने या उसमें भवने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितियों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा  
के लिए।

यतः यत्, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) एस० अहणा कुमारी, पति एस० नरसिंहराव,  
येंद्राडा, वैजाग।

(अन्तरक)

(2) सी० वी० अष्टपुत्राराव भराणी, वालसोर आलेडस,  
वैजाग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तारसम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रत्यु बादमें  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से  
किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी बन्ध अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन खण्डि कोडा, वैजाग सर्वे नं० 2ए, 3ए,  
3-4-5-6-7-8(पी) 9-10-14 ए (पी) विस्तीर्ण  
1 एकड़ 12 1/2 सेंटस, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैजाग रजिस्ट्रीक्यू  
विलेख नं० 9615/82।

एम० जगन मोहन,  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 4-5-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निम्नों संबंधी आरोपी एवं संबंधी विवरों की सूचना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन संपत्ति के उचित आयकर आयुक्त से प्राप्त हुई है।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संपत्ति प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आयकर मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संबंधी आरोपी एवं संबंधी विवरों की सूचना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन संपत्ति के उचित आयकर आयुक्त से प्राप्त हुई है। अतः इसमें उपाधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयानगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित आयकर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आयकर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लेखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) हेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

22-96 GI/83

(1) श्रोमती छंशमणी देवी, पती लेट राजन्द्राप्रसाद, कंटोनमेंट, विजयानगरम।

(अन्तरक)

(2) विजयानगरम सौत ईस्टरन रेलवे एमपलाईस कोअपरेटिव बिल्डिंग सोसायटी, नं० 20/71, विजयानगरम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खला जमीन कानापाका विजयानगरम नं० 2071, विस्तोर्ण 0.88 सेट्स, रजिस्ट्रीकर्ता विजयानगरम रजिस्ट्रीक्ट विलेख नं० 4109/82।

एम० जगन मोहन  
संस्थापक अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 4-5-1983

महर :

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० आरा० ए० सी० नं० 40/83-84—यथा: मुझे,  
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 8/2 ए, 2वी है, तथा जो रुशिकोडा वैजाग  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीटर्स अधिकारी के धर्मालय, देहांग  
में भारतीय रजिस्ट्रीटरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
अधीन दिनांक भित्तम्बार, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पंचवह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यथा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्त्तमान:

(1) श्री एम० अप्पाम्पा, पिंडा लेट एम० चंद्रम्या, रुशिकोडा  
येंदाडा, वैजाग।

(अन्तरक)

(2) दि कुण्णा कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी  
लिमिटेड, नं० बी० 1624 वैजाग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीय प्रक्रिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राप्तवैक्षणिक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिका द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी वन्य व्यक्तिका द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
सिवित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

खुला जमीन रुशिकोडा, येंदाडा पोस्ट, वैजाग, सर्वे नं०  
8/2 ए और 8/2 बी, विस्तीर्ण 0.70 सेंटस, रजिस्ट्री  
बिलेख नं० 9633/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैजाग।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 4-5-1983

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(1) श्री एस० नीलाम्मा, लालिता कालोनी, वैजाग-I  
2. एस० पापाराव, पिता लेट रामाराव, वैजाग-20  
(अन्तरक)

(2) कै० गुराशा और अन्य, सिद्धावल्लुना बीघी, विजया-  
नगारम्।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 39/83-84—यतः मुझे,  
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 29-6-3 है तथा जो वैजाग में स्थित है  
(और उससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैजाग में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरिक्त की गई है और भुक्ते यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

मृगसूची

चर वैजाग में नं० 29-6-3, डावा गारडेन्ट, शिरीर्ग  
796 चुरुगज, रजिस्ट्रीक्ट क्लिक्ट नं० 9838/82 रजिस्ट्रीक्ट  
अधिकारी वैजाग ।

एम० जगन मोहन  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 4-5-1983

मोहर :

श्रम्प बाहुँ दी. पर. एव.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भाउत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 38/82-83—यतः मुझ,  
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 20801 है तथा जो विजयावाड़ा में  
स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयावाड़ा  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक, सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास  
करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चावेद्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आम की बाबत उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के अधीन काट देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आम कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती ब्याए प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अथ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० सुब्रामनयेस्वारा राव, गवर्नरपेटा,  
विजयावाड़ा।

(अन्तरक)

(2) के० सामराज्याम्मा, सूरशाराव पेटा, विजयावाड़ा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
पर्याप्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तर्जाली

खुल्ला जमीन गवर्नरपेटा, विजयावाड़ा विसीर्ण 193.8  
चतुर गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9714/82 रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी विजयावाड़ा।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 4-5-1983

मोहर :

प्रसूप आई टी. एच. एफ. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 37/83-84--यतः मुझे,  
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 20801 है तथा जो विजयावाड़ा में  
स्थित है (और इससे उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयावाड़ा  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्री बी० मानेस्वारा राव, पिता नारायणमूर्ति गवर्नर  
पेटा, विजयावाड़ा।

(अन्तरक)

(2) के० सीतारतनाम्मा, पति रामादासु, सूर्यारबपेटा  
विजयावाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मूल्यांकन

खुला जमीन वार्ड नं० 9 में गवर्नरपेटा, विजयावाड़ा  
विस्तीर्ण 193.8 चतुर गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9715/82  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयावाड़ा।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

बहुत अच्छा उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अधारि :—

दिनांक : 4-5-1983

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 36/83-84—यतः मुझे,  
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य  
25,000/-रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० नं० 20801 है तथा जो विजयावाड़ा में  
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयावाड़ा  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक, सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

अनुसूची

(क) अंतरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूचिधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उसके अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा  
के लिए।

(1) श्री निरंजनराव, पिता, नारायण मूर्ति विजयावाड़ा । ५

(अन्तरक)

(2) वै० राज्या लक्ष्मी, प्रजासक्ती नगर, विजयावाड़ा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोल्लासधरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

खुल्ला जमीन वार्ड नं० 9, गवर्नरपेटा विजयावाड़ा में  
विस्तीर्ण 193.8 चतुरंगज रजिस्ट्रीक्यूट विलेख नं० 9717/82  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयावाड़ा ।

एम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

| विनांक : 4-5-1983

प्रस्तुप. आई. टी. एन. एस. -----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 35/83-84—यतः मुझे,  
 एम० जगन मोहन,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है  
 और जिसकी सं० असेसमेंट नं० 20801 है तथा जो विजयवाड़ा  
 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप  
 से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा  
 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
 के अधीन दिनांक, सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त रूप से का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब  
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 कार्यालय में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
 प्रथमनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
 के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् :—

(1) बी० सत्यवती पिता जलया, गर्वनपेटा, खिजय-  
 वाड़ा

(अन्तरक)

(2) वाई० त्रिमति प्रजाशक्तिनगर, विजयवाड़ा।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, गर्वनपेटा, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 193.8  
 चौ० गज रजिस्ट्रीड्रॉप विलेख नं० 9713/82, रजिस्ट्रीकर्ता  
 अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन,  
 सभी प्राधिकरी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 4-5-1983

मोहर :

## प्रस्तुति शाही टी. एम. एच.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

## आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 35/83-85—यतः मुझे,  
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है),  
की भारा 269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० असेसमेंट नं० 20801 है तथा जो विजयवाड़ा  
में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1008 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान श्रिं-  
फल के लिए अन्तरित की जाए है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित छंडोल से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य व्यक्तिगत  
को जिस्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या सम-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवतार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सहित के लिए;

(1) श्री बी० के० मल्लेश्वर राव पिता न तारायणमृति  
विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्री के० गोवर्धनराव पिता रामदासू, मूर्यारावपेटा,  
विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिमापित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, गव्हर्नरपेटा, विजयवाड़ा, बांडे नं० 9, बी०  
नं० 9, एन० टी० एस० नं० 376, एम० वार्ड नं० 24, विजयवाड़ा,  
विस्तीर्ण 193.8 चौ० गज रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 9718/82,  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन,  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

दिनांक : 4-5-1983

मोहर

प्रलूप आइ०.टी०.एन०.एस०.-----

(1) श्री डॉ० जेसूवाम वैगीरे पेदाकाकनी, गूदूर, जिला  
(अन्तरक)(2) दि जया को—आपरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी,  
लि० गूदूर।

(अन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद  
हैदराबाद, दिनांक 4 मई, 1983निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 33/83-84—यतः मुझे,  
एम० जगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक हैऔर जिसकी सं० 483 है तथा जो पेदाकाकनी गूदूर में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूदूर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक सितम्बर, 1982।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उगके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा  
के लिए; और/या(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा  
के लिए;

अनुमूली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।खुली जमीन डॉ० नं० 483 विस्तीर्ण 1.05 सेंट्स,  
पेदाकाकनी, गूदूर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9322/82, रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी गूदूर।एम० जगन मोहन,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबादअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

23—96 GI/83

दिनांक: 4-5-1983

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई, 1983

निर्देश मं० आर० ए० सी० नं० 32/83-84—यतः मुझे,  
एम० जगन मोहन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित धारार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० आर० ए० सी० नं० 125 है तथा जो महारानीपेटा,  
वैशाग में स्थित है (और इसमें उपाद्वंश अनुगूमी में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैशाग  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसके यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वायत्व में करने या उसमें बचने में मूल्यांकन के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरक्षणों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाग प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मरणपा  
के लिए।

अन्तः अन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, अन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एम० वेंकेश्वर राव पिता आनुवारामस्या,  
और अन्य, तीन, जयकृष्णापूरम, राजमंडी  
(अन्तरक)  
(2) जीवनदान मेडीकल इंटर प्राइवेट, प्रा० लि० वैश्वा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन, महारानीपेटा, वैशाग, टी० एस० नं० 125,  
रजिस्ट्रीक्युल विलेव नं० 9580, 9528, 9529 और 9527/82,  
विस्तीर्ण 989 और गज रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैशाग।

एम० जगन मोहन,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-5-1983  
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत दंतरक्षण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई, 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 31/83-84—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 26-15-22 है तथा जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1982।

कार्यालय संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की भित्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) वी० दुर्गाराव, पिता, अलागाराव्या नायडू, बुंडाली-वारी बीधी, गांधीनगरम, विजयवाड़ा।  
(अन्तरक)

(2) श्री टी० वी० कार्लनाकारा राव, पिता सत्यवारा प्रसाद, न्यू हिन्दू हाई स्कूल, कोसापेट, विजयवाड़ा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लॉइ भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस व गया है।

अनुसूची

घर नं० 25-15-22, टी० एस० नं० 911/सी, बुंडाली-वारीबीधी में विस्तीर्ण 139-1/2 चतुर गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10105/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जगन मोहन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक: 4-5-1983

मोहर :

प्रस्तुप् बाईं. टौ. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई, 1983

निर्देश सं 30 आरो १० सी० नं० 30/83-84—यतः मुझे,  
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. प्रम० नं० 13, है तथा जो पूर्णोत्तमपूरम,  
बैंकाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बैंकाग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1008 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक, सितम्बर, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उड्डेश्य से उक्त अंतरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के  
दायित्व में कमाई करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा  
के सिए;

जस्ते अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वाई० सी० एच० अप्पालास्वामी और अन्य,  
पांच, बैंकाग।

(अन्तरक)

(2) दि इस्टर्न इलेक्ट्रो मैग्नीज, (प्रा०) लि० 11-2-16,  
प्रसाद, दसपाला, हिल्स, बैंकाग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-  
बहूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन, सर्वे नं० 13, पूर्णोत्तमपूरम, बैंकाग, रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी बैंकाग विस्तीर्ण छ: में से चार ०.५०, ०.२२  
एकरस, और ०.५५ एकरस रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० ९०३८/  
८२, ९०४४/८२, ९०३७/८२, ९०३६/८२, ९०३५/८२, ९०८५/  
८२।

एम० जगन मोहन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 4-5-1983

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई, 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 24/83-84—यतः मुझे,  
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० ए० नं० 125 है तथा जो यदाया  
वैश्वाग में स्थित है (और इससे उपावच्छ अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तवियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्री के० गुरुमूर्ति, पिता नरसीम्हलू, और अन्य, तीन,  
वैक्षण।

(अन्तरक)

(2) शांति निकेतन को—आपरेटिव हाऊस बिल्डिंग  
सोसाइटी लि० वैक्षण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अधीन के निय०  
एतद्वारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना  
को सामील से 30 दिन की अवधि, जो सी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों  
में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस मूलता के राजपत्र ने प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी प्रत्येक अवित्त द्वारा, प्रबोहस्तानी  
के पास नियित में किए जा सकेंगे।

संबोधकरण :—इसमें प्रवृत्त गवां और पद्धों का जा उक्त  
अधिनियम के अधाराय 20-क में  
परिमाणित है, वहां अर्थ होगा, जो उस  
प्रत्येक दिया गया है।

अनुसूची

Vacant land at Yendadu, village near vizag S.R.O. Vizag :

S. No.	R. S. No.	Area in A.C.C.	Document No.
1.	116/13	0—40	9152/82
2.	116/13	0—38	9051/82
3.	116/13	0—40	9155/82
4.	114	0—46	9151/82

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

एम० जगन मोहन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 4-5-1983

मोहर :

प्रश्नप बाइ.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस-३/९-८२/९३८,  
यता; मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम आदानगर,  
तहसील-महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक  
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर

82

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापवांकत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा किया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तीक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीयों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती कृता प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भजननाल सुपूत्र श्री काले, जयराम, रामु सुपूत्रगण  
श्री फेरा, बलवन्ता और हौशियार सुपूत्रगण श्री बंसी,  
निवासी-ग्राम-सथुपुर, जिला गुडगांव हरियाणा;  
द्वारा अटाणी विधिक्षित,

(अन्तरक)

2. मैं अभिनव होलिंग, प्रा० लि०

3-ए, बन्दना, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थानोक्तरण:-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्याय ११-५ में पैरभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बीचे खसरा नं० 249 मिन(1-3),  
246/1 मिन (1-19), 245/1 मिन(0.18), ग्रामआया  
नगर, तहसील—महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह

सहम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 5-5-83

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi -110011, the 16th April, 1983

No. A. 31014/1/33-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following officers, officiating in the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service Cadre of the Union Public Service Commission and included in the Select List of Section Officers' Grade in respect of the same cadre, substantively in the Section Officers' Grade of the Service in the cadre of the Union Public Service Commission with effect from the date specified against each:—

S No.	Name	Date of confirmation
<b>S/Shri</b>		
1.	S.C. Jain . . . . .	2-5-1982
2.	P.S. Rana . . . . .	2-5-1982
3.	Krishan Kumar . . . . .	1-11-1982
4.	Jai Narain . . . . .	1-10-1983

The 30th April 1983

No. A.19012/2/78-Admn.I.—Shri H. C. Jatav, an officer of the I.P.S. (UT) and presently officiating as Joint Secretary in the office of the Union Public Service Commission is relieved of his duties in the Commission's office w.e.f. the afternoon of 30-4-1983 with instructions to report to the Ministry of Home Affairs, the Cadre Controlling Authority in respect of I.P.S. (UT) for his further posting.

No. A.19014/1/79-Admn.I.—The services of Shri Hardayal Singh, an officer of the Indian Revenue Service (Income Tax) on deputation as Deputy Secretary, Union Public Service Commission, are placed at the disposal of the Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance, with effect from the afternoon of 30-4-83. On his relief from the office of the Union Public Service Commission with effect from 30-4-83 (AN) he will take over as Assistant Commissioner, IAC (Acq.), Amritsar, as per the CBDT's order No. A.22012/1/82-Ad.VI dated 22-3-83 after availing of the normal joining time.

No. A.19014/2/79-Admn.I.—The services of Smt. Prem V. P. Singh, an officer of the Indian Revenue Service (C&CE) on deputation as Deputy Secretary, Union Public Service Commission, are placed at the disposal of the Central Board of Excise & Customs, Delhi, M/O Finance, with effect from the afternoon of 30-4-1983. On her relief from the office of the UPSC with effect from 30-4-83 (AN) she will take over as Deputy Collector of Customs & Central Excise, as per the M/o Finance, Deptt. of Revenue order No. A.22012/9/83-Admn.II dated 28-3-83.

No. A.19014/3/79-Admn.I.—The services of Shri D. K. Das, an officer of the IRS (Income Tax) on deputation as Deputy Secretary, Union Public Service Commission are placed at the disposal of the CBDT, Ministry of Finance w.e.f. the afternoon of 30-4-83. On his relief from the office of Union Public Service Commission w.e.f. 30-4-83 (AN) he will take over as Assistant Commissioner, AAC, Delhi, as per the CBDT's Order No. A.22012/1/33-Ad.VI dated 22-3-83.

No. A.38013/3/82-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri R. P. Bahl, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th April, 1983 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests.(A) dated the 24th November, 1973.

No. P/1962-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri O. P. Deora, a permanent Stenographer Grade C of CSSS and officiating as Sr. Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the office of Union Public Service Commission to retire from Government service after attaining the age of Superannuation with effect from the afternoon of 30th April, 1983.

No. A.19014/2/82-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri R. G. Purang a permanent Section Officer and

officiating as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission to retire from Government Service after attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30th April 1983.

Y. R. GANDHI,  
Under Secy. (Admn.)  
Union Public Service Commission

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION**

New Delhi, the 10th May 1983

No. A-12020/3/77-AD.V.—The services of Shri C. L. Ramakrishnan, IPS, (Tamil Nadu—1959) Dy. Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation, Special place at the disposal of the Government of Tamil Nadu with effect from the afternoon of 30th April, 1983.

No. A-12025/1/82-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri V. N. Sehgal, Principal Scientific Officer/Deputy Director, Central Forensic Science Laboratory as Director, Central Forensic Science Laboratory, Central Bureau of Investigation in the scale of Rs. 2000-125/2-2500 with effect from the afternoon of 6th May, 1983 until further orders.

The 12th May 1983

No. C-3/68-AD.V.—The services of Shri Charanjiv Lal, IPS (Haryana—SPS) Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, CTU (E) I Branch, on superannuation, are placed at the disposal of the Government of Haryana with effect from the afternoon of 30th April, 1983.

No. PF/R-12/72-AD.V.—The services of Shri R. Shekhar, IPS (Rajasthan—1957), Deputy Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, on repatriation, are placed at the disposal of Government of Rajasthan with effect from the afternoon of 30th April, 1983.

R. S. NAGPAL,  
Administrative Officer (E)  
Central Bureau of Investigation

## DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi, the 9th May 1983

No. O-II-1439/79-Estt.—Consequent on expiry of terms of deputation, Shri S. K. Podder an JA&AS officer handed over the charge of the post of Deputy Director (A/Cs), PAO., CRPF New Delhi on the afternoon of 22-4-1983.

The 12th May 1983

No. O-II-407/71/Estt.—Consequent on his retirement from Govt. service on superannuation pension, Shri S. S. Sandhu relinquished charge of the post of Asstt. Comdt. 45 Bn. CRPF on the afternoon of 30-4-1983 (AN).

No. O-II-1774/83-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Surender Kumar Parimal as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 8th April, 1983 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1799/83-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Lt. Col. J. K. Barry (Retd.) as Commandant in the CRPF until further orders.

2. Lt. Col. J. K. Barry took over charge of the post of Commandant 1st Signal Bn. CRPF New Delhi on the forenoon of 3-5-83.

The 16th May 1983

No. O.II-3/78-Estt. (CRPF).—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri S. Datta Chowdhury an IPS

Officer from Gujarat Cadre has handed over charge of the post of Director General, CRPF on the afternoon of 30-4-83.

A. K. SURI,  
Assistant Director (Estt.).

**OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA**

New Delhi-11, the 11th May 1983

No. 10/28/80-Ad.I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Raghuvansh Prasad, Programme Assistant/Console Operator in the Computer Centre, Department of Statistics, as Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 16th April, 1983, until further orders.

2. The headquarters of Shri Raghuvansh Prasad will be at New Delhi.

No. 10/28/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Dr. B. K. Roy, Assistant Registrar General (Map) and at present working as Deputy Registrar General (Map), on *ad-hoc* basis, in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Registrar General (Map) in the same office, on a regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of the 16th April, 1983, until further orders.

2. The headquarter of Dr. Roy will be at New Delhi.

No. 11/5/82-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri B. Satyanarayana, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad, as Assistant Director (Data Processing) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period not exceeding one year, with effect from the forenoon of the 16th March, 1983 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Satyanarayana will be at Hyderabad.

The 12th May 1983

No. 10/8/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Dr. N. G. Nag, Senior Research Officer (Social Studies) and at present working as Deputy Registrar General (Social Studies) on *ad-hoc* basis in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Registrar General (Social Studies) in the same office, on a regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of the 14th April, 1983, until further orders.

2. The headquarters of Dr. Nag will be at New Delhi.

No. 11/2/80-Ad.I.—In continuation of this Office Notification of even number, dated the 28-12-1982, the President is pleased to appoint Shri Nageshwar Prasad, an Officer belonging to the Bihar Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna, by transfer on deputation, on *ad-hoc* basis, for a further period upto the 31-8-1983 or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

The headquarter of Shri Prasad will be at Patna.

No. 10/20/81-Ad.I.—In continuation of this Office Notification of even number dated 19-2-1982, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri K. N. Srinivasan, a Grade-III Officer of the I.S.S. who has been approved for promotion to Grade-II of the I.S.S., to the post of Assistant Registrar General (Vital Statistics) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, for a further period upto the 6th August, 1983 or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Srinivasan will be at New Delhi.

P. PADMANABHA  
Registrar General, India

**MINISTRY OF FINANCE**

**SECURITY PAPER MILL**

Hoshangabad, the 29th April 1983

No. PD/28/1499.—Shri J. M. Chakraborty, Foreman (Mould Cover Making Plant) is appointed purely on ad-hoc basis as Assistant Works Manager (Mould Cover Making Plant) in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 for a period of 41 days with effect from 2-5-1983 to 11-6-1983 vice Shri R. G. Kulthe, A.W.M. proceeding on leave.

S. R. PATHAK,  
General Manager

**OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL REVENUES**

New Delhi, the 13th May 1983

No. Admn.I/O.O No. 57.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri Dev Raj a permanent Audit officer of this office will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31-5-1983. His date of birth is 19th May, 1925.

No. Admn. I/O.O. No. 58.—The Director of Audit, Central Revenues, has ordered under 2nd proviso to the R.R. 30(1) the proforma promotion of Shri Om Prakash, a permanent Section officer of this office to the grade of Audit Officer in the time scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 31-1-83 (FN) until further orders.

SMT. PRAVIN TRIPATHI,  
Joint Director of Audit (Admn.).

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-II,  
WEST BENGAL**

**(LOCAL AUDIT DEPARTMENT)**

Calcutta-1, the 30th March 1983

No. LA/Admn./232.—The condition precedent to the grant of pro-forma promotion under "Next Below Rule" below F. R. 31(1) having been fulfilled Shri Pijush Kanti Ghosh, Permanent Section Officers officiating as Selection Grade in the said cadre of this office, now on deputation to the Govt. of West Bengal in the cadre of West Bengal Audit and Accounts Service (Junior) and posted as Assistant Cash and Accounts Officer under the Diary Development Directorate, Govt. of West Bengal has been granted pro-forma promotion on *ad-hoc* and provisional basis as an officiating Asstt. Examiner of Local Accounts, West Bengal in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- In his parent office with effect from the date from which his immediate junior Shri Sanjib Kumar Sinha took over charge in this office and until further orders.

2. It should be clearly understood that the promotion is purely provisional during the pendency of the Rule in the Calcutta High Court case and will be subject to final decision of the Court case filed against the Union of India and others under the C. R. case No. 14818(N) of 1979.

3. The *ad-hoc* promotion is also subject to final orders of the supreme court of India in the Civil Appeal No. 1584 to 1588(N) of 1973 and Civil Appeal No. 2104-2105 (N) of 1979.

N. G. CHAKRABARTI,  
Examiner of Local Accounts,  
West Bengal.

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,**

**MAHARASHTRA I, BOMBAY, 400020**

Bombay, the 5th May 1983

No. Admn I/Genl./31-Vol. III/C 1(1)/3.—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint the following Section Officers (Audit and Accounts) to officiate as

Audit/Accounts Officers from the dates mentioned against their names, until further orders :

1. Shri V. V. Deodhar—24-4-1983 F.N.
2. Shri M. Subramanian—29-4-1983 F.N.
3. Shri Y. P. Paunikar—29-4-1983 F.N.
4. Shri V. R. Pohurkar—29-4-1983 F.N.

C. SRINIVASAN,  
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS**

New Delhi-110066, the 9th May 1983

No. AN/I/1172/1/Vol-II.—The President is pleased to appoint Shri Gian Swarup, an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in Level-II of the Senior Administrative Grade (Rs. 2250-125/2-2500) of that Service, with effect from the forenoon of the 8th December, 1982, until further orders.

2. The ad-hoc appointment of Shri Gian Swarup, to officiate in Level-II of the Senior Administrative Grade (Rs. 2250-125/2-2500) of that Service, for a period of six months from 6th August, 1982 or till regular arrangements are made, whichever is earlier notified in this Department's Notification bearing No. AN/I/1172/1/I(PC-II) dated 1st September, 1982, will stand terminated with effect from the afternoon of 7th December, 1982. The service rendered in the ad-hoc appointment will not bestow on him a claim for counting the service for the purpose of seniority in Level-II of the Senior Administrative Grade and for eligibility and confirmation on his regular appointment to that grade from the forenoon of the 8th December, 1982.

R. K. MATHUR,  
Additional Controller General of Defence (Admn.).

New Delhi, the 10th May 1983

No. 618/A-Admn./130/82.—Shri R. P. Dua, Substantive Audit Officer of the office of the Joint Director of Audit, Defence Services, Central Command, Meerut, on deputation to the office of the Regional Audit Office (Food) Chandigarh, passed away on 8-4-1983.

B. S. TYLE,  
Joint Director of Audit D. S.

**MINISTRY OF DEFENCE  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE  
ORDNANCE FACTORY BOARD  
Calcutta 16 the 31st March, 1983**

No. 16/G/83—The President is pleased to appoint the undermentioned officer as Offig. Jt. GM with effect from the date shown against them :—

- (1) Shri S. Viswanathian, Dy. GM 15th Jan., 1983.
- (2) Shri D. Rajagopal, Dy. GM 17th Nov., 1982.
- (3) Shri A.K.D. Dave, Dy. GM 31st Dec., 1982.
- (4) Shri P.K. Ghoshchoudary, Dy. GM 17th Nov. 1982.
- (5) Shri. V. Rajagopalan, Dy. GM 17th Nov., 1982.

No. 17/G/83—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offig. Dy. GM with effect from the date shown against them :

- (1) Shri S.K. Roy, WM 15th Jan., 1983.
- (2) Shri S.B. More, WM 24th Jan., 1983.
- (3) Shri K.M. Ganguly, WM 15th Jan., 1983.
- (4) Shri V.K. Sinha WM 20th Dec., 1982
- (5) Shri M. N. Kaul, WM 20th Dec., 1982.

24—96 GI/83

No. 18/G/83.—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offig. WM/Dy. Director with effect from the date shown against them:—

- (1) Shri V. PYajurvedi, AWM . 31st Dec., 1982.
- (2) Shri K. D. Karamchandani, AWM 31st Dec., 1982.
- (3) Shri Anil Kumar, AWM . 31st Dec., 1982.
- (4) Shri Ravinder Kumar, AWM . 31st Dec., 1982.
- (5) Shri M. Rocque, AWM . 31st Dec., 1982.
- (6) Shri B.K. Sharma, AWM . 31st Dec., 1982.
- (7) Shri S.K. Nakri, AWM . 31st Dec., 1982.
- (8) Shri R.P. Agarwal, AWM . 31st Dec., 1982.
- (9) Shri V.N. Arora, AWM . 31st Dec., 1982.
- (10) Shri S.F. Mariadoss, AWM . 31st Dec. 1982
- (11) Shri R.N. Tripathi, AWM . 31st Dec. 1982.

V. K. MEHTA  
Director

**MINISTRY OF COMMERCE**

**OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS**

**IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)**

New Delhi, the 9th May 1983

No. 6/1139/76-Admn.(G).—On attaining the age of superannuation, Shri A. C. Bhattacharjee, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports Calcutta has been permitted to retire from Government Service with effect from the afternoon of the 28th February, 1983.

No. 6/591/60-Admn.(G).—On attaining the age of superannuation, Shri K. A. George Assistant Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exorts Bombay has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st March 1983.

No. 6/1364/8-Admn.(G).—On attaining the age of superannuation, Shri G. C. Chakraborty Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta has been permitted to retire from Government Service with effect from the afternoon of the 31st arch, 1983.

No. 6/1093/75-Admn.(G)/2623.—On attaining the age of superannuation, Shri N. N. Ghosh Assistant Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports Calcutta has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st March, 1983.

V. K. MEHTA,  
Deputy Chief Controller of Imports & Exports,  
for Chief Controller of Imports & Exports

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND  
DISPOSALS (ADMN. SECTION A-6)**

New Delhi-110001, the 9th May 1983

No. A-17011/120/77-A-6.—The President is pleased to appoint Shri Bolusani Sudhir, Assistant Director of Inspection (Met) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A' Metallurgical Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Met) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A' Metallurgical Branch) on ad-hoc basis with effect from the after-noon of 28th January, 1983 and until further orders.

2. The ad-hoc appointment of Shri Bolusani Sudhir will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

3. Shri Bolusani Sudhir relinquished charge of the post of Assistant Director of Inspection (Met.) and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Met.) in the office of Deputy Director of Inspection (Met.), Durgapur under the Directorate of Inspection, Burnpur in the afternoon of 28th January, 1983.

S. L. KAPOOR,  
Deputy Director (Adm.).

**MINISTRY OF STEEL & MINES**

(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA,

Calcutta-700 016, the 9th May 1983

No. 3879B/A-19012 (3-MS)/83-19B.—Dr. Mahavir Singh is appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31-3-1983, until further orders.

No. 389B/A-32013 (AO)/78-80-19-A.—Shri N. N. Matto, Superintendent, Geological Survey of India is appointed as Administrative Officer in the same Department on pay according to Rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-30-810-EB-35-880-40-100-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 23-3-1983, until further orders.

No. 3911B/A-32013 (AO)/78/19A.—Shri Jameal Ahmed, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on ad-hoc basis with effect from the afternoon of 6-12-1982 against the leave vacancy of Shri A. Devsingamani, Administrative Officer, Southern Region, Hyderabad, Geological Survey of India.

S. K. MUKERJEE,  
Director General

**INDIAN BUREAU OF MINES**

Nagpur, the 12th May 1983

No. A. 19011 (52)/77-Estt. A.—On his voluntary retirement on 2-5-83 (AN) Shri J. Parthasarthy Permanent Senior Mining Geologist and Officiating Regional Mining Geologist has been relieved of his duties from the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 2-5-83 and accordingly his name is struck off the strength of the effective establishment of this department from the said date.

D. N. BHARGAVA  
Controller General Indian Bureau of Mines

**SURVEY OF INDIA**

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun-248001, the 29th April 1983

No. C-5949/718-A.—Shri S. L. Verma, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on ad-hoc basis in South Eastern Circle Office, Survey of India, Bhubaneswar in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 31-3-1983 (FN).

No. C-5950/718-A.—The Ad-hoc appointment of Shri P. K. Bhattacharji, officiating Office Superintendent, C.S.T. & M.P., Hyderabad as Establishment and Accounts Officer in CST & MP, Survey of India, Hyderabad, notified vide this office Notification No. C-5918/718-A dated 4th March, 1983, is extended for a further period of 3 days from 3-3-1983 to 5-3-83 vice Shri O. S. Bhatnagar, Establishment and Accounts Officer extended his leave.

No. C-5951/594.—Shri Krishan Chandra, Technical Assistant, Map Reproduction (Selection Grade) is appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (GCS

Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 7-3-83 (FN) and posted to No. 103 (PZO) Printing Group (MP), Survey of India, Dehra Dun.

G. C. AGARWAL  
Major General  
Surveyor General of India

**DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO**

New Delhi, the 30th April 1983

**CORRIGENDUM**

No. 3/1/83-SIII.—In partial modification of this Directorate's notification of even No. dated 21/2/1983, Sl. No. 35 in respect of Shri T. F. Pavianose, Assistant Engineer may please read as 31-1-1983 instead of 17-1-1983.

P. B. KISHORE  
Section Officer  
for Director General

New Delhi-1, the 12th May 1983

No. 6(92)/63-SI.—Shri V. K. Bals, Programme Executive, Radio Kashmir, Jammu resigned from Government service w.e.f. 1st September, 1982.

No. 5(42)/69-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri P. N. Srivastava, Transmission Executive, All India Radio, Patna as Programme Executive, All India Radio, Patna in a temporary capacity with effect from the 21st March, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 5(44)/69-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Kum. S. D. Mirchandani, Transmission Executive, All India Radio, Bombay as Programme Executive, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from the 21st March, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(75)/80-SI.—Smt. S. Usha, Programme Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Bangalore resigned from Government Service with effect from the afternoon of 29th March, 1983.

No. 4(96)/82-SI.—The Director General All India Radio, hereby appoints Shri P. Parthiban as Programme Executive, All India Radio, Coimbatore in temporary capacity with effect from the 16th March, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

The 16th May 1983

No. 5(22)/75-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri S. C. Nayak as Programme Executive, All India Radio, Tezu in a temporary capacity with effect from 18th April, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(72)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Gokul Goswami as Programme Executive, All India Radio, Suratgarh in a temporary capacity with effect from 26th March, 1983 and until further orders, in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

H. C. JAYAL  
Dy. Dir. of Admn.  
for Director General

**DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES**

New Delhi, the 11th May 1983

No. A. 19018/6/82-CGHS. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Bodh Chander Sharma to the post of Homoeopathic Physician in the Cen-

tral Govt. Health Scheme, Kanpur on temporary basis with effect from the 15th April, 1983 (F.N.) until further orders.

T. S. RAO  
Dy. Dir. Admn. (CGHS.I)

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY**  
**POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION**

Bombay-5. May 6, 1983

No. PPED/3 (236)/83 Est. I /6292—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints the undermentioned personnel of this Division as Scientific Officer Engineer—Grade 'SB' in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1983 until further orders :—

Sl No.	Name	Present Grade
1.	Shri M.S. Shinde	Draughtsman 'C' (Pmt. D/man 'B')
2.	Shri V.J. Syriac,	Scientific Assistant 'C' (Pmt. S.A. 'B')
3.	Shri V.S. Balakrishnan,	Scientific Assistant 'C' (Q.P. S.A. 'B')

P. C. MENON  
General Administrative Officer

**DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES**

THIRD FLOOR, BOMBAY-400 001.

Bombay-400 001, the 10th May 1983

Ref. No. DPS/2/1(4)/82-Adm./16139.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Varghese Joseph, a permanent Sr. Stenographer in Bhabha Atomic Research Centre, Bombay to officiate as an Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in this Directorate in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of April 29, 1983 until further order.

The 11th May 1983

No. DPS/41/2/83-Adm./16191.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri V. S. Surve, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 21-3-83 (FN) to 24-4-83 (AN) in the same Directorate vice Shri R. M. Mondkar, Assistant Stores Officer, granted leave.

The 12th May 1983

No. DPS/41/3/83-Adm./16314.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Darshan Singh, a permanent UDC and officiating Assistant Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 14-3-83 (FN) to 22-4-83 (AN) in the same Directorate vice Shri L. Unikrishnan, Assistant Accounts Officer granted leave.

P. GOPALAN  
Administrative Officer

Bombay-400 001, the 10th May 1983

No. Ref. DPS/23/1/81-Est./16104.—The ad hoc appointment of Shri Jaganath Gopal Sathe officiating Accountant as an Assistant Accounts Officer of this Directorate ordered vide notification of even No. dated January 13, 1983 has been restricted till March 3, 1983 (AN).

Sd/- ILLEGIBLE  
For Administrative Officer

**NUCLEAR FUEL COMPLEX**

Hyderabad-500 762, the 5th May 1983

No. NFC/PAR/1704/1247.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Shri Mohd. Ismail, Assistant Accountant to officiate as Assistant Personnel Officer in Nuclear Fuel Complex with effect from 30-4-1983 (FN), until further orders.

G. G. KULKARNI  
Manager, Personnel & Admn.

**DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION**

New Delhi, the 29th April 1983

No. A. 32013/3/79-EI:—In continuation of this Office Notification No. A. 32013/3/79-EI dated 7-7-1982 and No. A. 32013/82-EI dated 22-10-82 the President is pleased to continue the adhoc appointment of the following Officers in the grade of Senior Scientific Officer for the period indicated against their names :—

Sl. No.	Name	From	To
S/Sh.			
1.	F.C. Sharma	1-11-82	30-4-83
2.	B.K. Joshi	29-1-83	30-4-82

THAKAR DATI!  
Asstt. Dir. of Admn.

New Delhi, the 11th May 1983

No. A.12025/2/79-ES.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint the undermentioned candidates as Senior Aircraft Inspector on temporary basis with effect from 24th March 1983 in the Civil Aviation Department in the time scale of Rs. 1100—1600. These appointments will be subject to the decision of the Court.

1. Shri Ram Charan Gupta
2. Shri Subroto Majumdar.
3. Shri Harihar Prasad.
4. Shri N. Ramesh.

J. C. GARG  
Assistant Director of Administration

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS**

**CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT**

New Delhi, the 7th May 1983

No. 33/1/82-FCIX.—The President is pleased to appoint Shri Yogesh Behari Lal a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department on a pay of Rs. 700/- P.M. as per recommendations of the U.P.S.C. in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with effect from 26th March 1983 (FN) on the usual terms and conditions.

2. The pay of Shri Yogesh Behari Lal will be fixed according to rules.

3. Shri Yogesh Behari Lal is placed on probation for a period of two years with effect from the date of his appointment.

A. K. NARANG  
Deputy Director of Admn.

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD**

**OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES**

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Volatile Oils Private Limited*

Hyderabad, the 7th May 1983

No. 1435/TA. III/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Volatile Oils Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Vijayakrishna Savings & Finance Private Limited*

Hyderabad, the 10th May 1983

No. 2214/TA. III/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Vijayakrishna Savings & Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
The Deccan Films Private Limited*

Hyderabad, the 13th May 1983

No. 712/TA. III/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of The Deccan Films Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU  
Registrar of Companies,  
Andhra Pradesh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Swiss Cottage Private Ltd.,*

Bangalore, the 9th May 1983

No. 2277/560/8384.—Notice is hereby given to pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Swiss Cottage Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Volga Enterprises Private Ltd.*

Bangalore, the 9th May 1983

No. 2612/160/83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Volga Enterprises Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Bandhu Exports Private Ltd.,*

Bangalore, the 9th May 1983

No. 2756/560/83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Bandhu Exports Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Anti Surge Fuses & Lamps Private Ltd.,  
Bangalore, the 9th May 1983*

No. 2786/560/83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Anti Surge Fuses & Lamps Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Lokman Wood & Allied Industries Private Ltd.*

Bangalore, the 9th May 1983

No. 3264/560/83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Lokman Wood & Allied Industries Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Exsemderailleur Manufacturers Private Ltd.,*

Bangalore, the 9th May 1983

No. 3348/560/83-84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Exsemderailleur Manufacturers Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd. ILLEGIBLE  
Registrar of Companies,  
Karnataka, Bangalore

**OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,  
HIMACHAL PRADESH & CHANDIGARH**

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Rattan Chit Fund & Finance Private Limited*

Jullundur, the 10th May 1983

No. G/STAT/560/2635/961.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Rattan Chit Fund & Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Insurance Press Private Limited*

Jullundur, the 10th May 1983

No. G/STAT/560/1144/959.—Notice is hereby pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Insurance Press Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

B. M. JAIN  
Registrar of Companies,  
Punjab, H.P. & Chandigarh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Franco Electricals Private Limited*

Cochin-682011, the 12th May 1983

No. 3304/Liq/560(5)/4606/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Franco Electricals Private

Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Johar Chemical and General Goods Private Ltd.,  
Cochin-68204, the 12th May 1983*

No. 2460/Liq/560(5)/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Johar Chemical and General Goods Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Chottupara Properties Private Limited*

Cochin-682011, the 12th May 1983

No. 1777/Liq/560(5)/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Chottupara Properties Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Sripathy Electronics Private Limited*

Cochin-682011, the 12th May 1983

No. 2358/Liq/560(5)/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies

Act, 1956, that the name of Sripathy Electronics Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Maharaja Travels Private Limited*

Cochin-682011, the 12th May 1983

No. 2596/Liq/560(5)/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Maharaja Travels Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
K. Anandaraya Pai and Company Limited*

Cochin-682011, the 12th May 1983

No. 57/Liq/560(5)/4603/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of K. Anandaraya Pai and Company Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN  
Registrar of Companies, Cochin  
Kerala

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE J  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
I.P. ESTATE, NEW DELHI**

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR. III/9-82/942.—Whereas I,  
**NARINDAR SINGH**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri land situated at Vill. Aya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Nathan S/o Jiwan,  
Shri Nirmal S/o Jiwan,  
Shri Sohan Lal S/o Tota,  
Shri Kale S/o Tota,  
R/o Village Nathpur,  
Distt. Gurgaon, Haryana,  
through General Attorney Bidi Chand  
S/o Uttam Chand  
R/o 6-A, Shivpuri Extn. Gandhi Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Abhinav Holding (P) Ltd.  
3-A, Yandana Tolstoy Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice in the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agri land measuring 7 bighas bearing Kh. No. 240 min (0-17) 241 (6-3), situated in Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

**NARINDAR SINGH**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
 ACQUISITION RANGE I  
 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
 I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR. III/9-82/990.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-264 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s L. P. Investments Ltd.  
 Through 54, Mahatma Gandhi Road,  
 Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Chanda,  
 B-90 A, Greater Kailash-I,  
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S-264 Greater Kailash 4-II, New Delhi measuring half of 299 sq. yds (240 Sq. mtrs).

NARINDAR SINGH  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I  
 Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Surender Pal Makker and  
Smt. Kawal Makker  
R/o S-456, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Rup Lal Makkar and  
Smt. Kiran Makkar  
R/o N-80, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May, 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR. III, 9-82/907.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S-456 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Ground Floor of double storeyed house No. S-456, Greater Kailash-I, New Delhi. 208 sq. yards.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR. III/9-82/888.—Whereas I,

NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Double Storey Building No. 1281 situated at Nai Wala, Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—96GI/83

(1) Sh. Kanti Prasad S/o Sh. Khushi Ram,  
R/o D-109, East of Kailash,  
New Delhi.  
for self and as General attorney of his real brothers  
1. Sh. Kailash Chand  
2. Sh. Lajpat Rai,  
3. Sh. Devinder Kumar S/o Sh. Khushi Ram  
R/o D-109, East of Kailash,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Gurcharan Das,  
Sh. Sushil Parkash  
Sh. Pernanand S/o Sh. Ram Kishan  
R/o 28/1524, Nai Wala, Karol Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double Storey Building No. 1281, with leasehold rights 111 sq. yds. Khasra No. 1185/995 Nai Wala, Karol Bagh, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Mrs. Rashna Kriplani  
W/o Sh. M. P. Kriplani,  
R/o G-11, Anand Niketan Extension,  
New Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s. Ritika's International Private Limited,  
5/1, Block-B, Okhla Industrial Area Phase-II,  
New Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR. III/9-82/1009.—Whereas I,  
NARINDAR SINGH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 5/1 Block-B situated at Okhla Industrial Area, Phase-  
II, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on September 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

## THE SCHEDULE

5/1 Block 'B' Okhla Industrial Area, Phase-II, New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM ITN8

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE-I  
 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
 I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. LAC/Acq-I/SH. III/9-82/993.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. H-5/14 situated at Malviya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ramji Das S/o Sh. Jhanji Ram and Smt. Parbati Devi W/o Sh. Ramji Das R/o B-7/67, Sufderjang Ext. New Delhi.

(2) Sh. Ashok Kumar and Sh. Madan Lal S/o Sh. Kharaiti Lal Chadha R/o H. 5/14, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. 5/14, measuring 100 Sq. Yds. Malviya Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I  
 Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
 Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR. III/9-82/893.—Whereas I,  
NARINDAR SINGH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. I-B/223 situated at Lajpat Nagar, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi in September 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(1) Shrimati Shanti Rani  
W/o Sh. Krishan Lal  
R/o A-6/110-A, Pacham Vihar,  
DDA Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Rakesh Kumar Budhiraja  
S/o Sh. Dharam Bir Budhiraja,  
R/o I-B/223, Lajpat Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Government built property I-B/223, situated at Lajpat  
Nagar, New Delhi measuring 100 sq. yds.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Date : 5-5-1983

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Raj Bahadur Mehtur and  
Smt. Sundri Devi, R/o  
254-G, MIG Flat, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR. III/9-82/895.—Whereas I,  
NARINDAR SINGH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. L-71, situated at Kalkaji, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at

New Delhi on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor for more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(2) Sh. Bhagwan Dass  
S/o Sh. Ram Parkash  
R/o 783/8, Guru Nanak Street,  
Gandhi Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immoveable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

L-71, Kalkaji, New Delhi measuring 266 Sq. Yds.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 5-5-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR. III/9-82/940.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Aya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Bhajan Lal S/o Kale, Jai Ram,  
Shri. Ramu S/o Fera,  
Shri Balwant and Hoshiar S/o Bansi,  
R/o Nathpur, Distt. Gurgaon (Haryana)  
through attorney Sh. Bidhi Chand  
S/o Uttam Chand  
R/o 6-A, Shivpuri Extn.,  
Delhi.

(2) M/s Abhimanyu Holdings (P) Ltd.  
3-A, Vandhana Tolstoy Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 7 bighas 19 biswas Kh. Nos. 249 min (1-2), 246/1 min (1-19), 245/1 min (0-18), 248/1 (4-0), Vill. Aya Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range 1  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR. III/9-82/941.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Satish Chand Jain  
S/o Khem Chand Jain  
R/o 1259, Gali Gullyan,  
Dharampura, Delhi.

(Transferor)

(2) Abhimanyu Holding (P) Ltd.  
3-A, Vandana, Tolstoy Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agri. land measuring 5 bighas and 12 Biswas bearing Kh. No. 248/2 (0-16), 247 (4-16) situated at Vill. Aya Nagar Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I**  
**G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING**  
**I. P. ESTATE, NEW DELHI**

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR. III/9-82/948.—Whereas I,

NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Khanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Harbans Lal Ahuja  
 S/o Sant Ram  
 R/o 7926, Ara Kashan Road,  
 Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sarala Shreedharan  
 W/o P. Shreedharan  
 R/o P. 45, East of Kailasa,  
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

1/2 share of in Agri. land measuring 5 bighas and 19 biswas Kh. No. 234 (4-16), 259 min (1-3), Vill. Khanpur, Khanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**NARINDAR SINGH**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I  
 Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Harbans Lal Ahuja  
S/o Sant Ram,  
R/o 7926, Ara Kashan Road,  
Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri P. Shreedharan  
S/o P. Sankaran  
R/o P. 45, East of Kailash,  
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR. III/9-82/947.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Khanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—  
26—96GI/83

1/2 share in Agri. land measuring 5 bighas and 19 biswas Kh. No. 234 (4-16), 259 min (1-3), Village Khanpur Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR. III/9-82/868.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Chattarpur, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Pardeep Kumar Jain, Sanjay Jain,  
S/o Sh. Mohinder Kumar Jain,  
Smt. Magan Mala Jain W/o Subhash Chand Jain,  
Smt. Mamlesh Jain W/o Rishi Kumar Jain,  
Madhu Jain W/o Pawan Kumar Jain  
All R/o C-41, Green Park,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Dev Ichha Singh W/o I. P. Singh and  
Dr. (Mrs.) Vinod Kaushal W/o  
Dr. S. P. Kaushal,  
R/o D-48, Hauz Khas,  
New Delhi.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agri. land measuring 8 bighas and 19 biswas bearing Kh. No. 1277/2 (4-3), 1290 (4-16), with farm house, toubewell, fixtures fittings, situated at Vill. Chattarpur Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Saroj Bhushan  
W/o Hari Bhushan  
R/o C-II/67, Moti Bagh-I,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Triloki Nath Khanna  
S/o Late Gokal Chand  
R/o 21-A, Aurangzeb Lane,  
New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR. III/9-82/951.—Whereas I,  
NARINDAR SINGH,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
Agri. land situated at Vill. Chattarpur, Teh. Mehrauli, New  
Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering officer at  
New Delhi on September 1982  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 4 bighas and 16 biswas Kh. No.  
1368/1 (0-5), 1368/2/1 (2-0), 1368/2/2 (2-11), with farm  
house, tube-well, fittings and fixtures, Vill. Chattarpur,  
Teh. Mehrauli, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI  
New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/9-82/978.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-468 situated at Greater Kailash New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sailendra Nath Bose,  
73/33, S. N. Roy Road, Calcutta-38.  
(Transferor)  
(2) The Chamong Tea Co. Ltd.,  
12, Govt. Place East, Calcutta-700069.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S-468, Greater Kailash New Delhi.  
Mg. 208 Sq. yds.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Date : 5-5-1983  
Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Smt. Pritam Kaur Bawa wd/o Bawa Joginder Singh Bhalla,  
R/o L-II/196-B, LIG Flats Lalkaji New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Manohar Lal Saigal S/o Shri Jagan Nath Saigal,  
E-436, Greater Kailash-II, New Delhi.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI**

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR.-III/9-82/889.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-436 situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

E-436—Greater Kailash-II, New Delhi.  
Single storied House. Mg. 250 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Khub Chand S/o Shri Uttam Chand,  
R/o 6 A, Shivpuri, Extn. Gandhi Nagar, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Satish Chand Jain S/o Shri Khem Chand Jain,  
R/o 1259, Gali Guliyani, Dharmpura, Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR.-III/9-82/878.—Whereas, I,  
NARINDAR SINGH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. Agri. Land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli,  
New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on Sept. 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. land, measuring 6 bighas and 16 biswas bearing Kh.  
No. 251 (4-11), 250 min (2-5).  
Vill. Aya Nagar Tch. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Khub Chand S/o Shri Uttam Chand,  
R/o 6 A, Shivpuri, Extn. Gandhi Nagar, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Mukta Nandini Jain W/o Shri Ashok Kumar  
Jain, R/o 0.6/53, Safdarjang Development Area, New  
Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR.-III/9-82/877.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. Land measuring 2 bighas and 4 biswas bearing Kh. No. 250 min, and also 1/2 share in agri. land 7 bighas and 5 biswas Kh. No. 256/2 (2-9), 228 (4-16).  
Vill. Aya Nagar Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Khub Chand S/o Shri Uttam Chand,  
R/o 6 A, Shivpuri, Extn. Gandhi Nagar, New Delhi,  
(Transferor)

(2) Abhiman Holdings (P) Ltd.  
3 A Vandna Tolstoy Marg, New Delhi,  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR.-III/9-82/880.—Whereas, I,  
NARINDAR SINGH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. Agri. Land situated at Vill. Aya Nagar,  
New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
New Delhi on Sept. 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. Land measuring 3 Bighas 8 Biswas bearing Khasra  
No. 245/2, Vill. Aya Nagar Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Mrs. Asha Rani w/o Shri Banarsi Lal,  
R/o C-80, Panchsheel Enclave, New Delhi.  
(Transferee)
- (2) Shri Jiwan Parkash Malhotra S/o Shri B. M.  
Malhotra,  
R/o 9-5, Green Park, Extn. New Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/I/SR.-III/9-82/1010.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. property No. P-14, situated at Green Park, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Flat No. 2 part of property No. P-14 measuring 1/6 of 311 sq. yds. Green Park, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

27—96GI/83

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Asha Rani w/o Shri Banarsi Lal,  
R/o C-80, Panchsheel Enclave, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Mrs. Sunita Malhotra w/o Shri Sushil Malhotra,  
R/o G-212, Narain Vihar, New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR.-III/9-82/1011.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3 part of property No. P-14, situated at Green Park, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Sept. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 3, part of property No. P-14, measuring 1/6 of 311 sq. yds. Green Park, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Rajan Kumar Suri S/o Shri Jagat Ram Suri  
r/o 816 to 822 Joshi Road, Karol Bagh,  
New Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s Rehman & Co. 9968, Saraj Rohilla,  
Delhi-7, through its Director Sh. Anis Rehman.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 10th May 1983

Ref. No. IAC/Acq-1/SR.III/10-82/1114.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 816 to 822 situated at Khajoor Road, F. Block, Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One half share in properties No. 816 to 822, situated at Khajoor Road, F. Block, Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS —————

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/9-82/871.—Whereas I,

NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Jonapur, Teh. Mehrauli,

New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Beg Raj, Nirmal s/o Jagram, Hansa wd/o Jagram, Vidya w/o Indraj, r/o Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal Vedhara s/o Ishwar Dass Vedhara Rohit Vedhara, Amit Vedhara s/o Mohan Lal Vedhara, Triveni Garden, Jonapur, New Delhi through attorney Amir Chand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agri. land measuring 8 bighas M. No. 81, kila No. 25 min (3-0), 16(1-13), M. No. 82, Killa No. 20/2(3-7), Village Jonapur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Beg Raj, Nirmal s/o Jagram, Hansa wd/o Jagram, Vidya w/o Indraj, r/o Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal Vedhara s/o Ishwar Dass Vedhara, Rohit Vedhara and Amit Vedhara s/o Mohan Lal Vedhara r/o Triveni Garden Jonapur, New Delhi, through attorney, Amir Chand.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR.III/9-82/870.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 6 bighas and 11 biswas M. No. 82, Killa No. 19(5-0), 20/1 (1-11), Village Jonapur, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/9-82/879.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Khub Chand s/o Uttam Chand r/o 6 a Shivpuri Extn. Gandhi Nagar, Delhi (Transferor)
- (2) Dr. L. M. Singhvi HUF, acting through its Karta Dr. L. M. Singhvi s/o Late D. M. Singhvi r/o B. B. NDSE-II, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 5 bighas and 8 biswas nearing Kh. No. 255 Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

**FORM ITNS**

- (1) 1. Smt. Giani wd/o Shri Raghbir Singh  
 2. Shri Shri Bhagwan s/o Shri Chema,  
 3. Phool Singh  
 4. Rohtas s/o Shri Kundan r/o Rajokri.  
 (Transferor)
- (2) Dr. Amarjit Singh s/o S. Sajjan Singh  
 r/o 40/2 D. S. Tilak, Nagar, Delhi.  
 (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I**  
**G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,**  
**NEW DELHI**

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR.III/9-82/900.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Rajokri, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Kh. No. 561, 5 Bighas 18 Biswas Vill. Rajokri New Delhi.

NARINDAR SINGH  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
 Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
 Seal :

## FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR.III/9-82/903.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Rajokri, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Smt. Giani wd/o Sh. Raghbir Singh,  
2. Shri Shri Bhagwan,  
s/o Sh. Chama  
3. Phool Singh,  
4. Rohtas s/o Sh. Kundan r/o  
Vill. Rajokri, New Delhi.

(2) Dr. Amarjit Singh s/o S. Sajjan Singh  
r/o 40/2 D. S. Tilak Nagar.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Kh. No. 562, 565 measuring 6 Bighas 19 Biswas in Vill. Rajokri, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Khub Chand s/o Uttam Chand  
r/o 6A, Shivpuri Extn. Gandhi Nagar, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Dr. L. M. Singhvi HUF, acting  
through its Karts Dr. L. M. Singhvi s/o late  
D. V. Singhvi r/o B. 8, NDSE-II, New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/9-82/881.—Whereas I,  
NARINDAR SINGH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli,  
New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi in September 1982,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for each transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of the notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 9 Bighas and 12 biswas bearing  
Kh. Nos. 253 (4-16), 254(4-16), Vill. Aya Nagar New  
Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 5-5-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/9-82/937.—Whereas I,

NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kishan Lal, Rati Ram ss/o Sunehri r/o Vill. Nathupur, Haryana through general Attorney Bidhi Chand s/o Uttam Chand r/o 6A, Shivpuri Extn. Gandhi Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Mukta Mandini Jain w/o Ashok Kumar Jain r/o C.6/53, Safdarjang Development Area, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or amounts or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 3 bighas and 11 biswas bearing Kh. No. 239/1 at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR III/9-82/876.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Khub Chand s/o Uttam Chand r/o 6 A, Shivpuri Extn. Gandhi Nagar, Delhi. (Transferor)  
 (2) Shri Satish Chand Jain s/o Sh. Khem Chand Jain, r/o 1259, Gali Guliyian, Dharampur, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land, measuring 4 bighas and 16 biswas bearing Kh. No. 252, situated at Village Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Date : 5-5-1983.

Seal :

**FORM ITNB****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR. III 9 82/915.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-325, situated at Panchsheel Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gian Singh Kalsi  
s/o S. Harinam Singh Kalsi,  
as registered general attorney of  
Shri Jagdish Singh Kalsi  
s/o Sh. Gian Singh Kalsi,  
r/o 82-D, Malcha Marg,  
New Delhi.

(2) Sh. Vashdev Lakhani s/o  
Sb. Duhilomal Lakhani,  
r/o R-532, New Rajinder Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property measuring No. S-325, Panchsheel Park, New Delhi, measuring 500 sq. yds.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Shiv Raj s/o  
Sh. Prithvi Raj  
S-386 Greater Kailash-II,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kishan Chand Gupta s/o  
Sh. Ram Parshad Gupta,  
r/o 4050 Gali Mustafa Beg,  
Ajmeri Gate,  
Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR. III/9-82/917.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. M-281, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. M-281 Greater Kailash-II, New Delhi  
400 sq. yds.

NAKINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Date : 5-5-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Dr. L. M. Singhvi s/o  
Late D. M. Singhvi  
r/o B. 8, N.D.S.E. II,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. J. K. Gupta and  
D. K. Gupta ss/o  
Ram Kumar Gupta r/o  
17, Babar Lane,  
New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/9-82/882.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land, situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/3rd share in Agri. land measuring 13 Bighas and 2 biswas nearing Kh. No. 256(2-6), 257(3-8), 259(3-14), 258(3-14), Vill. Aya Nagar Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1981 (43 OF 1961)

(1) Dr. L. M. Singhvi s/o  
Late D. M. Singhvi,  
r/o B-8, N.D.S.E. II,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri J. K. Gupta and D. K. Gupta ss/o  
Sh. Ram Kumar Gupta,  
r/o 17, Baber Lane,  
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

1/3rd share in Agri. land measuring 13 bighas and 2 biswas nearing Kh. No. 256(2-6), 257(3-8), 259(3-14), 258-(3-14), situated at Village Aya Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,  
J.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR. III/9-82/1022.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 77, Block No. B-II,  
situated at The Mohan Co-operative Industrial Estate, Ltd.  
New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. P. S. Talati,  
s/o Sh. S. H. Talati,  
r/o Ground Floor, B-1, Pusa Road,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Dhun Phiroze Talati w/o  
Sh. P. S. Talati  
r/o Ground Floor, B-1, Pusa Road,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

50% share in Industrial plot No. 77, Block No. B-II, in the layout plan of the Mohan Co-operative Industrial Estate Limited, New Delhi, measuring 2383.30 sq. yds.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983

Seal :

## FORM NO. LT.NS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR. III/9-82/872.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land, situated at Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Beg Raj, Nirmal s/o Jagram,  
Hanso wd/o Jagram,  
Vidya w/o Indraj r/o Jonapur,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Bithal s/o Karwar Sian  
r/o Village Apra,  
Distt. Jullundur (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 6 bighas and 12 biswas, Mustatil No. 81, Killa No. 24(4-16), 25 min(1-16) village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Date : 5-5-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
29—96GI/83

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,  
I.P. ESTATES, NEW DELHI

New Delhi the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq. L/SR. III/9-83/873.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Village Jonapur, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Beg Raj, Nirmal s/o Jag Ram,  
Hanso w/o Jag Ram.  
Vidya w/o Indraj,  
r/o Jonapur,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Bithal s/o Kanwar Sain,  
r/o Village Apra,  
Distt. Jullundur (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 7 bighas and 19 biswas, M. No. 81, Killa No. 17(4.16), 16(3-3), Village Jonapur, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Date : 5-5-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Jai Ram s/o Kchar,  
r/o Vill. Chitorni,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Abhinav Holdings (P) Ltd.  
34, Vandana, Tolstoy Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR. III/9-82/869.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land, situated at Vill. Aya Nagar, Tch. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 6 bighas and 14 biswas bearing Kh. No. 242(1-16), 244(4-0), 246/2(0-18), situated at Village Aya Nagar, Tch. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Narain Singh & Tarif Singh  
s/o Shera,  
r/o Aya Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)  
(2) M/s Navrang Commercial Co. (P) Ltd.  
•219 Chitranjan Avenue Calcutta.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR. III/9-82/887.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land, situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 1 bigha and 16 biswas Kh. No. 1882/3 Village Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,  
LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR. III/9-82/939.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land, situated at Village Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mangey Ram  
s/o Bibari,  
Lakhram, Pehlad s/o Dhani Ram,  
Bhagat Ram s/o Mawasi,  
r/o Vill. Chitorni,  
New Delhi,  
through General attorney Bidhi Chand s/o  
Uttam Chand r/o  
6. Shivpuri Extn. Delhi.

(2) Sanskriti Pratushtan, C-6/53,  
Safdarjang Enclave,  
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

13/16 share in Agri. land measuring 9 bighas and 2 biswas Kh. No. 226/1(2-7), 223(1-19), 224(4-16) Vill. Aya Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM NO. IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ganapathi Gopalan,  
D-277, Sarvodaya Enclave,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. C. K. Maan,  
9, Rajnivas Road,  
Civil Lines, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq. U/SR.III/9/82/892.—Whereas I,  
NARINDAR SINGH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25 0/-  
and bearing No.

D-227, situated at Sarvodaya Enclave, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering  
Officer at

New Delhi on September, 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publication  
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

D-277, Sarvodaya Enclave, Delhi-Mehrauli Road, New  
Delhi, single storey built 1970 About 112 Sq. Mtrs.  
Covered.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
 G-13 GROUND FLOOR, C.R. BUILDING,  
 I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR. III/9-82/991.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

G-17, situated at Jangpura Extension, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S. Tara Singh s/o S. Karam Singh, r/o Mohalla Hanuman Garhi, Kasba Kankhal Pargana Jyalapur, Distt. Saharanpur (UP) at present 1/4233, Ansari Road, Daryu Ganj, New Delhi-110002.

(Transferor)

(2) M/s Vysya Chitfund Private Limited, 1808 Bhagirath Place, Chandni Chowk, Delhi-6, through its Managing Director Sh. Basudev Garg s/o Sh. Ram Lal Garg, r/o 1-A, Sagar Apartments, 6-Tilak Marg, New Delhi-110002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Leashold rights of land alongwith Building constructed upon it bearing No. G-17, situated at Jangpura Extension, New Delhi.

NARINDAR SINGH  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
 Acquisition Range-I,  
 Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Sohan Lal r/o  
601/10 Ranjit Nagar,  
Ludhiana (Pb).

(Transferor)

(2) S. Sukhey Mal  
r/o V. Post Kandella,  
Distt. Muzaffer Nagar (U.P.).

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR. IV/9-82/283.—Whereas I.  
NARINDAR SINGH,  
being the Competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Plot No. F-2,  
situated at East Jyoti Nagar, Shahdara, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on September, 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. F-2, measuring 256 Sq. yds, situated at East  
Jyoti Nagar, Shahdara, Delhi]

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR. IV/1-82/311.—Whereas I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 45, Block B, situated at Village Sikdarpur in the Jyoti Nagar, (East) Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sh. Om Parkash Aggarwal s/o Sh. Kisham Lal Aggarwal, r/o B-45, East Jyoti Nagar, Shahdara, Delhi-32. and Kumari Susheela Goyal d/o Sh. Deep Chand Goyal, r/o Mawlonghat Shillong in Dist. of East Khasi Hills (Meghalaya) through her General Attorney Sh. Nirmal Kumar Jhunthara s/o Sh. Om Parkash Jhunthara, r/o 307, Guru Nanak Auto Market, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Smt. Urmila Devi Jain w/o Sh. Rajinder Kumar Jain,  
2. Smt. Urmila Jain w/o Sh. Mangu Mal Jain,  
3. Sh. Pardip Kumar Jain, s/o Sh. Paltu Mal Jain,  
4. Sh. Parveen Kumar Jain s/o Sh. Paltu Mal Jain,  
5. Sh. Subbas Chand Jain s/o Sh. Subbas Chand Jain s/o Sh. Paltu Mal Jain, all r/o 11/250 Gandhi Road, Baraut, Distt. Meerut U.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Built up Plot No. 45, Block B, measuring 433.3 sq. yds part of Kh. No. 477, situated at Village Sikdarpur in the abadi of Jyoti Nagar (East) Shahdara, Delhi.

NARINDAR SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

30—96GI/83

Date : 5-5-1983  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. Raj Rani Dheer w/o Shri Dalip Chand Dheer,  
4, Ajmal Khan, Karol Bagh, New Delhi-5.  
(Transferor)

(2) Shri Sahib Ahmad Akhtar s/o Shri Ahsan Akhtar,  
18B/4, Jyoti Nagar West Loni Road, Shahdara,  
Delhi.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.IV-9-82/300 —Whereas, I,  
**NARINDAR SINGH**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. No. s/11 situated at Jyoti Nagar West, Loni Road, Shahdara, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Sept. 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot No. S/11, measuring 243.3 sq. yds situated at Jyoti Nagar, west Loni Road, Shahdara, Delhi.

**NARINDAR SINGH**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

"Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 5-5-1983.  
Seal :

## FORM ITN6

(1) Smt. Ram Piari wd/o Sardari Lal of 2-A/56, Gita Colony, Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Kumar Chaudhry s/o Shri Ram Parkash, Master Amit Chaudhry s/o Ch. Hans Raj of Punjabi Bagh East r/o 5/13, East Punjabi Bagh, New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-82/9591.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. VII/4889, situated at Phatak-Namik-Hauz Qazi, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

One house No. VII/4889, Phatak-Namik, Hauz Qazi, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUDHIR CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 7-5-1983.  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Ram Narain Batra s/o Shri Dharam Chand  
r/o I-135, Kirti Nagar, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Krishan Lal Chawla s/o Shri Ram Chand  
r/o I-135, Kirti Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-82/9604.—Whereas, I,  
**SUDHIR CHANDRA**  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I-135 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. I-135 mg. 353.1/3 sq. yds. situated at Kirti Nagar, New Delhi-15.

**SUDHIR CHANDRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983.

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Smt. Uma Rani d/o Shri Parshotam Saran w/o Shri Parmatma Saran, Shri Anup Kumar alias Anupam Kumar and Shri Atul Kumar both ss/o Shri Parmatma Saran all r/o 25/35, Shakti Nagar, Delhi.  
 ("Transferor")  
 (2) Shri Sushil Kumar s/o Shri Krishan Lal r/o 8935, Naya Mohalla, Pul Bangesh Delhi.  
 ("Transferee")

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-82/9642.—Whereas, I,  
SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25/35, situated at Shakti Nagar, Delhi-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Sept. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. 11742, built on Plot No. 25/33, mg. 200 sq. yds. situated at Shakti Nagar, Delhi.

SUDHIR CHANDRA  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-II,  
 Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983.  
 Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-82/9597.—Whereas, I,  
SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5506 (New), 6907 (Old) Plot No. 1, situated at Basti Harphool Singh, Sadar Thana Road, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Norat Mal Barmecha s/o late Bucih Raj Barmecha, r/o 3/4, Basti Harphool Singh, Sadar Thana Road, Delhi-6.  
(Transferor)

(2) Smt. Harban Kaur w/o late S. Sobha Singh, S. Gurcharan Singh s/o late S. Sobha Singh r/o 16B/23, WEA, Karol Bagh, Dev Nagar, New Delhi-5.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 5506 (New), 6907 (Old) Plot No. 1 (Western half) Basti Harphool Singh (North) Ward No. 14, Sadar Thana Road, Delhi-6.

SUDHIR CHANDRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi,

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri Harjit Singh s/o Shri Attar Singh r/o G-22/6,  
Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sajla Harjit w/o Shri Harjit Singh r/o  
G-22/6, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-82/9610.—Whereas, I,  
SUDHIR CHANDRA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
G-22/6, situated at Rajouri Garden, New Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
on Sept., 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. G-22/6, mg. 143.3 sq. yds. situated at Rajouri  
Garden, area of village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 7-5-1983.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-82/9622.—Whereas, I,  
SUDHIR CHANDRA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. 455-56/2, situated at Arya Pura, Subzi Mandi, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
on Sept., 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) Shri Chaman Lal s/o Shri Tej Ram r/o 429, Jammu  
Mohalla, Maujpur, Delhi and Shri Subhash Chander  
s/o Shri Asa Nand r/o 7962, Kharia Mohalla,  
Roshanara Road, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Sohan Lal s/o Kachheru and Master Nathu Ram  
through his natural guardian Shri Kachheru 4230,  
Arya Pura Suzbi Mandi, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette of a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publication  
of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House No. 4555-56/2, Arya Pura Subzi Mandi, Delhi,  
Ward No. XII area mg. (47'-4" x 22'-3 $\frac{1}{2}$ ").

SUDHIR CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 75-5-1983.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

- (1) Shri Mohd. Aqil Mirza s/o Mirza Mohsin Jan r/o 5058, Kucha Rehman, Chandni Chowk, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Saida Begum w/o Mohd. Ayub, Smt. Ishrath Bi w/o Mohd. Shafiq r/o 4138, Urdu Bazar, Katra Nizamulmulk, Jama Masjid, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-82/9608.—Whereas, I,  
**SUDHIR CHANDRA**  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Mpl. No. 5023 Ward No. VI, situated at Kucha Rehman,  
Chandni Chowk, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer Delhi  
on Sept., 1982  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972  
(11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Double Storeyed house bearing Mpl. No. 5023 in  
Ward No. VI, mg. approx. 200 sq. yds. situated at Kucha  
Rehman, Chandni Chowk, Delhi.

**SUDHIR CHANDRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
31—96GI/83

Date : 7-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Ram Chand Jain s/o late Shri Rangi Lal  
r/o 4397, Aryapura, Subzi Mandi, Delhi.  
(Transferor)
- (1) Shri Sumat Parkash Jain s/o Shri Kirori Mal Jain  
& Smt. Sri Kanta w/o Shri Sumat, Parkash Jain  
r/o 4211, Aryapura, Suzbi Mandi, Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR C.R. BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-82/9635.—Whereas, I,  
**SUDHIR CHANDRA**  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

4397 Gali Ch. Tek Chand situated at Aryapura, Subzi  
Mandi, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi  
on Sept., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

3 storeyed house mg. 122.50 sq. yds. Property (Old) No.  
6156 (New) 4397, Gali Ch. Tek Chand, Aryapura, Subzi  
Mandi, Delhi.

**SUDHIR CHANDRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 7-5-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-82/9626.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. III/2250 (New), situated at Gali Hinga Beg, Phatak, Habash Khan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Sept. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ram Lal s/o Shri Bura Ram r/o III/2250 (New) Gali Haji Building known as Gali Hinga Beg, Phatak Habash Khan, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Mathura Dass Daulat Ram, 4048 Naya Bazar, Delhi through its prop./partner Shri Daulat Ram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. III/2250 (new), situated at Gali Hinga Beg, Phatak Habash Khan Delhi, area about 123 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 7-5-1983

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Ram Avtar s/o Late Shri Kanshi Ram r/o M-24, Kirti Nagar, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Ravi Trehan s/o late Dr. Amolak Ram Trehan, r/o M-24, Kirti Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 26th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-L/9-82/9601.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-24, situated at Kirti Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Sept., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Portion of property No. M-24, mg. about 104 sq. yds. situated at Kirti Nagar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 26-4-1983.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Shiv Kumari Gupta d/o Shri Chander Parkash w/o Shri S.B. Gupta r/o 5-B/103, Paschimi Vibar New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 26th April 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-82/9648.—Whereas, I,  
**SUDHIR CHANDRA**  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. F-85, situated at Bali Nagar, New Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Sept., 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Subhash Chander Arora s/o Shri Prithivi Raj Arora r/o A-7, Vishal Enclave, New Delhi & Smt. Promila Arora w/o Shri Subhash Chander Arora r/o as above.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 85, Block-F, situated in Bali Nagar, approved colony, New Delhi, area of village Bassai Darapur, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**SUDHIR CHANDRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 26-4-1983.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Jagdish Prasad s/o Shri Shyo Dayal, 1424, Maliwara, Delhi-6.  
(Transferor)  
(2) Smt. Ratan Devi Mudgal w/o Shri Krishna Gopal Mudgal r/o 1424, Gali Kishan Dutt, Maliwara, Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 11th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-82/9606.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1424, situated at Gali Kishan Dutt, Maliwara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Sept. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. 1424, mg. 131 sq. yds. situated at Gali Kishan Dutt, Maliwara, Delhi-6.

SUDHIR CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1983.

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Smt. Raj Kumari w/o Shri Rama Shanker r/o  
24/7, Shakti Nagar, Delhi-7.  
(Transferor)
- (2) Smt. Ranjit Kaur w/o Shri Trilochan Singh, 11439,  
Shakti Nagar, Delhi-7.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 11th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/9-82/9607.—Whereas, I,  
**SUDHIR CHANDRA**  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 11664, 24/7, situated at Shakti Nagar, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Sept., 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Only first floor and barsati floor of property No. 11664, 24/7, Shakti Nagar, Delhi-7 mg. 200 sq. yds.

**SUDHIR CHANDRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1983.  
Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th May 1983

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-82/7876.—Whereas, I,  
**SUDHIR CHANDRA**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
Plot No. B-10 situated at Shiv Nagar New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering  
Officer at New Delhi, on September 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(1) S. Atma Singh S/o S. Surat Singh  
R/o 2701/7, Multani Dhanda,  
Paharganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Neerupama Jain W/o Shri D. K. Jain  
WZ/459/3, Shiv Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot No. B-10, mg. 180 sq. yards. Khasra No. 543, at  
Shiv Nagar, New Delhi.

**SUDHIR CHANDRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 7-5-1983  
Seal :

## FORM IIINS—

(1) Shri Om Parkash S/o Shri Lakhi Ram  
R/o Village Alipore, Delhi State.  
(Transferor)

(2) M/s. Ferguson Time Industries,  
R/o 3792, Churiwala, Delhi-6.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th May 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/9-8207.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. Land situated at Vill. Alipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 9-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

**THE SCHEDULE**

Built in house with open land total area mg. 374 sq. yards in Khasra No. 894, situated in Lal Dora Abadi, Alipore, Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHIR CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

32—95GI/83

Date : 7-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Daya Wanti Wd/o Sh. Bhagwan Dass Dhingra  
r/o B-79, Vivek Vihar, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Smt. Kailash Rani Duggal W/o Sh. Harivansh Lal,  
Sh. Vinood Krishan and Sh. Sunil Kumar S/o  
Sh. Harivansh Lal all r/o 10/46A, Punjabi Bagh,  
New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th May 1983.

Ref No. IAC/Acq.II/SR-II/82/7881.—Whereas, I,  
**SUDHIR CHANDRA**  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Plot No. E-33, situated at New Multan Nagar, New Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at New Delhi in September 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. E-33 mg. 223.88 sq. yds. out of khasra No.  
2/21-22, situated in the area of vill. Jawala Heri, in the  
abadi of New Multan Nagar an approved colony, at mile  
stone 6-7 to 7-2, towards north of Main Rohtak Road, New  
Delhi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**SUDHIR CHANDRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, the following  
persons, namely :—

Date : 7-5-83.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Ramesh Chander Vij S/o late Sh. H. K. L. Vij r/o 29/113-114, West Patel Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Parveen Sudhan S/o Purshotam Singh Sudhan r/o 1276-77, Najafgarh, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th May 1983.

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-82/7864.—Whereas, I,

**SUDHIR CHANDRA**  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Nangli Sakrawati, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in Sept., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land 9 bighas 6 biswas, Kh. No. 23/3/1, 8/2, 13/1, situated at Vill. Nangli Sakrawati, Delhi.

**SUDHIR CHANDRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 7-5-83.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Sh. Amrit S/o Sh. Ganga Sahai  
r/o Vill. Hastsal, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Manoj Kumar Luthra S/o Sh. Kundan Lal  
Luthra r/o 56/CW, Tibia College, Karol Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th May 1983.

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-82/7983.—Whereas, I,  
SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. land situated at Vill. Rajapur, Teh. Meh., New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Sept., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

Land mg. 6 bighas 5 biswas out of 113 bighas part of Kh. Nos. 2/10, 11, 12, 18, 19, 20, 22/2, 3/16, 17, 18, 23, 24/1, 4/25/1, 7/2/1, 4/1, 8/1, 22/11, 12/2, 19/1, 21, 22, 23/6/2, 7, 15, 14, 7/3/1 and 22/20 and 24/2/2 of vill. Rajapur, Teh. Meh., New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHIR CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-5-83.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri S. Jaswant Singh r/o J-11/33, Rajouri Garden, New Delhi as G. A. of S. Jaswant Singh Kohli & Pritam Singh Kohli r/o A-25, Narang Colony, Delhi.

(Transferor)

(2) S. Santokh Singh r/o B-7/5, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th May 1983.

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-82/7968.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. C/78, situated at Fateh Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Sept., 1982

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Plot No. C/78, mg. 220 sq. yds. out of Kh. No. 537, situated at Fateh Nagar, area of vill. Tehar, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHIR CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-5-83.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th May 1983.

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-82/7925.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Shahbad Daulatpur, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Sept., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Rajeshwar, Pershad S/o Sh. G. R. Sharma r/o C-49, Ashok Vihar, Delhi and Varinder Sharma S/o Sh. Gian Parkash r/o 40/12, Yusaf Sarai, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Manju Aggarwal W/o Sh. Rajendra Kumar Aggarwal r/o 23/4, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land 19 bighas 3 biswas Kh. No. 58/5(4-16), 6(4-16), 59/1(4-16), 10(4-16) of Vill. Shahbad Daulatpur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-5-83.  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Smt. Ram Kali W/o late Sh. Ramesh Chander  
r/o 30/51, Punjabi Bagh, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Tirath Singh S/o late Sh. Nanak Singh and  
Smt. Mohinder Kaur W/o Sh. Tirath Singh both  
r/o 227, Secretary Mohalla, Gurdaspur, Punjab.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th May 1983.

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-82 /7875.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-12, situated at Krishan Park, Najafgarh Road, New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Sept., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. A-12, Krishna Park on Najafgarh Road, N. Delhi area 201.9 sq. yds. Khasra No. 43/8, in vill. Bodhela, Delhi.

SUDHIR CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-5-83,  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J. P. ESTATE,  
NEW DELHI.**

New Delhi, the 7th May 1983.

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-82 /8004.—Whereas, I,  
**SUDHIR CHANDRA**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Vill. Shahbad Daulatpur, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Sept.. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Rajeshwar Pershad S/o Sh. G. R. Sharma  
r/o C-49, Ashok Vihar, Delhi and Varinder  
Sharma S/o Sh. Gian Parkash  
r/o 40/12, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Aggarwal S/o Sh. T. P. Aggarwal  
r/s 40/12, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Land 18 bighas 17 biswas K. No. 50/21(4-16), 51/24(4-16), 25(4-16), 58/4(4-11) of Vill. Shahbad Daulatpur, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**SUDHIR CHANDRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-5-83.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Dilbagh Singh Rana alias  
Harbans Lal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kanchan Devi Sharma 1726, Shohan Ganj, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th May 1983.

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-82 /7888.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-6, situated at Mansrover Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Sept., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. B-6, Mansrover Garden, Tilak Nagar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely :—  
33—96GI/83

Date : 7-5-83.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Ved Ktmari wd/o Malik Narender Nath  
r/o J-7/12A, Rajouri Garden, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Sh. Dharam Dev Narang S/o Sh. Hotu Ram  
Narang r/o D-1/8, Rajouri Garden,  
New Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th May 1983.

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-82 /7998.—Whereas, I,  
**SUDHIR CHANDRA**  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. J-7/12A, situated at Rajouri Garden, New Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
at New Delhi in Sept., 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. J-7/12A mg. 143 sq. yds. situated at Rajouri  
Garden, New Delhi area of vill. Tatarpur, Delhi State, Delhi.

**SUDHIR CHANDRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 7-5-83.  
Seat :

## FORM ITNS—

(1) Shri Gian Ram, Dewan Singh alias Ram Kishan and Baldev s/o Har Chand r/o vill. Karala, Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Davinder Verma S/o S. B. Verma r/o H-104, Shivaji Park, Delhi. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th May 1983.

Ref. No. IAC/Acq.II/9-82 /7919.—Whereas, 1,  
**SUDHIR CHANDRA**  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Pausali, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

1/3rd share of Kh. No. 24/18, 24/19, 24/20 vill. Pausali, Delhi (13 bigha 17 biswas).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**SUDHIR CHANDRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 7-5-83.  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) 1. Sh. Gobind Ram Suri S/o Ghan Shayam Dass r/o 459, Jeenat Bari, K. Gate, Delhi.  
(Transferor)
- (2) Sulabh International South Gandhi Maidan, Patna through its chairman Sh. Bindeshwar Pathak.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 7th May 1983.

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/9-82/7992.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Palam, New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Sept., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Area 15 biswas Kh. No. 83/19 of vill. Palam, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-5-83.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Madan Mohan Suri S/o Gobind Ram  
r/o 459, Jeenat Bari, K. Gate,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Sulabh International South Gandhi Maidan,  
Patna through its Chairman Sh. Bindeshwar  
Pathak.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE,  
NEW DELHI.Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 7th May 1983.

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II /9-82 /7993.—Whereas, I,  
**SUDHIR CHANDRA**  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. Land situated at Vill. Palam, New Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Area 15 biswas Kh. No. 83/19 of village Palam, New Delhi.

**SUDHIR CHANDRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-5-83.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/9-82/7994.—Whereas, I,  
SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Palam, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Brij Bhushan Suri s/o  
Shri Gobind Ram, R/o  
459, Jcenat Bari, K. Gate,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Sulabh International South Gandhi Maidan  
Patna through its Chairman,  
Shri Bindeshwar Pathak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Area 15 biswas Kh. No. 83/19 of village Palam, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Om Prakash a/o  
Shri Gobind Ram r/o  
459, Jeenat Bari, K. Gate,  
Delhi.

(2) Sulabh International South Gandhi Maidan, Patna  
through its Chairman,  
Shri Bindeshwar Pathak.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1983

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/9-82/7995.—Whereas, I,  
**SUDHIR CHANDRA**,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Palam, N. Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi in Sept., 1182  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Area 15 biswas Kh. No. 83/19 of village Palam, New  
Delhi.

**SUDHIR CHANDRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 7-5-1983  
Seal :

## FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE.  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th May 1983

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/9-82/7958.—Whereas I,

SUDHIR CHANDRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1, Block No. J-4, situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Sept., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sudhir Kumar Gupta s/o  
Shri Roshan Lal Gupta, r/o  
12/18, Shakti Nagar,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Prem Lata w/o  
Shri Youdhister Kumar, r/o  
A-2/72, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 1, built on plot No. 1, Block No. J-4, mg. 228 sq. yds. situated at Rajouri Garden, area of vill. Tatarpur, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income tax)  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 11-5-1983  
Seal :

## FORM LT.N.S.—

- (1) Shri Karanbhai Dhulabhai Vaghela, r/o 53/c/16, Dhanji Parshottam Bldg. Jamalpur Char Rasta, Behrampura, Ahmedabad.  
(Transferor)
- (2) Shri Bhikhabhai Shivabhai Jadav, r/o 230/1, G-Type, Sector No. 19, Gandhinagar.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1983

Ref. No. P. R. No. 2426 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1—Bldg. situated at Bhav Kunj Co. Op. H. Socy., Setelite Rd., Jodhpur Tekra, A'bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 15-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bldg.—standing on land adm. 362 sq. yds. situated at Bhav Kunj Co.op. H. Socy., Setellite Road, Jodhpur Tekra, A'bad, duly registered by S. R. A'bad, vide sale-deed No. 13312/15-9-82.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax)  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1983

Ref. No. P. R. No. 2427 Acq 23 1/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 29/12, T. P. S. 6, F. P. No. 55 paiki situated at Paldi, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 4-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Maheshbhai Amrulal Dalal, r/o C/3, Abhilasha Flats, behind Jain Merchant Society, Paldi, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Roshni Shopping Centre & Flats Owners Assn, through : Kantilal Chunilal Shah, C/o Shri Nareshchandra Chinubhai, r/o 16, Motikunj Society, Near Ishver Bhuvan, Navrangpura, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land adm. 360 sq. yd.-situated at T.P.S. 6 Paldi, A'bad, duly registered by S. R. A'bad vide sale deed No. 13088, 13089 & 13090/4-9-82.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1983  
Seal :

## FORM ITN9

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1983

Ref. No. P. R. No. 2428 Acq 23/1/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FP No. 17, SP No. 7, TPS. 4, situated at Rajpur-Hirpur, Maninagar, A'bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 2-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bai Saraswati-daughter of Joshi Haridas Jagjivan das, r/o Rajamehta's Pole, Kalupur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Trimurti Apartment, Chairman, Sangitaben Parmeand Modi, Mithakali, 6, Road, Near Gargala, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land adm. 759 sq. yd. with incomplete plinth situated at Rajpur-Hirpur, Maninagar, TPS. 4, A'bad, duly registered by S. R. A'bad, vide sale-deed No. 7298/2-9-82.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 12-4-1983  
Seal :

## FORM IIIS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1983

Ref. No. P. R. No. 2429 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TPS. 3 varid FP 701, SP No. 5, paiki 1/4th situated at Ellisbridge, A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad. on 24-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Jaishri Jagatbhai Ratilal, r/o Near Juna Sharda Mandir, Ellisbridge, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Sun Shine Association, Through : President, Suryaben Rasiklal, r/o Triveni Apartment, Mithakhali, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land adm. 536.40 sq. yd. 1/4 paiki-with structure thereon, situated at Juna Sharda Mandir, A'bad-duly registered by S. R. A'bad, vide sale-deed No. 8743/24-9-82.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1983

Ref. No. P. R. No. 2430 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. P. S. 22-F. P. 93 palki situated at Paldi, A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 17-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Harilal Sakarchand Bhavsar, r/o Vachali Sheri, Raipur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Amit Apartment Co.op. H. Socy. Ltd., No. 7, Hiramoti Chambers, Khadia, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land adm. 954 sq. mtr.-situated at Paldi, A'bad, duly registered by S. R. A'bad, vide sale-deed No. 13599/17-9-82.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1983  
Seal :

## FORM I.T.N.S. —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1983

Ref. No. P. R. No. 2431 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 550/1 & 550/2 situated at Village : Makarba, Dist. : A'bad. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 8-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (1) 1. Shri Baldevbhai Somnath Patel,  
2. Shri Rasikbhai B. Patel,  
3. Shri Ghanshyambhai B. Patel,  
4. Shri Rohitbhai B. Patel,  
5. Shri Lallubhai B. Patel,  
6. Shri Kanubhai L. Patel, r/o  
All at village : Mohmadpura,  
Tal : Daskroi, Dist : Ahmedabad.
- (Transferor)
- (2) Smt. Miraben Pannalal Zaveri, r/o  
20, Jain Merchant Society,  
Ellisbridge, Paldi,  
Ahmedabad.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land adm. 1A-8G & 2A-1G-situated at village : Makarba-Dist : A'bad duly registered by S. R. A'bad sale-deed No. 9654/8-9-82/S.R.I.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1983

Ref. No. P. R. 2432 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 78 paiki S. P. No. 19-2nd floor, flat No. 5, situated at Memnagar, A'bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 27-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Anjaniben. Bhupendra Shah, r/o  
Ghyankunj Colony, Navrangpura,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Manoj Sumanlal Shah, r/o  
"Jivavish", Bunglow No. 1,  
Falgun Society, behind  
A. G. High School,  
Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat-adm. 96 sq. yd.-situated at Memnagar, A'bad, duly registered by S. R. vide sale deed No. 14132/20-9-82.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Manilal Somchand Mody, r/o  
Jamalpur-Chakla,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Yogeshkumar Bhadraklal Trivedi, r/o  
Village : Sarkhej,  
Dist : Ahmedabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1983

Ref. No. P. R. 2433 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. P. 163—T.P.S. 22-2nd floor Flat Block No. 9, situated at Paldi, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 10-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat-Adm. 95 sq. yd.—situated at Paldi, A'bad, duly registered by S. R. A'bad, vide sale-deed No. 13355/10-9-82.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1983  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Sureshbhai Atmaram Patel, r/o  
Jada Bhagat's Pole, Dariapur,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Arvindkumar Amatyal Kothari,  
2. Shri Yashwantkumar Dhudalal Shah, r/o  
Disa-Rajpur,  
Dist : Banaskantha.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1983

Ref. No. P. R. 2434 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- S. No. 86-B, F. P. No. 90, Plot No. 4 paik, TPS. 8, situated at Dariapur-Kazipur-A'bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 29-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat adm. 106 sq. yd.—situated at Dariapur-Kazipur, A'bad duly registered by S. R. A'bad, vide salc-deed No. 15761/29-9-82.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

35-96GI/83

Date : 12-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ramanlal Ambalal Patel,  
through : P. A. H.  
Shri Ishverbhai Shanabhai Patel,  
Nandanvan Society,  
Shahpur Bahai Centre,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Jagat Yagnakumar Desai, r/o  
Ajanta Park, Naranpura Char Rasta,  
Ahmedabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1983

Ref. No. P. R. 2435 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. P. S. 19-F. P. 56 situated at Naranpura, Usmanpura, A'bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 13-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat-adm. 120 sq. yd.—situated at T. P. S. 19, A'bad, duly registered by S. R. A'bad vide sale-deed No. 106976/13-9-82.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1983

Ref. No. P. R. 2436 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 309, paiki situated at Ranip, Dist : A'bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 24-9-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Mansinghbhai Jesingbhai, r/o village : Ranip, Dist : Ahmedabad. (Transferor)  
 (2) Ajitnath Ranit Co-op. H. Socy., Chairman : Shri Harshadbhai C. Patel, r/o 76, 'Parashmani', Village : Ghatlodiya, Dist : Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land adm. 5566 sq. yd.—situated at Ranip-Dist : A'bad duly registered by S. R. A'bad vide sale-deed No. 14024 & 14025/24-9-82.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1983

Ref. No. P. R. 2437 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. City Survey No. 288/E/4, Adm. 49.48 sq. mtr. situated at Ghogha Fali, Opp : Gopnath Dairy, Jamnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rs. 25,000/- and bearing for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Mahipatilal Keshavlal Shah, r/o  
Near Neminath Temple,  
Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Dilipkumar Chaturdas Mehta, r/o  
Makim Wadi,  
Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed at No. 2875 dt 20-9-82 by S. R. Jamnagar.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, wherefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd April 1983

Ref. No. P. R. 2438 Acq. 23-I/83-84.—Whereas, I,  
R. R. SHAH  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
Krishna Nagar saith 1613/2, Wd. No. 6, Sheet No. 194  
Nondh No. 2023 and Sheet No. 212 Nondh No. 2024, 25, 26  
adm. 829.11 sq mtrs. Plot No. 1048, A/1 to 1048 A/2,  
Krishna Nagar, Bhavnagar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering officer at  
SR, Bhavnagar on Sept. 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) Kusumben Tribhovandas Shah  
P.A. Holder of  
Laxmiben Tarachand Kapadia Killol,  
Near Jilla Panchayat, Rajkot.  
2nd Address : 'Gandhagar'  
Opp : Municipal, Market,  
Navrangpura, Ahmedabad.  
(Transferor)
- (2) Shri Bhupatrai Mohanlal Shah,  
Organisor : Shantinikatan Co. op. Hsg. Socy. Ltd.  
(Proposed)  
Vania Sheri, Ghogha Bandar,  
Bhavnagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed No. 2438 dt. 31-8-82 by  
S.R. Bhavnagar.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 22-4-83  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd April 1983

Ref. No. P. R. 2439 Acq. 23-1-83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2108-B, at Takhteshwar plot situated at Near Home High School, Thakteswar Plot adm. 709.61 sq. mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R., Bhavnagar on 10-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Smt. Nirmala Pravinchandra Raimagia  
C/o. R. K. Traders, Lati Bazar, Bhavnagar.

(2) Smt. Hansha Jayantilal Vasani,  
C/o. Vasani Brothers,  
Lati Bazar, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Shri Ashwinbhai Dhirajlal Mehta,  
Karta of H.U.F. of  
Shri Dhirajlal Narsidas,  
Nakubag, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property registered vide sale-deed No. 2339 dated 10-9-1982 by S.R., Bhabagar.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 22-4-83  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) 1. Shri Ratilal Mohanlal Panchal  
2. Shri Kantilal Mohanlal Panchal  
Lalabhai's Pole, Mandvi Pole,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Akhil Anjan Samaj Seva Mandal Trust,  
Through : Secretary,  
Shri Veljibhai Mobaibhai Chaudhry,  
(of Vikas Bal Mandir),  
Lalabhai's Pole, Mandvi's Pole,  
Ahmedabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd April 1983

Ref. No. P. R. No. 2440 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I  
R. R. SHAH  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1955—S. No. 1956—M.C. No. 1043/1043-1, situated at Jamalpur Wd-2 Shop No. 74, situated at Lalabhai's Pole, Mandvi's Pole, A'bad.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-9-82  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Building situate in Mandvi's Pole, A'bad, duly registered by S.R. A'bad, vide sale-deed No. 13565/16-9-82.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-4-83  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd April 1983

Ref. No. P. R. No. 2441 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I  
**R. R. SHAH**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R. S. No. 405/p, 406/p & Plot No. 186A situated at Naroda Industrial (Township), Naroda, A'bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at A'bad on 2-9-82  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Patel Oil Industries,  
 Moti Khadki, Naroda,  
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Narayansinh Premsingh,  
 113, New Cloth Market,  
 O/S Raipur Gate,  
 Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Factory shed standing on land 5727 sq. mtr. situated at Plot No. 186-A, Naroda Industrial Township, Naroda, A'bad, duly registered by S.R. A'bad, vide R. No. 12957/2-9-82.

R. R. SHAH  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
 Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-4-83  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Patel Oil Industries,  
Moti Khadki, Naroda,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Prem Singh Gurucharansingh,  
113, New Cloth Market,  
O/s Raipur Gate, Ahmedabad.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd April 1983

Ref. No. P. R. 2442 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I  
R. R. SHAH  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
RS No. 405/p, 407/p & 404/2 part & Plot No. 186 situated  
at Naroda Ind. Township, Naroda, A'bad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at A'bad on 2-9-82  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days, from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Factory shed—standing on land 2355 sq. mtr. situated at  
Plot No. 186, Naroda Industrial Township, Naroda, A'bad,  
duly registered by S.R. A'bad, vide R. No. 12958/2-9-82.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquittal of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following  
persons, namely :—

36—96GI/83

Date : 22-4-83  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd April 1983

Ref. No. P. R. No. 2443 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I  
R. R. SHAH  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Building—Sanand No. 64/72 paiki Sanand No. 179/97 situated at Chhaya Bazar, Ambica Chawk, Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on Sept. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Shri Shamaldas Kanji Shah,  
2. Smt. Sushila Shamaldas Shah,  
3. Smt. Kusum Ashokkumar,  
Chhaya Bazar, Junagadh.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Narendra Girjashankar Vyas,  
2. Shri Anilkumar Girjashankar Vyas,  
3. Shri Jayeshkumar Girjashankar Vyas,  
4. Shri D. G. Vyas  
@C/o Murlidhar Lodge, Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building standing on land 330 sq. mtr. situated at Ambica Chawk, Junagadh duly registered by Junagadh vide sale-deed R. No. 1858 /Sept. 82.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-4-83  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 2nd May 1983

Ref. No. P. R. No. 2444 Acq. 23-1/83-84.—Whereas, I,  
R. R. SHAH  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
F. No. 64 to 67 and 72 to 75 situated at plot No. 27, Panch-  
sheel Society, Usmanpura, Ahmedabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ahmedabad on 1-9-1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Shri Abdulvahid Gulamrasul Kureshi  
N. K. House, Near Mithakhali Garnala,  
Behind Natraj Talkies,  
Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Vansraj Rikhowchand Bhansaly,  
No. 27 Panchsheel Society, Usmanpura,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publication  
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Building standing on land 417 sq. yds. situated at 27-Panch-  
sheel Society, Usmanpura, Ahmedabad duly registered by S.R.,  
Ahmedabad vide sale-deed No. 12863/1-9-82.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 2-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Triveniben, Widow of Patel Jivraj,  
Sukhnath Road, Amreli.

(Transferor)

(2) 1. Shri Patel Anilkumar Balubhai Sawalia.

2. Shri Patel Ajitkumar Balubhai Sawalia  
both minor—through their Guardian  
Shri Patel Balubhai Dharamshibhai Sawalia,  
Sukhnath Road, Amreli.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 2nd May 1983

Ref. No. P. R. 2445 Acq 23-I/83-84.—Whereas, I

R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 193/1 to 6—Tika No. 9/2—S. No. 60 situated at Sukhnath Road, Amreli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amreli on 30-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Building standing on land 720 sq. m. situated at Sukhnath Road, Amreli duly registered by S.R., Amreli, vide sale-deed R. No. 1477/30-9-82.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1983  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 2nd May 1983

Ref. No. P. R. No. 2446 Acq 23-I/83-84.—Whereas, I  
R. R. SHAH  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. P. No. 147-147-1 to 4 paiki, plot No. 15, T.P.S. 19 situated at Navrangpura, Shikhpur-Khanpur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Natverlal Madhavlal Patel (Himself) and also as Power of Attorney holder of Shri Chaturbhaji Madhavlal Patel, Sadar Patel Colony, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Zaverilal Puransinh  
2. Shri Chimansinh Puransinh  
3. Shri Chandubhai Puransinh  
Op. Kamatibaug, Baroda.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Building standing on land 769 sq. yds. situated at Shikhpur-Khanpur, T.P.S. 19, Ahmedabad duly registered by S.R., Ahmedabad vide sale-deed No. 13004/2-9-82.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 2-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 2nd May 1983

Ref. No. P. R. No. 2447 Acq 23-J/83-84.—Whereas, I  
R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat B/1 of New Girdharpark Co-op. Housing Society Ltd., situated at Opp. C. N. Vidhyalaya, Ambawadi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Rajiv Taneja,  
10-Sudarshan Society No. 2,  
Naranpura, Ahmedabad-380 013.

(Transferor)

(2) 1. Shri Anil Kumar Anantrai Srimakat  
2. Smt. Hiralaxmi Anantrai Mehta,  
Both at No. B/1 Flat, New Girdharpark,  
Co-op. Housing Society, Opp : C. N. Vidhyalaya,  
Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat adm. 95 sq. yds. situated at Ambawadi, Ahmedabad, duly registered by the undersigned on receiving 37-EE Form on 6-9-82.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 2nd May 1983

Ref. No. P. R. No. 2448 Acq 23-I/83-84.—Whereas, I  
R. R. SHAH  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1621/2 situated at Wadhawan City, Surendranagar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Wadhawan on 27-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jayantilal Virjibhai Gohel  
at Amichand Doctor's Bungalow  
Bharat Flour Mill, Joravarnagar,  
Surendranagar.

(Transferor)

(2) Shri Vishwakarma Co-op. Housing Society,  
President : Shri Parshotambhai Harjivanbhai Parmar  
Cloth Market, Joravarnagar, Surendranagar.

(Transferee)

' Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 3A—36 G—i.e. 18876 situated at Wadhawan sim, Surendranagar duly registered by S.R., Wadhawan, vide sale-deed R. No. 3026/27-9-82.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 3rd May 1983

Ref. No. P. R. No. 2449 Acq 23/I/83-84.—Whereas, I  
R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bungalow S. No. 443, Paikina Plot No. 15 situated at Kotacha Nagar Sheri No. 1, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on Sept. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(1) Smt. Gunilyaben Amichand Motwani,  
C/o Manubhai Shah,  
Diwan Shaheb's Bunglow,  
Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Kishorkumar Ranchhoddas Raja,  
Guardian Shri Ranchhoddas VasANJI Raja,  
333, J. S. S. Road, Rajshekhar Socy.,  
Thakurdwar,  
Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Building at Kotacha Nagar Sheri No. 1, S. No. 443, paikin Plot No. 15, Rajkot, vide Sale deed No. 5770/82 Dt : 10-9-82.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-5-83  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd May 1983

Ref. No. P. R. No. 2450/Acq.-23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bunglow situated at 'Umiya Krupa' near Harihar Socy. Beside 'Supnalok' bldg. Kalavad, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Rajkot on 14-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Nirmalaben Nanalal Singhada, Bhidbhanjan Sheri, Rajkot.
- (2) (1) Jamnadas Muljibhai Dhingani, (2) Chandulal Muljibhai Dhingani both at 'Umiya Krupa', bear Harihar Socy. Beside 'Supnalok' Bunglow, Kalavad, Rajkot.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Building standing on 209 sq. yds. situated at Rajkot duly registered by S. R. Rajkot vide sale deed No. 6050 dated 14th September 1982.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Acquisition Range-I, Ahmedabad  
Acquisition Range, POONA

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
37—96GI/83

Date : 3-5-1983.  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Mrudulaben Mohanlal Gotcha & Ots.  
Kuvadwa Road,  
Rajkot.
- (2) Soni Vrajjal Mohanlal Satoliya,  
'Nirmalkunj' Vardhman Nagar,  
Rajkot.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009  
Ahmedabad-380 009, the 4th May 1983

Ref. No. P. R. No. 2451/Acq.-23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 85-1, Plot No. 48 situated at Raiya, Rajkot

Fatl No. 104, 1st Floor, Gautam Kutir Bldg., Plot No. 16, No. S. No. 85-1, Plot No. 48 situated at Raiya, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on September 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot S. No. 85-1, plot No. 48, sq. yd. 1074-20 situated at Raiya, Rajkot duly registered by S. R. Rajkot vide sale deed No. 6014 dated 10th September 1982.

R. R. SHAH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Pune, the 5th April 1983.

Ref. No. CA-5/37EE/103/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 107, Pravin Palace, Plot No. 37/38, S. No. 5, 6, 7 Navghar Village, situated Vasai, Dist. Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acquisition Range, Pune, on 29-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) M/s. Vishwakarma Builders,  
Pravin Palace, Vishwakarma Niwas, Station Road,  
Vasai (W) Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Mr. Nilkanth Anant Khot,  
23/B, Indian Air Lines,  
Staff Quarters, Sahar Village, Bombay-400 99.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 107, Pravin Palace, Plot No. 37/38, S. No. 4, 5, 6, 7 Navghar Village, Tal. Vasai, Dist. Thane.  
(Area—615 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under R. No. 123 dated 27-9-1982).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1983

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, 26th April 1983

Ref. No. CA-5/852/SR.Haveli/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gat No. 111, S. No. 21, Hissa No. 1, Post Gorhe Bk., Tal. Haveli situated at Dist. Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Haveli on 22-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Shri Vishwanath Rambhai Parge, Donje Haveli  
 (2) Shri Kashinath Rambhai Parge, Donje, Haveli  
 (3) Shri Keshav Rambhai Parge, Donje, Haveli  
 (4) Shri Pundlik Rambhai Parge, Donje Haveli, Dist. Pune.

- (2) The Chief Promoter,  
 Shri Hasmukh Bhai Shivbhai Patel  
 Nandavan Sahaakari Krishi Phalodpadak Sanstha Ltd., 34, Aditya, 501, Rasta Peth, Pune-411 011.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Land Gat No. 111, Survey No. 21, Hissa No. 1, Post Gorhe Bk., Tal. Haveli, Dist. Pune.

(Area—OH-73,50R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli, Pune under No. 4454 dated 22-9-1982).

SHASHIKANT KULKARNI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD POONA-4

Poona-4, the 5th May 1983

- (1) (1) Smt. Dhoupatibai Hari Rahinj  
 (2) Smt Kausalyabai Chandrakant Rahinj  
 Ahmednagar.  
 (Transferor)
- (2) (1) Shri Rajendra Eknadhrao Nimbalkar,  
 (2) Shri Vijay Kumar Lalchand Kothari,  
 (3) Sou. Sughna Suresh Anmal  
 (4) Shri Arvind Eknath Nimbalkar  
 (5) Shri Alamchand Lalchand Kothari  
 (6) Smt. Lalita Ashok Anmal  
 All are residing at Ahmednagar.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. CA-5/37-G/83-84.—Whereas, I,  
**SHASHIKANT KULKARNI**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
 and bearing  
 No. Land at Savedi, Tal. Nagar, S. No. 24/331-2A situated  
 at Ahmednagar  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
 of 1908) in the office of the Registering Officer  
 at S. R. Ahmednagar on 23-9-1982  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of the publi-  
 cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in that  
 Chapter.

## THE SCHEDULE

Open Land at Savedi—S. No. 24/331-2A Tal. & Dist.  
 Ahmednagar. (Area—61 Are)

(Property as described in the sale deed registered in the  
 office of the S. R. Ahmednagar under No. 3116 date 23rd  
 September 1982),

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
 persons, namely :—

**SHASHIKANT KULKARNI**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Poona.

Date : 5-5-1983

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Vasant B. Sulkar,  
112/1, Prabhat Rd.,  
Lane No. 14, Pune-411 004.

(2) Smt. Madhavi Madhukar Atre,  
423-B, Shanikar Peth, Pune-411 030.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 15th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/104/83-84.—Whereas, I,  
SHASHIKANT KULKARNI,  
being the Competent Authority under  
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Office premises, 2nd floor, 1125 Sadashiv Peth Sheela  
Apartment—Area-221 sq. ft. situated at Pune-411 030  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at

I. A. C. Acquisition Range, Pune  
on 1-10-1982

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Office premises, 2nd floor, 1125 Sadashiv Peth, Sheela  
Apartment, Pune-411 030.

(Area—221 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement registered  
in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under No.  
181 dated 10-10-1982).

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

SHASHIKANT KULKARNI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 15-4-1983  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, 26th April 1983

Ref. No. CA-5/851/SR.Haveli/83-84.—Whereas, I,  
**SHASHIKANT KULKARNI**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Survey No. 65, Post Khadakwasala, Tal. Haveli,  
situated at Dist. Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at S. R. Haveli, I. Pune on 22-9-1982  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (i) (1) Shri Vishwanant Rambhau Parge, Donje, Haveli.
- (2) Shri Kashinath Rambhau Parge, Donje, Haveli, Dist. Pune.
- (3) Shri Keshav Rambhau Parge, Donje, Haveli.
- (4) Shri Pundlik Rambhau Parge, Donje, Haveli, Dist. Pune.
- (2) The Chief Promoter—Shri Harmukhbhai Shivbhaji Patel, Nandanvan Sahakari Phalodpadak Sanstha Ltd., 34, Aditya, 501, Rastha Peth, Pune-411 011.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land Survey No. 65, Post Khadakwasala, Tal. Haveli, Dist. Pune.

(Area—OH-74.87R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I, Pune under No. 4456 dated 22-9-1982).

**SHASHIKANT KULKARNI**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dato : 26-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Vishwakarma Builders,  
Mahendra Palace,  
StationRoad, Vasai (W),  
Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri Ananda Anchani,  
27/5, M. G. Road, Dahanukar,  
Wadi, Kandiwali (W),  
Bombay-400067.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-4

Poona-4, the 4th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/102/83-84.—Whereas, I,  
**SHASHIKANT KULKARNI**  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
Flat No. 311, Mahendra Palace, Plot No. 47/48  
S. No. 4, 5, 6, 7, Navghar village situated at  
Vasai, Dist. Thane  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
I.A.C. Regn. Range, Pune on 27-9-82  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 311, Mahendra Palace, Plot No. 47/48 S. No.  
4, 5, 6, 7 Navghar village, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Area—365 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement registered  
in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under  
No. 116 dated 27-9-82.)

**SHASHIKANT KULKARNI**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Poona.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following  
persons, namely :—

Date : 4-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Malleshyam Visaya Gajul,  
1276, Bhadravati Peth,  
Sholapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) 1. Sou. Nagalaxmi Visaya Gajul,  
2. Shri Laxman Mallya Gajul,  
3. Shri Ashok Mallaya Gajul,  
All are residing at 1899, New Pachha Peth,  
Sholapur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-4

Poona-4 the 8th April 1983

Ref. No. CA-5/37EE/105/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing City S. No. 10381—Plot No. 16, 17/125 New Pachha Peth, situated at Sholapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S.R. Sholapur on 5-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

City Survey No. 10381—Sub Plot No. 124, Final Plot No. 16/17B survey No. 159—Area 260 sq. meters.—New Pachha Peth, Sholapur.

(Property as described in the sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 314 dated 5-11-82).

SHASHIKANT KULKARNI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

38—96GT/83

Date : 4-4-1983  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-4**

Poona-4, the 4th April 1983

Ref. No. CA-5/101/37EE/83-84—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 14, 4th floor, A-Wing, Madhuben Apartment, C.S. No. 493, 501 and 502 situated at Dombivili, Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. A. C. Acquisition Range, Pune

on 27-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Gandhi and Amersey,  
10 JN. Haredia Marg, Ballard Estate,  
Bombay-400038.

(Transferor)

(2) 1. Shri Fulshankar M. Thakar,  
2. Shri Vijay F. Thakar,  
436, Gopal Gally Mulji Jetha Market,  
Bombay-400002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 14, 4th floor, A-Wing, Madhuben Apartment, C.S. No. 493, 501, 502, Dombivili, Tal. Kalyan, Dist. Thane.

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under No. 79 dated 24-9-82).

SHASHIKANT KULKARNI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Poona,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Bhaurao Baburao Chavare,  
Burudgaon,  
Ahmednagar.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Kanakmal Motichand Munot,  
2. Shri Madanan Kanakmal Munot,  
3. Shri Pravinchand Madanlal Munot,  
All are residing at Dalmandai,  
Ahmednagar.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 6th May 1983

Ref. No. CA-5/37G/83-84/865.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, Bhingar S. No. 375/2, Ahmednagar situated at Ahmednagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ahmednagar on 27-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land—Bhingar—S. No. 375/2—Area 2A 20G.  
(10078 Sq. meters)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar under No. 3141 dated 27-9-1982.)

SHASHIKANT KULKARNI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Pune.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. Dadhabai Gnanamuthu and others  
68, Trichendur Road,  
Palayamkottai.

(Transferee)

(2) Smt. K. Hemaladha  
W/o Sri M. G. Chandara Mohan  
TC 29/883 Thakkara Parambu  
Vanchiyur, Village  
Trivandrum-Pin 695 023.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 109/Sep/82.—Whereas, I,  
R. P. PILLAI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at 4 High Grounds Road, Palayamkottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palayamkottai (ITEM No. 305/82) in September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building 4 High Grounds Road, Palayamkottai (Doc. No. 305/82).

P. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-600-006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1983

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 110/Sep/82.—Whereas, I,  
**R. P. PILLAI,**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
 situated at 4 High Grounds Road, Palayamkottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palayamkottai (ITEM No. 306/82) in Sept. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Dr. Dadhabai Gnanamuthu and others  
 68 Tiruchendur Road,  
 Palayankottai.

(Transferor)

(2) Smt. K. Padmavathi  
 W/o Sri Shanmugamnandha  
 Chengalacheri Village,  
 Valiacholai 4-C. 23/36 Trivandrum  
 Pin. 695 023.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 4 High Grounds Road, Palayamkottai, (ITEM No. 306/82).

P. P. PILLAI  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I  
 Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1983  
 Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S. M. Dorairaj, S. M. Anandan,  
34/25, Periapalayathamman Koil Street,  
Madras-21.

(Transferor)

(2) R. Thylambal  
11, Govindappa Naicken Street,  
Madras-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras -600 006, the 27th April 1983

Ref No. 4/Oct/82.—Whereas, I,

R. P. PILLAI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 6325 situated at 11, Govindappa Naicken

Street, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Somarpet, Madras (Doc. No. 422/82) in October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Land and building at R. S. No. 6325, 11, Govindappa Naicken Street, Madras-1, (Doc. No. 422/82).

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1983  
Seal :

FORM NO. IT.NS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Ashok Kumar N. Jain  
28, Veerapan Street,  
Madras-1.  
(Transferor)
- (2) Haridas Mimani & Rukmani Devi Mimani,  
2, Raghu Nayakulu Street  
Madras-600 003.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras -600 006, the 27th April 1983

Ref. No. 5/Oct/82.—Whereas, I,  
R. P. PILLAI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28 Veerapan Street situated at Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet, Madras (Doc. Nos. 428, 429/82) on October 1928 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Land and building at New No. 28, Veerapan Street, Madras-600 001. Doc. Nos. 428, 429/82).

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-4-1983

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S. V. Ramasamy Chetty and S. V. Subbarayalu,  
122, Annapillai Street,  
Madras-1.

(Transferor)

(2) Anil Kumar Chopda & S. Ramesh Kumar,  
No. 14, Krishna Iyer Street,  
Madras-1.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1983

Ref. No. 7/Oct./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 122, Anna Pillai Street, situated at Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North-JSR-II, (Doc. No. 3024/82)

on October 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Land and building at No. 122, Annapillai Street, Madras-1.  
(Doc. No. 3024/82).

R. P. PILLAI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 27-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) K. V. Doraiswamy,  
17, Bharathi Road 1st Street,  
Perambur,  
Madras-11.

(Transferor)

(2) Thiru K. Mani,  
115/17, Muthanur Street,  
Rajapalayam.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1983

Ref. No. 8/Oct./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17, Bharathy Road, situated at First Street, Perambur, Madras-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North-JSR-II, (Doc. No. 3034/82)

on October 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Land and building at No. 17, Bharathy Road 1st Street, Perambur, Madras-11.  
(Doc. No. 3034/82).)

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
39—96GI/83

Date 27-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M. D. Rathnavell,  
M. D. Rajavel,  
Divakar, Bhaskaran,  
R. Moorthykumar & Gnanamani,  
No. 9, Vadamalai Maistry Street,  
Peddimalckenpet,  
Madras-600 001.

(2) Smt. Rajkawar W/o Sri Sugandh Jain,  
8, Budrahal Garden Street,  
Madras-1.  
Sri Pratapchand,  
165, Govindappa Naick Street,  
Madras-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1983

Ref. No. 9/Oct./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing O.S. No. 3839, situated at R.S. No. 7713, (Doc. No. 3123/82) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North-JSR-II, on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at O.S. No. 3839, R.S. No. 7713. Doc. No. 3124/82). ....

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I.  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 27-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS.—

(1) I. Sivaloganayaki  
P. Iyyankani,  
9 Zinda Saheb Street, Kondithope,  
Madras-1.

(Transferor)

(2) R. Shanmugam,  
7 Govindappa Naicken Street,  
Madras-1.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-1,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 10/Oct./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 124/62 situated at as per document No. 3175/82 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras-North (Document No. 3175/82) on October 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building in R.S. No. 124/62.  
(Document No. 3175/82)

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-1,  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1983  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-1,  
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 11/Oct./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at 50 Bunder Street, G.T., Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Document No. 3220/82), on October 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sent. S. S. Subhashini,  
W/o Late S. Srinivasulu,  
Gandhi Road, Proddatur,  
A. P. State.

(2) Sri Soori Chetty Surendra,  
S/o Sri Soori Chetty Govindarajulu Chetty,  
No. 8, Kasi Chetti Lane, Madras-1.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building 50 Bunder Street, G.T. Madras-1.  
(Document No. 3220/82)

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Sivaramakrishnan,  
106 T. H. Road, Madras-81.

(Transferor)

(2) Mrs. R.M. Kalyani Achi,  
Plot No. 1798, 13th West Cross Street, Mahakavi  
Bharathiar Nagar, Ashok Layland Colony Vyasarpadi, Madras-39.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 12/Oct./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 4310 situated at T.H. Road, Thondiarpet, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rayapuram, (Doc. No. 1554/82) on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land at T. H. Road, Tondiarpet, Madras.  
(Doc. No. 1554/82)

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-1, (i/c)  
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1983

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri S. Sivaramakrishnan,  
106 T. H. Road, Madras-81.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).(2) Sri RM. A. Muthu,  
Plot No. 1798, 13th West Cross Street,  
Mahakavi Bharathiar, Nagar,  
Ashok Layland Colony, Madras-39.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-1,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 13/Oct./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 4310 situated at T.H. Road, Thondiarpet, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Payapuram, (Doc. 1558/82)

on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Vacant land at T. H. Road, Tondiarpet, Madras.  
(Doc. No. 1558/82)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-1, (1/c)  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri S. Sivaramakrishnan,  
106 T. H. Road, Madras-81.  
(Transferor)
- (2) Shri A. Chandrababu,  
415, T. H. Road, Old Washermanpet,  
Madras-21.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 14/Oct./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 4310 situated at T.H. Road, Thondiarpet, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rayapuram, (Document No. 1552/82) in October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant Land in R.S. No. 4310 T. H. Road, Madras-81.  
(Document No. 1552/82)

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri S. Sivaramakrishnan,  
106 T. H. Road, Tondiarpet,  
Madras-81.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Kumar Khadloya,  
No. 446 T.H. Road,  
Madras-21.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-1,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 15/Oct./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 4310 situated at T.H. Road, Thondiarpet, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rayapuram, (Document No. 1551/82) on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant Land at T. H. Road, Madras-1, (Document No. 1551/82.)

R. P. PILLAI  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-1, (1/c)  
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1983  
Seal :

## FORM I.T.N.S.....

(1) M/s. B. Srinivasan,  
S. Kishore,  
Kirtivasan,  
S. Krishna,  
Plot No. 4475, Anna Nagar,  
Madras-40.

(Transferor)

(2) Shri Bhikamchand Baid,  
42 Hunters Road, Madras-7.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 16/Oct./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 38 Walltax Road, Madras-1, situated at Sowcarpet,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet,

(Doc. No. 437/82),  
in October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

40—96GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building 38 Walltax Road, Madras-1.  
(Document No. 437/82)

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, (i/e)  
Madras-600 006

Date : 28-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 17/Oct./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at 7 Perumal Mudali Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet (Document No. 442/82), on October 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Lakkal-Managing Trustee of Shri Tikeswara Maharaj Brijmohan Hanumanji Temple, Residing at Farah, Mathura (U.P.).  
 (2) Shree Venkatesa Oushadhalaya  
 150 Mint Street, Madras Rep. by its Honourable Secretary J. Harigopal.  
 Madan Mohan Trustee of Sri Tikeswara Maharaj Brijmohan Hanumanji Temple.

(Transferor)

(2) Shri J. Nawab Singh,  
 S/o Choudhary,  
 Jugalkishore and residing at  
 7 Perumal Mudali Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land and building 7 Perumal Mudali Street, Madras-1.  
 (Document No. 442/82)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-1, (1/c)  
 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 28-4-1983  
 Seal :

## FORM ITNB

(1) Shri M. V. Chandran,  
Shri C. Venkataraman (Minor)  
No. 280 Konnur High Road, Ayanavaram,  
Madras-23.

(Transferor)

(2) M/s. Sri Gokul Bhavan by its Partners  
1. Smt. Saroja Rajendran,  
2. Sri K. AA Dorairaj,  
7 Portious Road,  
Ayanavaram, Madras.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 19/Oct./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at 7 Portious Road, Ayanavaram, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Annanagar (Document No. 1320/82)

at Annanagar (Document No. 1320/82)

in October 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building 7 Portious Road, Ayanavaram, Madras.  
(Document No. 1320/82)

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, (i/c)  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref No. 20/Oct/82.—Whereas, I,  
**R. P. PILLAI,**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nil, situated at MIG FLAT AT ANNANAGAR, Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Annanagar (Doc. No. 1294/82) on Oct. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Lalitha Vivekanandan  
 W/o Shri K. Vivekanandan  
 C. No. 84 Annanagar,  
 Madras-102.

(Transferor)

(2) Sri Sam Joseph  
 S/o Late I. T. Joseph  
 G-107 Annanagar, East,  
 Madras-102.  
 Present Address  
 P. B. 35238 SHAAB KUWAIT.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

MIG Flat at Annanagar (Doc. No. 1294/82).

R. P. PILLAI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I  
 Madras-600 006.

Date : 28-4-1983  
 Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 21/Oct/82.—Whereas, I,  
R. P. PILLAI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. Nil.

situated at Plot No. 1481, A. A. Nagar, Madras 600 102  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Annanagar (Doc. No. 1369/82) on Oct. 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(1) Shri D. Gopalakrishnan  
No. 7, Palet Madhavan Road,  
Mahalingapuram,  
Madras-34.

(2) Mrs. Gayatri Gopalakrishnan  
No. 7, Palat Madhavan Road,  
Mahalingapuram,  
Madras-34.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building 1481 A. A. Nagar, Madras-600 102  
(Doc. No. 1369/82).

R. P. PILLAI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Date : 28-4-1983

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri V. Gopalan  
S/o Varadaraj Sharma  
C/o Mr. G. Arunachalam  
H. 4 MIG Flats Turnbulls Road,  
Nandanam, Madras.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 22/Oct/82.—Whereas, I,  
R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Nil.

situated at 2367 A. A. Nagar, Madras-40  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Annanagar (Doc. No. 1372/82) on Oct 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at plot No. 2367, A. A. Nagar, Madras-40 (Doc. No. 1372/82).

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 25/Oct/82.—Whereas, I,  
R. P. PILLAI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. Nil.  
situated at 1074 A. A. Nagar  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Annanagar (Doc. No. 1438/82) on Oct. 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Som Deo Paharia  
S/o Sri Pannalal Paharia  
1074 West Annanagar,  
Madras-40.

(2) Mr. Peter Kao  
S/o Mr. C. S. Kao  
9 Park Street,  
Kilpauk Garden Colony,  
Madras-10.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publications of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building Plot No. 1074 in Annanagar (Doc.  
No. 1438/82).

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 28-4-1983

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 29/Oct/82.—Whereas, I,  
 R. P. PILLAI,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe  
 that the immovable property, having a fair market value  
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
 S. No. 10/7A1 situated at Bodinayackenur  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the Office of the Registering Officer at  
 Sendamangalam (Doc. No. 536/82, 541/82 & 550/82) on  
 Oct. 1982  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

- (1) 1. General Secretary  
 Sri Ramakrishna Mision  
 Howrah Dist. West Bengal.
- 2. Smt. Nagarathipammal  
 W/o Sri Venkataraman  
 Andi Chetti Street,  
 Gugai, Salem.
- 3. Sri N. K. Venkatadass  
 S/o Krishnaswamy Chettiar,  
 13 Thiyagaprammam Street,  
 Salem-5.

(Transferor)

- (2) Managing Director  
 Rathna Theatres Private Ltd.,  
 No. 1025/1, 1st Main Road,  
 IV Block Rajaji Nagar,  
 Bangalore-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at Bodinayackenur S. No. 10/7A1 (Doc. No. 536, 541 & 550/82).

R. P. PILLAI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I  
 Madras-600 006.

Date : 28-4-1983  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 31/Oct/82.—Whereas, I,  
 R. P. PILLAI,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
 situated at Ward 23 Swamy Nellaiyappar High Road, Tirunelveli  
 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirunelveli (Doc. No. 1626/82 on Oct. 1982  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri G. Pitchaiah  
 S/o Sri S. Gomathi Nayagam Pillai  
 140 Upstair, Swamy Nellaiyappar,  
 High Road,  
 Tirunelveli-1.

(Transferor)

(2) Sri. P. K. S. Ahamed Miran  
 S/o Sri P. K. Sultan Mohideen Rawther  
 18 Puthu Ammankoil Theru,  
 Sindupoondurai,  
 Tirunelveli-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land and building Ward 23, Swamy Nellaiyappar High Road, Tirunelveli (Doc. No. 1626/82).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-1  
 Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

41—96GI/83

Date : 28-4-1983  
 Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 34/Oct/82.—Whereas, I,  
R. P. PILLAI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. T. S. 1214/1 & 82 situated at 2/32 J Rajamill Road, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam (Doc. No. 2842 and 2843/82) on Oct 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. C. Padmapathi  
W/o Shri M. Chokkalingam Pillai  
Kodikkalkara East Lane,  
Mani Nagaram, Madurai.

(Transferor)

(2) P. Suganthi Minor  
By guardian Venugopal  
40 Nayacker Pudu Theru,  
Madurai.  
Smt. H. Susila  
166-A Vakkil Pudu Theru,  
Madurai.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building 2/32-J Rajamill Road Madurai (Doc. No. 559/82 and 558/82).

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspection Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 28-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Nalla Gounder and others  
Siruvampalayam & Post  
Nedungulam Via,  
Sangagiri, Salem Dt.

(Transferor)

(2) Shri V. Karuppa Gounder and others  
Suruvampalayam & Post  
Nedungulam Via,  
Sangagiri Tk.  
Salem Dt.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 43/Oct/82.—Whereas, I,  
R. P. PILLAI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at 20.44 acres of punja land at Nedunkulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Idappadi (Doc. No. 963/82) on Oct. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Punja land at Nedungulam (Doc. No. 963/82).

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely :—

Date : 28-4-1983  
Seal

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 43-A/Oct/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at 19.94 acres of punja land at Nedungulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Idappadi (Doc. 963/82) on Oct, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri V. Karuppa Gounder and Others  
Siruvampalayam Post,  
Nedungulam Via,  
Sangagiri, Salem.

(Transferor)

(2) Shri Nalla Gounder and Others  
Siruvampalayam & Post,  
Nedungulam Via,  
Sangagiri Tk.  
Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Nanja Land at Nedungulam (Doc. No. 963/82)

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 45/Oct/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at 7 acres and 2/3 cent with building in Keeraikadu and puthur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercuad (Doc. No. 364/82) on Oct. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Gomes  
W/o Late Percy Gomes Anglo  
Indian House  
10/43 Park Road, Cox's Town,  
Jeevanahalli,  
Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Smt. Rajathiammal  
Glaze Brooke Estate,  
Puthur Village, Kiraikadu Post,  
Yercuad, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land building with 7 acres 2/3 cent in Puthur and Kiraikadu (Doc. No. 364/82).

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006.

Date : 28-4-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref. No. 47/Oct/82.—Whereas, I,  
R. P. PILLAI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
situated at 2 acres and 25 cents in S. No. 64 at Kodaikanal  
Town  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Kodaikanal (Doc. No. 420/82) on Oct. 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) Shri R. Vijaya Raghunatha Thondaiman  
S/o Ramachandra Thondaiman  
Convent Road, Kodaikanal.  
(Transferor)
- (2) Gay Travels Private Limited  
61, Nungambakkam High Road,  
Madras-34.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land 2 acres and 25 cents in Kodaikanal  
(Doc. No. 420/82).

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 28-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th April 1983

Ref No. 50/Oct/82.—Whereas, I,  
**R. P. PILLAI**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

Nil  
 situated at 4.27 acres of agricultural land at Athikulam, Madurai  
 6, 7 Navghar Village, situated at Tal. Vasai Dist. Thane,  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thallakulam (Doc. No. 4653/82) on Oct. 1982  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri O. R. M. SP. SV. M. Sevugan Chettiar  
 and 11 Others  
 24 Sivan Koil, North Street,  
 Devakottai.

(Transferor)

(2) Shri V. Ramaswamy Chettiar  
 S/o Shri Venkatachalam Chettiar  
 Ariyakudi, Ramnad Dist.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

4.27 acres of agricultural land at Athikulam, Madurai (Doc. No. 4653/82).

R. P. PILLAI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I  
 Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1983  
 Seal :

## FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 28th April 1983

Ref. No. 52/Oct/82.—Whereas, I  
 R. P. PILLAI  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. situated at 10.11 acres of agri land with building at Nagal Village,  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudiyathal (Document No. 7169/82) on Oct. 82  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Subadrammal and Sri Chinnaswamy Naidu,  
 S/o Thakkalapady Krishna Naidu,  
 494 Indra Nagar, 1 St Street,  
 Bangalore-38

(Transferor)

(2) Smt. V. Jayachandran  
 Secretary, The Christian Medical College, Vellore Association,  
 C. M. C Hospital, Vellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

10.11 acres agricultural land with building at Nagal village (Doc. No. 7169/82)

R. P. PILLAI  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1983  
 Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri B. S. Gopalakrishnan  
S/o B. S. Santhanagopalchettiar,  
Vysiyal Raja Veedi  
Krishnagiri

(Transferor)

(2) Sri B. Suryanarayana Chettiar  
S/o Sri B. Lakshmi Chettiar,  
4 Vysiyal Raja Veedi,  
Krishnagiri

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006  
Madras-600006, the 28th April 1983

Ref No. 54/Oct/82.—Whereas, I  
R. P. PILLAI  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and

bearing No.  
situated at 18.74 acres of land at Jaganathapuram, Thangadi-  
kuppam village  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Krishnagiri (Doc. No. 1748/82)  
On Oct 1982

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning is given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

18.74 acres of land at Jaganathapuram, Thangadikuppam  
Village (Doc. No. 1748/82)

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—  
42—96GI/83

Date : 28-4-1983  
Seal :

## FORM LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras-600006, the 28th April 1983

Ref. No. 55/Oct/82.—Whereas, I,  
**R. P. PILLAI**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 61 situated at Rathinaswamy Street, Annathanapatti Salem  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tadagapatti (Doc No. 1526/82) on Oct. 82  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri S. Meyyappan and others  
 S/o Late K. S. Shanmugam Chettiar,  
 Annanagar, Salem-7

(Transferor)

(2) Shri A. Rajagopal Chettiar,  
 S/o Sri Appavu Chettiar,  
 20 Singarapet, Shevapet,  
 Salem-2

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 61 Rathinaswamy Street, Annadhanapatti Village (Doc. 1526/82)

**R. P. PILLAI**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
 Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1983  
 Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 28th April 1983

Ref. No. 84/Oct/82.—Whereas, I,  
**R. P. PILLAI**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at 5 Vepery High Road, Madras-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc No. 1374/82) on Oct. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs Sodijan Alias Kamrunnisa Begam  
 Mr. Aslam alias T. Mohammed Sirajuddin Saheb  
 Mrs. T. Aina alias Asrafunisa  
 Mrs. T. Amina alias Asrafunisa  
 469 Hajee Syed Hussain Veedhi  
 Fort, Vaniyambadi,  
 North Arcot.

(Transferor)

(2) M/s Naser Shaheen & Co.  
 812 Madurai Ismail Saheb Veedi  
 Kadarpet, Vaniyambadi  
 North Arcot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building 5 Vepery High Road, Madras (1374/82 Doc No.)

**R. P. PILLAI**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1983  
 Seal

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006**

Madras-600006, the 28th April 1983

Ref. No. 85/Oct/82.—Whereas, I,  
**R. P. PILLAI**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at 57 Syful Mulk Street, Pudupet, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 1377/82) on Oct. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri S. Angamuthu Achari  
 Smt. Gowri Ammal  
 57 Syful Mulk Street,  
 Pudupet, Madras-2

(Transferor)

(2) Shri R. Angamuthu  
 S/o Late V. Raju Achari  
 No. 40 P.P.V. Koli Street,  
 Mylapore, Madras-4

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building 57 Syful Mulk Street, Pudupet, Madras-2 (Doc. No. 1377/82)

**R. P. PILLAI**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1983  
 Seal :

**FORM ITNS**

(1) Mrs Khatija Bai and  
Mrs Zakia Raheman  
44 Mc Nichols Road,  
Chetput, Madras-31

(Transferor)

(2) Mrs B. K. Shamcem Abdulla  
No. 9 S. B. I. Staff Colony,  
Arumbakkam, Madras

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006**

Madras-600006, the 28th April 1983

Ref. No. 86/Oct/82.—Whereas, I,  
R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at 44 Mc. Nichols Road, Chetput, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 1392/82)

On or about 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building 44 Mc Nichols Road, Chetput, Madras (Doc. No. 1392/82)

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1983  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006**

Madras-600006, the 28th April 1983

Ref No. 87/Oct/82.—Whereas, I  
**R. P. PILLAI**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at 15 Dr T. V. Naidu Road, Chetput Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc No. 1400/82) on Oct 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. P. R. Thiagarajan  
 15 T. V. Naidu Road,  
 Chetput, Madras 31

(Transferor)

(2) Mrs Fathima Noordeen  
 28 First Main Road,  
 Gandhi Nagar, Adayar, Madras-20

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building 15 Dr. T. V. Naidu Road, Chetput (Doc. No. 1400/82).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**R. P. PILLAI**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 28-4-1983  
 Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Yatheeswari Sarada Priya, Correspondent  
Shri Sarada College Educational Trust  
Alagapuram, Salem-4

(Transferor)

(2) Sri Sengoda Gounder S/o Kandappa Gounder  
Sri Palanivel  
Sri Manickam  
S/o Sengoda Gounder  
Salem

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 28th April 1983

Ref No. 71/Sept/82.—Whereas I  
R. P. PILLAI  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. situated at 17-51 acres of agricultural land in Gangavalli village  
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 3414/82) at Sept 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

17.51 acres of agricultural land at Gangavalli village  
(Doc. No. 3414/(82))

R. P. PILLAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-4-1983  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Ishardas H. Bhatia  
 (Transferor)  
 (2) M/s Nahar Constructions  
 (Transferee)  
 (3) Purchasers  
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1983

Ref. No. AR-1/4857/83-84.—Whereas, I,  
 R. K. BAQAYA,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. C. S. No. 78 of Malabar Cumballa Hill Division situated at Walkeshwar  
 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-9-1982 Document No. 781/80/BOM  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 781/80/BOM and registered on 4-9-1982 with the Sub Registrar, Bombay.

R. K. BAQAYA  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Seal :  
 Date : 7-5-1983

## FORM ITNS

(1) Sri Ajoy Sen  
Smt. Indrani Sen  
C-107, Greater Kailash-1, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Sri Sekhar Kumar Ghosh  
Smt. Malabika Ghosh  
Lath Bagan, Keota, P.O. Sahaganj,  
Dist. Hooghly.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 4th May 1983

Ref. No. AC-13/Acq. R-IV/Cal/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Balagarh, Dt. Hooghly, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hooghly on 30-9-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land 11.65 Cottahs with Building.  
Address : Mouja- Balagarh, P. S. Chinsurah, District.—Hooghly.  
Deed No.; 7981 of 1982

C. ROKHAMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

43—96GI/83

Date : 4-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Sri Dasarath Prosad Joyswal,  
85, Madan Mohan Burman Street, Calcutta-7.  
(Transferor)
- (2) Sri Shyamal Khandelwal,  
P-40, C.I.T., Scheme, 7 M Block-I, Calcutta-54.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 4th May 1983

Ref. No. AC-15/Acqn.R.IV/Cal/83-84.—Whereas, I,  
C. ROKHAMA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 94 situated at 'C' Road, Howrah  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Howrah on 1-9-1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

**THE SCHEDULE**

Land : 8 (eight) Cottahs.  
Address : 94, 'C' Road, P. S. Lilluah, Dist : Howrah.  
Deed No. 2081 of 1982.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

C. ROKHAMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV.  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 4-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Dasarath Prosad Joyswal,  
85, Modan Mohan Burman Street,  
Calcutta-7.

(Transferor)

(2) Sri Omprakash Khavelwal,  
1/2, Darpanarayan Tagore Street,  
Calcutta-6.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 4th May 1983

Ref. No. AC-14/Acqn.R-IV/Cal/83-84.—Whereas, I, C. ROKHAMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

94 situated at 'C' Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 1-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land : 8 (eight) Cottahs  
Address : 94, 'C' Road, P. S. Liluah, Dist : Howrah.  
Deed No. 2082 of 1982.

C. ROKHAMA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shrimati Prativa Sundari Hazra & Ors.  
(Transferor)
- (2) Shri Pranab Kumar Marik,  
Shri Chandan Kumar Marik,  
Shri Shyamal Kr. Marik,  
Shrimati Anjali Marik.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th May 1983

Ref. No. 1284/Acq.R-III/Cal/83-84.—Whereas, I,  
**M. AHMAD.**  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 33 situated at Sahitya Parisad Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-9-1982  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land containing an area 3k 13ch 31sq.ft situated at and lying at 33, Sahitya Parisad Street, Calcutta.

**M. AHMAD**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shree Nursingh Sahay Mudun Gopal Engineers  
Pvt. Ltd.  
(Transferor)
- (2) Shree Trading Corporation.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd May 1983

Ref. No. 1282/Acq.R-III/Calcutta.—Whereas, I,  
**M. AHMAD**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 55 (Block-7, 5th floor) situated at Ezra Street, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Calcutta on 7-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that flat under Block-7, 5th floor, having covered area  
594.69 sq. ft. being premises No. 55, Ezra Street, Calcutta.

**M. AHMAD**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 2-5-1983

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shree Nursingh Sahay Mudun Gopal Engineers  
Pvt. Ltd.  
(Transferor)
- (2) Shree Trading Corporation.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 4th May 1983

Ref. No. 1283 /Acq.R-III/83-84.—Whereas, I,  
M. AHMAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55 (Block-8, 5th floor) situated at Ezra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-9-1982  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that flat under Block-8, 5th floor, having covered area 668.57 sq.ft. being situated at premises No. 55, Ezra Street, Calcutta.

M. AHMAD  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1983  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Autofin Ltd., 8/73 Rastrapathy Road,  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Lakshmi Ganapathy Paper Agencies,  
Jain Temple Street, Tenali.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC No. 45/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40-1-135 situated at Labbipeta, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

House property in Labbipeta, D. No. 40-1-135, Vijayawada, area of 877-3 Sq. mtrs., registered with S. R. O. Vijayawada, vide document No. 10027/82.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Autofin Ltd., 8/73 Rastrapathy Road,  
Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jagadish Paper Products (P) Ltd.,  
40-1-135, Labbipeta, Vijayawada-10.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC No. 44/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40-1-135 situated at Labbipeta, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in September, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## TITLE SCHEDULE

House property at Labbipeta, H. No. 40-1-135, Vijayawada, area of 3265.25 Sq. Mtrs., Asbestos Roofing registered with S. R. O., Vijayawada, vide document No. 10026/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1983  
Seal :

## FORM NO. ITNS

(1) Shrimati S. Aruna Kumari, W/o  
Sri S. Narasinga Rao,  
Yendada, Vizag.

(Transferor)

(2) Ch. V. Narasimha Rao Bharani,  
Waltair Uplands, Vizag-53003.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)**

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC No. 43/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2/B to 3C situated at Rushikonda, Vizag.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on September'82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the deduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Vacant land at Rushikonda, of Vizag, in S. No. 2/B to 3 C 11, 12, 14B & 14-A, area of Ac-1-12/1/2 Cents. registered with S.R.O. Vizag, Vide document No. 9614/82.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

44—96GI/83

Date : 4-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati S. Aruna Kumari, W/o  
Sri S. Narasimha Rao, R/o,  
Yendada, Vizag.

(Transferor)

(2) Shri C. V. Atchuta Rao Bharani, R/o  
Waltair Uplands, Vizag, 530003;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC No. 42/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
2/B to 3C situated at Rushikonda, Vizag,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Vizag on September'82  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land at Rushikonda of Vizag in S. Nos. 3A.2A, 3-  
4-5-6-7-8(P) 9-10-14A(P) area of Ac.1-12-1/2 Cents, re-  
gistered with S. R. O., Vizag, vide document No. 9615/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Date : 4-5-1983

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 41/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs.  
25,000 and bearing No.

20/71 situated at Kanapaka Vizianagaram  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Vizianagaram on September, 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Rukmini Devi, w/o  
Late Rajendra Prasad, R/o  
Contonment, Vizianagaram. (Transferor)
- (2) Vizianagaram South Eastern Railway Employees  
co-op. Building Society,  
V. R. No. 20/71, Vizianagaram. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Vacant land at Kanapaka near Vizianagaram, in R. S.  
No. 20/71 area of 0-88 Cents, registered with S. R. O.  
Vizianagaram vide document No. 4109/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 4-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri M. Appanna, S/o  
Late M. Chandrayya, R/o  
Rushikonda, Yendada, Vizag.

(Transferor)

(2) Sri Krishna Co-op. House Building Society Ltd.,  
No. B.1624, Vizag.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 40/83-84.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8/2A&B situated at Rushikonda Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on September'82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land at Rushikonda, Yendada Post Vizag, in S. No. 8/2A & 8/2B area of 0-70 Cents, registered with S. R. O., Vizag, vide document No. 9633/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 4-5-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) 1. S. Nellamma, R/o  
Lalitha Colony, Vizag-20,  
2. Shri S. Paparao, S/o  
Late Ramarao, R/o  
Vizag-20.

(2) Shri K. Guranna & Others, R/o  
Sidhabathula Street, Vizianagaram.

(Transferor)

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 39/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

29-6-3 situated at Vizag  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Vizag on September, 1982  
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Terraced house at Vizag with D. No. 29-6-3, in Daba Garden, area of 706 Sq. yds, registered with S. R. O., Vizag vide document 9838/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1983  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri B. Subrahmanyawara Rao, R/o  
Governorpeta, Vijayawada.

(Transferor)

(2) V. K. S. R. R/o

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 38/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Asst. 20801 situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on September'82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land at Governorpetta, Vijayawada area of 193.8 Sq. yds, Assessment No. 20801, registered with S. R. O., Vijayawada vide document No. 9714/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri B. Maneswara Rao S/o  
Narayana Murthy, R/o  
Governorpet, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shrimati K. Seetaratnamma, W/o  
Ramadasu, R/o  
Suryaraopet, Vijayawada.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 37/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vijayawada on September'82

No. 23, Umapathy St., situated at Madras 33  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on September 1982  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the 'said' Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant site at Governorpet, Vijayawada, area of 1 93.8 Sq. yds, Rev. Ward. No. 9, B. No. 9, NTS. No. 376, Mpl. Ward No. 24, registered with S. R. O., Vijayawada, vide document No. 9715/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 4-5-1983  
Seal :

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) B. Niranjanarao, S/o  
Narayana Murthy, R/o  
Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri Y. Rajyalaxmi, R/o  
Prajasakthi Nagar, Vijayawada.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 36/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Asst. 20801 situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on September'82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant site at Governorpetta, Ward No. 9, B. No. 9, NTS. No. 376 Mpl. Ward. No. 24, area of 193.8 Sq. yds, registered with S. R. O. Vijayawada, vide document No 9717/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 4-5-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— : —

## FORM ITNS

- (1) B. Satyavati S/o  
Shri Jalayya, R/o  
Governorpeta, Vijayawada.  
(Transferor)
- (2) Y. Trimurthy, R/o  
Prajasakthi Nagar, Vijayawada.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 35/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Asst. 20801 situated at Vijayawada  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Vijayawada on September'82

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant site at Governorpeta, Vijayawada area of 193.8  
sq. yds. registered with S. R. O., Vijayawada, vide docu-  
ment No. 9713/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 4-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Shri B. K. Malleswara Rao, S/o  
Shri Narayana Murthy, R/o  
Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri K. Govardhan Rao, S/o  
Shri Ramadasu, R/o  
Suryaraopetta, Vijayawada.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 34/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,being the Competent Authority under Section 269B of  
the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingAsst. No. 20801 situated at Vijayawada  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Vijayawada on September'82for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant site at Governorpetta, Vijayawada, Ward No. 9,  
B. No. 9, NTS. No. 376, Mpl. Ward. No. 24, Vijayawada,  
area of 193.8 Sq. yds, registered with S. R. O., Vijayawada,  
vide document No. 9718/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269B of the 'said Act' to the following  
persons, namely :—

Date : 4-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) D. Jesudas, etc., R/o  
Pedakakani, Guntur Dt.

(Transferor)

(2) The Jaya Co-op. House Building Society Ltd.,  
Guntur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 33/83-84.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 483 situated at Pedakakani, Guntur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on September'82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land in D. No. 483 area of 1-05 Cents, at Pedakakani, near Guntur, vide document No. 9322/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1983

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 32/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS. No. 125 situated at Maharanipet, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on September'82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. M. Venkataramao, S/o Shri Aychuta Ramayya, R/o Jeya Krishna Puram, Rajahmundry.  
2. Shri Subhadamma, R/o Jayakrishnapuram, Rajahmundry,  
3. Shri K. Devalakshmi, R/o Jayakrishnapuram, Rajahmundry,  
4. Shri K. Prabhavathi, W/o Shri K. Lakshmanarao, R/o Jayakrishnapuram, Rajahmundry,
- (2) Jeevandan Medical Enterprises, Pvt. Ltd., Vizag.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDEULE

Vacant land at Maharanipeta, Vizag, T. S. No. 125, registered with S. R. O., Vizag, area of 981 Sq. yds., document Nos. 9580, 9528, 9529/82, 9527/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 31/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
26-15-22 situated at Vijayawada  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Vijayawada on September'82  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Shri V. Durgarao, S/o  
Shri Alagaraya Naidu, R/o  
Vundavallivari Street, Gandhinagaram,  
Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri T. V. Karunakararao, S/o  
Shri Satya Vara Prasad, R/o  
New Hindu High School,  
Kothepeta, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House property in Vundavallivari Street, Gandhinagaram,  
Vijayawada H. No. 26-15-22, T. S. No. 911/C, area of  
139-1/2 Sq. yds, registered with S. R. O., Vijayawada, vide  
document No. 10104/82.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date : 4-5-1983  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

- (1) 1. Shri Y. Ch. Appalaswami, R/o  
Vizag,  
2. Shri Y. Appalaswami, R/o  
Vizag,  
3. Shri Y. Gaddemma, R/o  
Vizag,  
4. Shri G. Yallamma, R/o  
Vizag,  
5. Y. China Appalanaidu, R/o  
Vizag,  
6. K. Appili, R/o  
Vizag.

(2) The Eastern Electro Manganese, (P) Ltd.,  
11-2-16, Prasath, Dasapalla, Hills, Vizag.  
(Transferor)  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 30/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
S. No. 13 situated at Purushothupuram, Vizag  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Vizag on September'82  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land in Survey No. 13 Purushothanpuram, Vizag,  
registered with S. R. O., Vizag.

S. No.	Area in A — C.	Document No.
1.	0—50	9038/82
2.	0—22	9084/82
3.	0—50	9037/82
4.	0—50	9036/82
5.	0—50	9035/82
6.	0—45	9085/82

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 4-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 4th May 1983

Ref. No. RAC. No. 29/83-84.—Whereas, I,  
M. JEGAN MOHAN,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.PL. SEE BACK situated at Yendava, Vizag  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering officer at  
Vizag on September, 1982for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri K. Gurumurthy, S/o  
Shri Narasimhulu, R/o  
Gnampuram, Vizag.  
2. Shrimati D. Adilakshmi, W/o  
Shri Atchutaramireddi, R/o  
Vizag.  
3. Shrimati M. Anjalamma, W/o  
Shri Naraharireddi, R/o  
Allipuram Vizag.  
4. Shri P. Kameswaramma, R/o  
Vizag,

(Transferor)

- (2) Santhniketan, Co-op. House Building Society,  
Ltd., Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Vacant land at Yendada, Village near Vizag, S. R. O.  
Vizag.

S. No.	R. S. No.	Area in Ac. C.	Document No.
1.	116/13	0—40	9152/82
2.	116/4	0—38	9061/82
3.	116/13	0—40	9155/82
4.	114	0—46	9151/82

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 4-5-1983  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING  
I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/II/9-82/938.—Whereas I,  
**NARINDAR SINGH**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Aya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bhajan Lal S/o Kalo, Jai Ram, Shri Ramu S/o Pera, Shri Balwanta and Hoshiar S/o Bansi, R/o Vill. Nathupur, Distt. Gurgaon (Haryana). through attorney Bidhi Chand.

(2) M/s Abhinav Holdings (P) Ltd. 3-A Vandhana Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 4 bighas Kh. No. 249 min (1-3) 246/1 min (1-19), 245/1 min (0-18), vill. Aya Nagar, New Delhi.

**NARINDAR SINGH**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I  
 Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1983  
 Seal :